@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 10 जुलाई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 234 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पीएम मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान, पुतिन ने किया सम्मानित

सिम्मी कौर बब्बर

मॉस्को, 9 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के सर्वोच्च सम्मान 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्र्यू एपोस्टल' से सम्मानित किया गया। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पीएम मोदी को यह सम्मान दिया। रूस और भारत के द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति के लिए असाधारण कार्यों के लिए प्रधानमंत्री मोदी को 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्र्यू एपोस्टल' सम्मान दिया गया। ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्र्यू एपोस्टल अवॉर्ड पुरस्कार ग्रहण करने के बाद पीएम मोदी ने कहा, 'रूस के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने के लिए मैं हृदय से राष्ट्रपति पुतिन का आभार व्यक्त करता हूं। यह सम्मान केवल मेरा सम्मान नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। यह, भारत और रूस की सदियों पुरानी गहरी मित्रता और आपसी विश्वास का सम्मान है। ये हमारी कूटनीतिक साझेदारियों का सम्मान है। पिछले लगभग ढाई दशक से आपके नेतृत्व में भारत और रूस के संबंध हर दिशा में मजबूत हुए और हर बार नई ऊंचाईयों को प्राप्त करते रहे हैं। आपने दोनों देशों के बीच जिन संबंधों की नींव रखी थी, वो गुजरते समय के साथ और मजबूत होकर निखरे हैं। हमारा पारस्परिक सहयोग, हमारे लोगों की बेहतर भविष्य की उम्मीद भी बन

रहा है।' पीएम मोदी को सम्मानित करते हुए राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, 'प्रिय मित्र और आदरणीय प्रधानमंत्री, मैं आपको यह सर्वोच्च सम्मान मिलने पर तहेदिल से बधाई देता हूं। मैं आपकी और भारत के लोगों के लिए शांति और समृद्धि की कामना करता हूं।' बता दें कि पीएम मोदी को वर्ष 2016 में अफगानिस्तान द्वारा स्टेट ऑर्डर ऑफ गाजी अमीर अमानुल्लाह खान, फरवरी 2018 में फिलिस्तीन द्वारा ग्रैंड कॉलर ऑफ द स्टेट ऑफ फिलिस्तीन, अक्तूबर 2018 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा यूएन चैंपियन ऑफ द अर्थ अवार्ड दिया गया था। वहीं, अप्रैल 2019 में यूएई द्वारा ऑर्डर ऑफ जायद और अप्रैल 2019 में ही रूस द्वारा ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू अवार्ड से सम्मानित किया गया था। इसके अलावा, पीएम मोदी को जून 2019 में मालदीव से ऑर्डर ऑफ द डिस्टिंग्विश्ड रूल ऑफ इज्जुद्दीन, अगस्त 2019 में बहरीन द्वारा किंग हमाद ऑर्डर ऑफ द रेनेसां, दिसंबर 2020 में अमेरिका द्वारा लीजन ऑफ मेरिट, दिसंबर 2021 में भूटान द्वारा ऑर्डर ऑफ द ड्रैगन किंग और इस साल मई में फिजी द्वारा ऑर्डर ऑफ फिजी और पापुआ न्यू गिनी द्वारा ऑर्डर ऑफ लोगोहू से सम्मानित किया गया था। 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्र्यू एपोस्टल' अवॉर्ड रूस का सर्वश्रेष्ठ सम्मान है। इसकी शुरुआत वर्ष 1698 में त्सार पीटर महान (झ्रह्य्ह्ल क्त्रह्लद्दह् ह्लद्धद्द त्नह्म्द्गड्डह्ल) ने की थी। उन्होंने सेंट एंड्रयू के सम्मान में इसकी शुरुआत की थी।

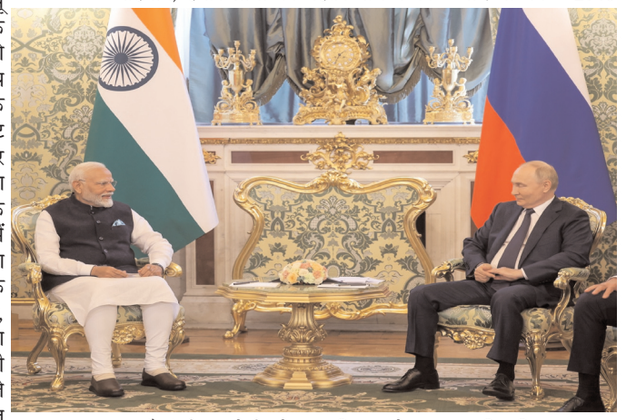

उत्तराखंड पहुंचे पांचों बलिदानियों के पार्थिव शरीर, सीएम धामी ने दी श्रद्धांजलि

जौलीग्रांट(देहरादून), 9 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में हुए आतंकी हमले में उत्तराखंड के पांच जवानों ने अपना बलिदान दे दिया। जवानों के बलिदान से देवभूमि में शोक की लहर है। शाम को बलिदानियों के पार्थिव शरीर देहरादून पहुंचाए गए। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर बलिदानियों को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वहीं, सीएम पुष्कर सिंह धामी और सेना के अधिकारियों ने बलिदानियों के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद जवानों के पार्थिव शरीर उनके घर भेजे जाएंगे।पूर्व सीएम व सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत, कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल, गणेश जोशी, विधायक बृज भूषण गैरोला, डीएम, एसएसपी ने भी जवानों को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि आतंकी हमले में कीर्तिनगर ब्लॉक के थाती डागर निवासी राइफलमैन आदर्श नेगी, रुद्रप्रयाग निवासी नायब सूबेदार आनंद सिंह, लैंसडौन निवासी हवलदार कमल सिंह, टिहरी गढ़वाल निवासी नायक विनोद सिंह, रिखणीखाल निवासी राइफलमैन अनुज नेगी बलिदान दिया। सीएम धामी ने कहा कि यह हम सभी प्रदेशवासियों के लिए अत्यंत पीड़ा का क्षण है क्योंकि हमने भाई और बेटा भी खोया है। हमारे रणबाँकुरों ने उत्तराखंड की समृद्ध सैन्य परंपरा का पालन करते हुए मां भारती के चरणों में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। सैन्यभूमि उत्तराखंड वीर सैनिकों को जन्म देने वाली भूमि है। यहां के जवानों ने सदैव माँ भारती की सेवा में अपने प्राणों की आहुति देकर अपने राष्ट्रधर्म का निर्वहन किया है।

मृतक के परिवार में एक सदस्य को मिले सरकारी नौकरी: अठावले

हाथरस, 9 जुलाई। सिकंदराराऊ हादसे के तीन मृतकों के परिजनों से 9 जुलाई को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने नवीपुर स्थित ग्रीन पार्क पहुंचकर मुलाकात की। मंत्री ने मृतकों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलाने के लिए मुख्यमंत्री से बात करने का आश्वासन दिया। बाबा नारायण साकार हरि की संपत्ति से भी मृतकों के परिजनों को आर्थिक मदद देने की मांग की। मोहल्ला नवीपुर स्थित ग्रीन पार्क पहुंचे केंद्रीय राज्यमंत्री ने मृतक आशा देवी, मुन्नी देवी व ओमवती के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने तीनों परिवारों के सदस्यों से उनकी स्थिति जानी। घटना पर दुख प्रकट किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों से कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अलावा अन्य योजनाओं का लाभ आप ले सकते हैं। परिवार के एक सदस्य को नौकरी दिए जाने के लिए वह प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बात करेंगे। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले ने पीड़ित परिवारों से कहा कि रोजगार के अच्छे साधन के लिए मुद्रा लोन व अन्य योजनाओं से मदद ले सकते हैं। जो थोड़े-बहुत पढ़े-लिखे हैं, वह इसके लिए आवेदन करें।

'दिव्यांग जन अधिनियम लागू करने में सरकार नाकाम

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 9 जुलाई। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2009 में सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले दिव्यांग अभ्यर्थियों की 100 प्रतिशत नियुक्ति के आदेश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि तीन महीने के भीतर सभी दिव्यांग अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाए। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी फटकार लगाई है। अदालत ने कहा है कि केंद्र सरकार, दिव्यांगता अधिनियम के तहत प्रावधानों को लागू करने में नाकाम रही है। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और पंकज मित्तल की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार ने दिव्यांगजन अधिनियम 1995 के प्रावधानों को लागू करने में भूल की है। अदालत ने कहा, 'याचिकाकर्ता ने याचिका से स्पष्ट है कि दिव्यांग जनों के लिए बनाए गए कानून की अवहेलना की गई है।' आपको बता दें कि इस मामले में पंकज कुमार श्रीवास्तव ने अदालत में याचिका दायर की है। पंकज श्रीवास्तव ने वर्ष 2008 में सिविल सेवा परीक्षा दी थी। इस दौरान उन्होंने चार प्रमुख सेवाओं को अपने वरीयता क्रम में रखा था। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा

(आईएएस), भारतीय राजस्व सेवा- आयकर (आईआरएस-आईटी), भारतीय रेलवे कार्मिक सेवा (आईआरपीएस) और भारतीय राजस्व सेवा-सीमा शुल्क एवं उत्पाद शुल्क (आईआरएस-सीएंडई) को अपने वरीयता क्रम में रखा था। परीक्षा और साक्षात्कार में सफल रहने के बाद भी पंकज श्रीवास्तव को नियुक्ति नहीं मिली। इसके बाद पंकज श्रीवास्तव ने 2010 में केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण का रुख किया। इसके बाद न्यायाधिकरण ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को निर्देश दिए थे कि छह महीने के भीतर दिव्यांग जन अधिनियम के तहत रिक्त पदों की जानकारी दें। इसके जवाब में यूपीएससी ने कहा था कि पंकज का नाम दृष्टिबाधित श्रेणी के लिए उपलब्ध रिक्तियों की संख्या की मेरिट सूची में शामिल नहीं है। इसके बाद केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सीएटी) ने एक आदेश पारित किया था। आदेश में कहा गया था कि उत्तीर्ण हुए दृष्टिबाधित अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जाए। इसके बाद केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट में सीएटी के फैसले को चुनौती दी तो अदालत ने याचिका खारिज कर दी। इसके बाद केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। अब शीर्ष अदालत ने कहा है कि पंरज के अलावा दृष्टिबाधित श्रेणी के चयनित 10 अभ्यर्थियों को तीन महीने के भीतर नियुक्ति दी जाए।

उपचुनाव में समर्थन के लिए रिश्वत की पेशकश की

कोलकाता, 9 जुलाई। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने भाजपा उम्मीदवार और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष पर चुनाव जीतने में उनका समर्थन लेने के लिए रिश्वत की पेशकश का आरोप लगाया। विधानसभा उपचुनाव से एक दिन पहले लगाए इस आरोप को भाजपा उम्मीदवार ने निराधार बताया। पश्चिम बंगाल की चार विधानसभा सीटों पर बुधवार को उपचुनाव होना है। कोलकाता की मानिकतला, नदिया जिले की रानाघाट दक्षिण, उत्तर 24 परगना जिले की बगदाह और उत्तर बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले की रायगंज में उपचुनाव होंगे। मानिकतला सीट 2021 में टीएमसी ने सुरक्षित कर ली थी, लेकिन फरवरी 2022 में पूर्व राज्य मंत्री साधन पांडे के निधन के बाद यह खाली हो गई। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने भाजपा उम्मीदवार और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे पर चुनाव जीतने में उनका समर्थन हासिल करने के लिए रिश्वत की पेशकश का आरोप लगाया। उपचुनाव के पहले टीएमसी के मानिकतला निर्वाचन क्षेत्र के संयोजक घोष ने अपनी टेलीफोन पर हुई बातचीत का एक ऑडियो क्लिप जारी किया। उनका आरोप है कि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने उपचुनाव जीतने के लिए उनसे मदद मांगी थी। घोष ने कहा, 7 जुलाई को रात करीब 11:30 बजे भाजपा प्रत्याशी और एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मुझे फोन किया और उपचुनाव में मेरी सहायता मांगी। घोष ने बताया कि चौबे ने उनसे कहा कि अगर वे उनकी मदद करेंगे तो वे उन्हें राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तरीय खेल संगठन में शामिल करने का प्रयास करेंगे।

संविधान की रक्षा के लिए ऑस्कर स्तर का कर रहे अभिनय

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 9 जुलाई। पिछले दिनों बीआरएस के कई नेता कांग्रेस में शामिल हो गए। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मंगलवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह संविधान की रक्षा के लिए ऑस्कर स्तर की कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं बीआरएस अध्यक्ष ने घोषणा की कि वे दलबदलू सदस्यों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की तैयारी कर रहे हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अपने दलबदलू सदस्यों के खिलाफ कानूनी लड़ाई के लिए कमर कस रही है। उन्होंने घोषणा की कि वे सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की योजना बना चुके हैं। दरअसल, पिछले दिनों दलबदल की लहर उठी, जिसमें बीआरएस के सात विधायक, छह एमएलसी और एक राज्यसभा सांसद ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन कर ली। इस बात से खफा बीआरएस प्रमुख और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बेटे

केटीआर ने मंगलवार को कहा, हम उन सभी लोगों से मिलेंगे जो संविधान के संरक्षक हैं। उन्होंने चुनाव आयोग, राष्ट्रपति, राज्यसभा के अध्यक्ष और लोकसभा अध्यक्ष से संपर्क करने की पार्टी की मंशा को रेखांकित किया। केटीआर ने कांग्रेस की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2023 के चुनावों में दलबदल को रोकने के लिए 10वीं अनुसूची में संशोधन करने का वादा किया गया था। बावजूद पार्टी संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन कर रही है। केटीआर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ राहुल गांधी संविधान की प्रति दिखा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी पार्टी इसका अपमान कर रही है। वह संविधान की रक्षा के लिए ऑस्कर स्तर का अभिनय कर रहे हैं। आप खरगोश के साथ नहीं दौड़ सकते और शिकारी कुत्तों के साथ शिकार नहीं कर सकते। केटीआर ने भाजपा और कांग्रेस के सभी पीड़ितों से दलबदल के खिलाफ लड़ने के लिए एक साथ आने का आग्रह किया। केटीआर ने तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए दावा किया कि वह अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने 420 वादे किए थे। सरकार ने सात महीने पूरे कर लिए, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया गया। हार की जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने कहा, हमने कई कल्याणकारी योजनाएं लागू कीं, लेकिन ऐसा लगता है कि हम उन्हें लोगों तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंचा पाए। उन्होंने कहा कि एनडीए या इंडी गठबंधन से जुड़े दलों को न केवल तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बल्कि पूरे देश में हार का सामना करना पड़ा। केटीआर ने कहा कि दलबदल करने वाले बीआरएस सदस्यों के खिलाफ एक याचिका पहले से ही तेलंगाना उच्च न्यायालय में लंबित है। उन्होंने कहा कि 2020 के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष के पास दलबदल करने वाले पार्टी सदस्यों की स्थिति पर फैसला करने के लिए तीन महीने का समय है।

एनसीपी के कुछ दलबदलू विधायकों ने जयंत पाटिल से मुलाकात की

मुंबई, 9 जुलाई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (सपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को दावा किया कि उनके भतीजे अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के कुछ विधायकों ने उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता जयंत पाटिल से मुलाकात की है। पवार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी के विधायकों के एनसीपी (शरद चंद्र पवार) में लौटने की संभावना के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि मैंने ऐसे किसी व्यक्ति से मुलाकात नहीं की है, जो हमारी पार्टी में वापस आना चाहता हो, लेकिन मुझे पता चला है कि उनमें से कुछ ने जयंत पाटिल से मुलाकात की है। जयंत पाटिल एनसीपी की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख हैं। अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न तुरहा (तुरही जैसा एक पारंपरिक वाद्य यंत्र) बजाता हुआ आदमी के बारे में बात करते हुए पवार ने कहा कि उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, क्योंकि कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों को तुरही या चुनाव चिह्न के रूप में आवंटित किया गया था। उन्होंने कहा कि सातारा में हमें इन चिह्नों को लेकर लोकसभा चुनाव के दौरान समस्या हुई थी। अब यह मुद्दा अदालत में है, अगले सप्ताह सुनवाई होनी है। शरद पवार की एनसीपी ने पहले दावा किया था कि सातारा में दो चिह्नों के बीच भ्रम के कारण काफी वोटों का नुकसान हुआ। यहां शरद गुट के उम्मीदवार को अपने भाजपा प्रतिद्वंद्वी से हार का सामना करना पड़ा था। महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनावों के बारे में बात करते हुए शरद पवार ने कहा कि लोगों ने लोकसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के देश को गलत दिशा में ले जाने के प्रयास को विफल कर दिया और राज्य चुनावों में भी ऐसा ही जनादेश मिलेगा।

चीन से जारी सीमा विवाद पर प्रियंका गांधी हुईं हमलावर

सौरभ शर्मा

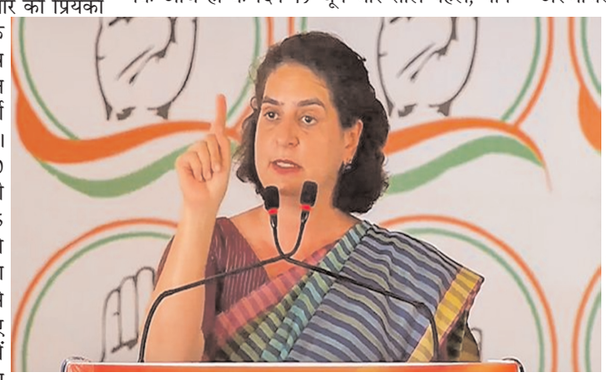

नई दिल्ली, 9 जुलाई। कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी ने भारत चीन सीमा को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। सोमवार को प्रियंका ने अपने एक ट्वीट में दावा किया कि चीन ने भारतीय क्षेत्र में अपने गांव बसा लिए, बंकर भी बना रहा है। चीन ने भारत की लगभग 4000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर कब्जा किया है। इतना ही नहीं, अरुणाचल प्रदेश की 30 जगहों के नाम बदलकर सूची जारी कर दी। चीन सीमा पर हमारे 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स में से 26 हम खो चुके हैं। ये सारी बातें मीडिया कह रहा है। ये सूचनाएं सार्वजनिक रूप से मौजूद हैं। प्रियंका ने सवाल करते हुए लिखा, मोदी सरकार किस दबाव में भारत की सीमा सुरक्षा और अखंडता को लेकर इतने समझौते कर रही है। भारत चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर कांग्रेस पार्टी, लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर रही है। लोकसभा चुनाव से पहले, प्रचार के दौरान और नतीजे आने के बाद भी कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने चीन को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पिछले दिनों, कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने भी भारत चीन सीमा विवाद को लेकर केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया था। जयराम ने एक्स पर लिखा था कि आज ही के दिन 19 जून चार साल पहले, नॉन

बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री ने भारत की भूमि में चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर खुलेआम क्लीन चिट देकर देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ बेहद गंभीर समझौता किया था। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव से पहले भी चीन के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरा था। इससे पहले सितंबर 2023 में कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा था। सोनिया ने अपने पत्र में जिन नौ मुद्दों का जिक्र किया था, उनमें चीन द्वारा लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में की जा रही घुसपैठ भी शामिल थी। राहुल गांधी भी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल एलएसी को लेकर कई बार केंद्र सरकार को घेर चुके हैं। केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर 2023 तक पांच दिवसीय विशेष संसद सत्र बुलाया था। सोनिया गांधी ने संसद के विशेष सत्र में लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में चीन की घुसपैठ पर चर्चा कराने का आग्रह किया था। सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के अनेक नेताओं ने चीन की घुसपैठ का मुद्दा उठाया है। गत वर्ष जब अरुणाचल प्रदेश में चीनी नामों की सूची जारी हुई, तो कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार को जमकर घेरा था। उस वक्त भी कांग्रेस पार्टी, ड्रैगन को क्लीन चिट पंच लाइन से लोगों के गई थी। कांग्रेस नेता, मनीष तिवारी ने संसद में बताया था, दिसंबर, 2022 में जब डीजीपी और आईजीपी की कॉन्फ्रेंस हुई तो वहां एसएसपी लद्दाख की तरफ से प्रस्तुत किया जाता है।

बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले का मुख्य आरोपी मिहिर शाह गिरफ्तार

मुंबई, 9 जुलाई। बीएमडब्ल्यू हिट-एंड-रन मामले का मुख्य आरोपी मिहिर शाह गिरफ्तार कर लिया गया है। शाह ने कथित तौर पर शराब के नशे में लग्जरी कार चलाई। उसने कार से मुंबई के वर्ली में एक दोपहिया वाहन को टक्कर मारी, जिससे 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया। शाह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के शिवसेना गुट के नेता राजेश शाह का बेटा है। वह रविवार सुबह 5.30 बजे हुई दुर्घटना के बाद से फरार था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मिहिर को मुंबई के पास से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि मिहिर के पिता राजेश शाह ने अपने बेटे को भगाने में सक्रिय भूमिका निभाई और वारदात में शामिल वाहन को वहां से हटाने की भी साजिश रची। पुलिस ने मिहिर को पकड़ने के लिए 11 टीम गठित करने के साथ अपराध शाखा को भी जांच में शामिल किया था। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) भी जारी किया गया था। पुलिस के मुताबिक, वर्ली कोलीवाड़ा निवासी कावेरी नखवा (45) रविवार को सुबह करीब साढ़े पांच बजे अपने पति प्रदीप के साथ डॉ. एनी बेसेंट मार्ग से गुजर रही थीं, तभी बीएमडब्ल्यू सवार मिहिर शाह ने दंपति के दोपहिया वाहन को कथित तौर पर टक्कर मार दी। महिला कार के साथ काफी दूरी तक घिसटती चली गई। उन्होंने बताया कि महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद मिहिर बांद्रा-वर्ली सी लिंक की ओर भाग गया। छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद वर्ली पुलिस ने मिहिर के पिता राजेश शाह और ड्राइवर बिदावत को हादसे के बाद भागने में मिहिर की मदद करने के आरोप में रविवार को गिरफ्तार कर लिया था। कार का राजेश शाह के नाम पर है। इस बीच मुंबई पुलिस ने सोमवार को कहा कि फरार मुख्य आरोपी के पिता राजेश शाह ने दुर्घटना के बाद उसे मौके से भागने को कहा था। यही नहीं, राजेश ने अपने ड्राइवर राजऋषि बिदावत को घटना की जिम्मेदारी लेने को कहा, जो हादसे के समय कार में था। पुलिस ने अदालत में सीसीटीवी फुटेज भी पेश किए जिनमें कार से कावेरी नखवा को डेढ़ किलोमीटर तक घसीटते हुए देखा गया। इन तस्वीरों में मिहिर शाह और सह-आरोपी राजऋषि बिदावत को बोनट से महिला को खींचकर हटाते, उसे सड़क पर रखते और गाड़ी को उलटी दिशा में चलाते समय उसे कुचलते हुए देखा जा सकता है।

नेहरू फोबिया से ग्रसित लोग ऑस्ट्रिया के उदय में नेहरू की भूमिका को याद करें: जयराम रमेश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 9 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ऑस्ट्रिया पहुंचने वाले हैं। यह 41 वर्षों में किसी भारतीय पीएम की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा होगी। ऐसे में कांग्रेस एक बार फिर सत्ताधारियों पर जमकर हमलावर हुई। उसने कांग्रेस ने मंगलवार को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1950 के दशक की शुरुआत में संप्रभु और तटस्थ ऑस्ट्रिया के उदय में निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को याद किया। साथ ही कहा कि पीएम मोदी जैसे नेहरूफोबिया से ग्रस्त लोगों को भी इसे याद करना चाहिए। पीएम के ऑस्ट्रिया जाने से पहले कांग्रेस महासचिव एवं संचार मामलों के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, ऑस्ट्रिया गणराज्य की पूर्ण स्थापना 26 अक्तूबर, 1955 में हुई थी। हर साल 26 अक्तूबर को राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसे हकीकत में बदलने के लिए एक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका थी। वो शख्स कोई और नहीं बल्कि वहीं हैं, जिनसे मोदी नफरत करते हैं और उन्हें नीचा दिखाना पसंद करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि ऑस्ट्रियाई शिक्षाविद डॉ. हंस कोचलर ने द्वितीय विश्व युद्ध में विजयी शक्तियों के एक दशक के कब्जे के बाद एक संप्रभु और तटस्थ ऑस्ट्रिया के उदय में जवाहरलाल नेहरू द्वारा निभाई गई प्रमुख भूमिका के बारे में लिखा है। कांग्रेस नेता ने कहा कि नेहरू के सबसे बड़े प्रशंसकों में से एक महान ब्रूनो क्रेस्की थे, जो 1970-83 के दौरान ऑस्ट्रिया के चांसलर थे। जयराम रमेश ने कहा, 1989 में डॉ. क्रेस्की ने नेहरू को याद करते हुए कहा था- जब इस सदी का और उन लोगों का इतिहास लिखा जाएगा, जिन्होंने इस पर अपनी मुहर लगाई है, उनमें से एक सबसे महान और बेहतरीन अध्याय में पंडित जवाहरलाल नेहरू की कहानी होगी। यह भारत के सबसे आधुनिक इतिहास का हिस्सा होगा। बहुत पहले नेहरू मेरे प्रशिक्षकों में से एक बन गए थे। कांग्रेस नेता ने राजनयिक इतिहास में रुचि रखने वालों के लिए कोचलर के पूर्वव्यापी प्रभाव को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि जो लोग नेहरूफोबिया से ग्रसित हैं, जैसे हमारे पीएम और विशेष रूप से 2019 के बाद से हमारे

विद्वान और तेज तर्रार विदेश मंत्री, को भी इसे याद करना अच्छा होगा। भारत और ऑस्ट्रिया के बीच राजनयिक संबंध के 75 साल पूरे हो रहे हैं। मोदी के दौरे से पहले पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 में ऑस्ट्रिया का दौरा किया था। इंदिरा गांधी ने अपने कार्यकाल में दूसरी बार 1983 में ऑस्ट्रिया का दौरा किया था। उनसे पहले देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भी 1955 में ऑस्ट्रिया का दौरा किया था। ऐसे में ऑस्ट्रिया का दौरा करने वाले नरेंद्र मोदी तीसरे प्रधानमंत्री होंगे। हालांकि, ऐसा नहीं है कि चार दशक में ऑस्ट्रिया का भारतीय नेता की तरफ से कोई दौरान नहीं हुआ। इस बीच 1999 में तत्कालीन राष्ट्रपति केआर नारायण और 2011 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने ऑस्ट्रिया का दौरा किया था। ऑस्ट्रिया ने 1947 में भारत की स्वतंत्रता को मान्यता दी थी। भारत और ऑस्ट्रिया के बीच 1949 में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध स्थापित हुए थे। दोनों देशों का एक दूसरे के यहां दूतावास भी है। भारत और ऑस्ट्रिया के राजनयिक संबंध एक दूसरे के साथ बेहतर हैं। पिछले कुछ सालों में दोनों देशों के बीच आर्थिक रिश्ते बेहतर हुए हैं।

लंदन उच्च न्यायालय में प्रत्यर्पण के खिलाफ असांजे की अपील पर दो दिन की सुनवाई शुरू

एजेंसी

लंदन। लंदन में उच्च न्यायालय ने अमेरिका में उनके प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे की अपील पर मंगलवार को दो दिवसीय सुनवाई शुरू की। ऑस्ट्रेलियाई नागरिक असांजे को जमानत उल्लंघन के आरोपों में अप्रैल 2019 में उच्च सुरक्षा वाली बेलमार्श जेल में स्थानांतरित किया गया था। अमेरिका में उन्हें जासूसी कानून के तहत उन गोपनीय सूचनाओं को प्राप्त करने और लीक करने के लिए अभियोजन का सामना करना पड़ा जो इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों द्वारा किए गए युद्ध अपराधों और मानवाधिकारों के उल्लंघन पर प्रकाश डालती हैं। 26 जून को, उत्तरी मारियाना द्वीप समूह में एक अमेरिकी अदालत ने व्हिसलब्लोअर को संघीय अभियोजकों के साथ एक दलील सौदे के हिस्से के रूप में उतने ही समय की सजा सुनाई, जिसने उसकी 14 साल की कानूनी लड़ाई को समाप्त कर दिया। इसके बाद विकीलीक्स के संस्थापक कैनबरा के लिए रवाना हो गए।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने दो-राज्य समाधान के समर्थन को दोहराया

एजेंसी

सिडनी ।आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने मंगलवार को फिलिस्तीन-इजरायल संघर्ष से निपटने के लिए दो-राज्य समाधान का समर्थन करने की संघीय सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। श्री अल्बानीज़ ने सिडनी में संवाददाताओं से कहा, हमने मध्य पूर्व में लोगों की सुरक्षा और शांति को बढ़ावा देने के लिए युद्ध विराम का समर्थन किया है। हमने लगातार दो-राज्य समाधान का समर्थन किया है, जो इजरायल और फिलिस्तीनियों दोनों की सुरक्षा के लिए आवश्यक है ताकि वे शांति और सुरक्षा के साथ रह सकें। उन्होंने कहा कि दो-राज्य समाधान पर ऑस्ट्रेलियाई सरकार का रुख लंबे समय से कायम है।

रूस के बेलगोरोड में कई धमाके सुनाई दिए

बेलगोरोड। रूस के बेलगोरोड में जब मिसाइल अलर्ट जारी था तब कई विस्फोट सुनाई दिए। यह जानकारी स्पुतनिक संवाददाता ने दी। संवाददाता के अनुसार, शहर के मध्य भाग के ऊपर धुएं का गुबार देखा जा सकता है। बाद में दिन में, रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा ने

बेलगोरोड क्षेत्र में एक यूक्रेनी फिक्स्ड-विंग ड्रोन को मार गिराया। गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने बताया कि बेलगोरोद और बेलगोरोड क्षेत्र से मिसाइल अलर्ट हटा लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस हमले में एक व्यक्ति मारा गया जबकि दो अन्य घायल हो गए। गवर्नर ने कहा कि बेलगोरोड की ओर आने वाले कई हवाई लक्ष्य नष्ट किए गए।

ब्राजील के साओ पाउलो के पास बस दुर्घटनाग्रस्त, 5 की मौत

साओ पाउलो। ब्राजील के शहर साओ पाउलो में दो बसों के बीच आपस में टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना ब्राज़ील के सबसे बड़े शहर साओ पाउलो से 206 किमी दूर इपेउना नगर पालिका में राजमार्ग 191 पर हुई। इनमें से एक बस मरीजों को क्लिनिकल अध्ययन के लिए एक चिकित्सा केंद्र ले जा रही थी जबकि दूसरा वाहन खाली था।पीड़ितों में से चार मरीज़ों को ले जा रही बस में यात्रा कर रहे थे। पांचवां हताहत खाली बस का ड्राइवर था। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के बाद, बचाव कार्य करने के लिए राजमार्ग को दोनों दिशाओं में बंद कर दिया गया।

इजरायल ने गाजा में नुसीरात शरणार्थी शिविर में स्कूल पर किया हमला

एजेंसी

गाजा। इजरायल ने गाजा पट्टी में नुसीरात शरणार्थी शिविर के एक स्कूल पर एक और हमला किया है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने मंगलवार को टेलीग्राम पर कहा, कुछ समय पहले, खुफिया जानकारी के आधार पर और सटीक हथियारों का इस्तेमाल करते हुए, आईएएफ ने नुसीरात के इलाके में एक स्कूली इमारत को कवर के रूप में इस्तेमाल करके आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले कई आतंकवादियों पर हमला किया था। स्पूतनिक ने रविवार को, गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से बताया कि नुसीरात शरणार्थी शिविर में निकट पूर्व (यूएनआरडब्ल्यूए) स्कूल में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी पर इजरायली हमले के कारण 16 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए और 50 अन्य घायल हो गए।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को, हमास ने इजरायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और सीमा का उल्लंघन करके नागरिक पड़ोस और सैन्य ठिकानों दोनों पर हमला किया। हमले के

दौरान इजरायल में लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। इजरायल ने जवाबी हमले शुरू किए, गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया, और हमास लड़ाकों को खत्म करने तथा बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी। सूत्रों के अनुसार, गाजा में हमास द्वारा अभी भी 120 बंधकों को रखा गया है और 43 बंधकों की कैद में ही मौत हो गई। गाजा अधिकारियों के अनुसार, इजरायल के सैन्य अभियानों के कारण गाजा पट्टी में 38,100 से अधिक लोग मारे गए हैं और 87,900 से अधिक अन्य घायल हुए हैं।

भारतीय मूल के शख्स ने चार साल पहले किया था 17 साल की बच्ची से दुष्कर्म, अब मिली 13 साल की सजा

एजेंसी

सिंगापुर । सिंगापुर में भारतीय मूल के एक बार मालिक को 13 साल और चार सप्ताह जेल की सजा सुनाई गई। दरअसल, शख्स 17 साल की एक बच्ची से दुष्कर्म करने का दोषी पाया गया।एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 42 वर्षीय राज कुमार बाला को पीड़िता से दुष्कर्म और छेड़छाड़ के आरोप में दोषी ठहराया गया और उसने बाल एवं युवा व्यक्ति अधिनियम के तहत भगोड़े व्यक्ति को शरण देने के तीसरे आरोप में अपना गुनाह भी कबूल कर लिया।

अब मांग रहे जमानत

बचाव पक्ष के वकील रमेश तिवारी ने कहा कि उनके मुवक्किल के खिलाफ और भी लंबित मामले हैं, जिनकी सुनवाई पूरी नहीं हुई है। जबतक मामले में सुनवाई पूरी नहीं होती उन्हें जमानत दे दी जाए।

सिंगापुर के एक गर्ल्स होम से भागी थी लड़की

अदालत में बताया गया कि करीब चार वर्ष पहले फरवरी में पीड़िता 17 साल की थी, जब वह सिंगापुर के एक गर्ल्स होम से भाग गई थी। उसे एक अन्य भागी लड़की से होटल, मोटल और भोजनालयों के लिटिल इंडिया परिसर में डनलप स्ट्रीट में बाला के डॉन बार और बिस्ट्रो में नौकरी के अवसर के बारे में पता चला। बताया गया कि यह लड़की भी यहीं काम कर रही थी और इसका भी बाला ने यौन उत्पीड़न किया था। फिलहाल इस मामले में कोई आरोप नहीं लगाया गया है।

पीड़िता नौकरी के लिए साक्षात्कार देने के लिए बार में गई और बाला से मिली, जिसने उसे काम समझाया। साथ ही बार में अन्य लड़की के साथ रहने की इजाजत दे दी। पीड़िता ने कुछ दिनों तक बार में काम किया। मगर फिर पुलिस को फरार लोगों के बारे में गुप्त जानकारी मिली। उन्होंने 22 फरवरी, 2020 के शुरुआती घंटों में जगह पर छापा मारा।

पीड़ित छापा कार्रवाई से बचने के लिए अन्य लड़की के साथ भाग गई। बाद में बाला ने दोनों को कार में बैठाया और उन्हें अपने कोंडोमिनियम में ले गया। वहां उसने दोनों लड़कियों को खूब शराब पिलाई। बाद में नशे की हालत में पीड़िता का दुष्कर्म किया। जबकि दूसरी लड़की के साथ भी गलत काम किया।

पीड़िता ने कोंडोमिनियम छोड़ दिया। जुलाई 2020 में खुद को गर्ल्स होम में आत्मसमर्पण कर दिया। अगस्त 2020 में उसने अपने मामले संभालने वाले कर्मचारी को बताया कि उसके साथ बाला ने दुष्कर्म किया था।

कई आरोपों का कर रहा सामना

न्यायमूर्ति मार्विस चियोन्ह ने कहा कि बाला जानता था कि पीड़िता युवा थी और पुलिस से भाग रही थी। वह आय और आश्रय के लिए उस पर निर्भर थी। बता दें, बार मालिक को पांच अन्य पीड़ितों से संबंधित 22 और आरोपों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें मुख्य रूप से यौन अपराधों के लिए आरोप लगाए गए हैं। ये आरोप अदालत में लंबित हैं। उस पर 16 साल से कम उम्र की नाबालिग का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। साथ ही एक अन्य पीड़िता के साथ छेड़छाड़ करने का भी केस दर्ज है।

अल्जीरियाई सैन्य बलों ने 2 आतंकवादियों को मार गिराया

एजेंसी

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि देश की सेना ने ट्यूनीशिया से लगे पूर्वी सीमा के पास खेंचेला प्रांत में एक आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान दो सशस्त्र आतंकवादियों को मार गिराया। मंत्रालय

ने कहा कि आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें से एक की पहचान बोघरारा मुराद के रूप में हुई है, जो 2010 में आतंकवादी समूहों में शामिल हो गया था। दूसरे व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश की जा रही हैं। सैन्य बलों ने अभियान के दौरान, दो कलाश्निकोव मशीन गन और पर्याप्त मात्रा में गोला-बारूद जब्त किया।मंत्रालय ने कहा कि इस साल की पहली छमाही में कुल छह आतंकवादी मारे गए, नौ को गिरफ्तार किया गया और 15 अन्य ने आत्मसमर्पण किया।

युद्धभूमि में कोई समाधान नहीं निकल सकता : मोदी

एजेंसी

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने आज शाम यहां अपने निवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आत्मीय स्वागत किया।

श्री मोदी स्थानीय समय के अनुसार करीब 7 बजे नोवो ओगारेवो पहुंचे। श्री पुतिन द्वार पर ही उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। श्री मोदी के पहुंचने पर श्री पुतिन ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया और गले मिले। इसके बाद दोनों अंदर चले गए। श्री पुतिन ने प्रधानमंत्री को 'परम मित्र' कह कर पुकारा और सबसे पहले चाय पर चर्चा की।

रूसी राष्ट्रपति श्री पुतिन ने भारतीय प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए निजी भोज का आयोजन किया और दोनों नेताओं के बीच विभिन्न मुद्दों पर अनौपचारिक रूप से विस्तार से चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री श्री मोदी की इस यात्रा का फोकस

आर्थिक एजेंडे पर है जिसमें ऊर्जा, व्यापार, विनिर्माण और उर्वरक शामिल हैं। दोनों नेताओं ने इन क्षेत्रों में परस्पर सहयोग बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। सूत्रों ने यह भी बताया कि बातचीत में प्रधानमंत्री ने यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में इस बात पर भी जोर दिया कि युद्धभूमि में कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता है। इसलिए संवाद और कूटनीति के रास्ते पर चलने की कोशिश की जानी चाहिए।

चीन में मूसलाधार वर्षा से राजमार्ग, उड़ानें प्रभावित

एजेंसी

बीजिंग। चीन में मूसलाधार वर्षा के कारण हेनान प्रांत में उड़ानें रद्द कर दी गयीं और राजमार्गों पर भी आवागमन अस्थायी रूप से रोक दिया गया। स्थानीय मौसम विज्ञान अधिकारियों ने बताया कि हेनान के पश्चिमी और उत्तर-मध्य भागों में दोपहर से सुबह तक भारी बारिश हुई है, जिसमें राजधानी शहर झेंग्झौ भी शामिल है, जहां 145 मिलीमीटर तक बारिश हुई है। कल से आज सुबह तक भारी वर्षा के कारण झेंग्झौ-शाओलिन मंदिर मोटरवे और झेंग्झौ रिंग मोटरवे के प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए थे। पूर्वोत्तर चीन के जिलिन प्रांत के चांगचुन से झेंग्झौ के लिए एक उड़ानें रद्द कर दी गई तथा पाँच अन्य घरेलू उड़ानें विलंबित की गई हैं।

ब्रिटेन सरकार बनाएगी सीमा सुरक्षा कमान

एजेंसी

लंदन। ब्रिटेन की नवनिर्वाचित लेबर सरकार ने रवांडा निर्वासन योजना को रद्द करने का फैसला किया है, इस योजना को दिये गये पैसे से करोड़ो पाउंड लेकर सीमा सुरक्षा कमान बनायी जायेगी। स्काई न्यूज ने गृह सचिव यवेट कूपर का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया कि नई कमान देश की सुरक्षा सेवाओं के साथ-साथ आव्रजन और सीमा नियंत्रण के रणनीतिक प्रबंधन में लगी रहेगी। जब उनसे पूछा गया कि देश में अवैध प्रवासियों का प्रवाह कब कम होना शुरू होगा, तो कूपर ने कहा कि वह जल्द से जल्द इस मामले में प्रगति चाहती हैं, लेकिन उन्होंने बताया कि नई सरकार को यह समस्या कंजरवेटिव से विरासत में मिली है। ब्रिटेन और रवांडा ने 2022 में एक प्रवास समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत ब्रिटिश सरकार द्वारा अवैध प्रवासियों या शरण चाहने वालों के रूप में पहचाने जाने वाले लोगों को प्रोसेसिंग, शरण और पुनर्वास के लिए रवांडा भेजा जाएगा।

इस योजना की मानवाधिकार संगठनों के साथ-साथ यूके के कई राजनेताओं और अधिकारियों ने आलोचना की है। कीर स्टारमर के नेतृत्व वाली लेबर पार्टी ने गुरुवार के चुनाव के बाद हाउस ऑफ कॉमन्स में कुल मिलाकर बहुमत हासिल किया, संसद के 650 सीटों वाले निचले सदन को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक 326 सीटों से कहीं ज़्यादा सीटें जीतीं।इससे कंजर्वेटिव पार्टी की सत्ता पर 14 साल की पकड़ खत्म हो गई।

इंडोनेशिया में भूस्खलन: मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हुई, 17 लापता

एजेंसी

जकार्ता। आपदा एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इंडोनेशिया के गोरोंतालो प्रांत में बोन बोलांगो रीजेंसी में एक सोने की खदान में भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, जबकि 17 अन्य लापता हैं।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी की संचालन इकाई के प्रमुख अचरिल बेबीओंगो ने कहा कि भारी बारिश के कारण शनिवार आधी रात को रीजेंसी में स्थित खदान में भूस्खलन और अचानक बाढ़ आ गई, जिससे खनिकों के शिविर प्रभावित हुए और वे बह गए। उन्होंने फोन के जरिए बताया, मरने वालों की संख्या अब 11 हो गई है और 17 लोग कथित तौर पर लापता हैं। उन्होंने बताया कि मिशन में स्थानीय खोज एवं बचाव कार्यालय के लगभग 180 कर्मी, सैनिक,

पुलिसकर्मी और आपदा एजेंसी के कर्मी शामिल थे। गोरोंतालो खोज और बचाव दल के प्रमुख हेरियांतो ने सोमवार को कहा कि खनन स्थल के दूरस्थ स्थान और चुनौतीपूर्ण सड़क की स्थिति के कारण खोज प्रयासों में बाधा आई, जो कई टूटे हुए पुलों के कारण वाहनों के लिए दुर्गम थे, जिससे पैदल यात्रा करना आवश्यक हो गया। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी ने यह भी बताया कि पांच उप-जिलों में 288 घर प्रभावित हुए, मुख्य रूप से कीचड़ और मलबे से भर गए। आपदा से कम से कम 1,029 निवासी प्रभावित हुए हैं।

'हिंद-प्रशांत में नाटो और मित्र देशों के बीच साझेदारी को बढ़ावा दे रहा अमेरिका', व्हाइट हाउस का बयान

एजेंसी

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका नाटो गठबंधन और विश्व भर के मित्र देशों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित कर रहा है, विशेष रूप से उन देशों के साथ जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हैं।

38 देशों के नेता अमेरिका में

पहले नाटो शिखर सम्मेलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के लिए 38 विभिन्न देशों के नेता वाशिंगटन में एकत्र हुए हैं। इसमें यूक्रेन, जापान, न्यूजीलैंड और कोरिया गणराज्य सहित सभी नाटो सहयोगियों के साथ-साथ नाटो साझेदारों के नेता भी शामिल हैं।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा, राष्ट्रपति ने नाटो गठबंधन और विश्व भर के मित्र देशों, विशेषकर हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के बीच अधिक साझेदारी को भी प्रोत्साहित किया है।

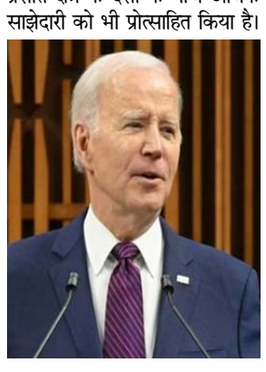

राष्ट्रपति जानते हैं कि हम सभी के सामने मौजूद वैश्विक खतरे और चुनौतियां एक-दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़ी हुई हैं।

उन्होंने आगे कहा, राष्ट्रपति ने हमारे नाटो सहयोगियों को भी आपसी रक्षा में महत्वपूर्ण निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया है। जब बाइडन-हैरिस प्रशासन ने पदभार संभाला था, तब केवल नौ नाटो सहयोगी अपने सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम दो प्रतिशत रक्षा पर खर्च कर रहे थे।

नाटो इतिहास का सबसे मजबूत रक्षात्मक गठबंधन

किर्बी ने कहा कि 75 वर्षों से उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) ने अमेरिकी लोगों की सुरक्षा करने तथा विश्व को कम खतरनाक स्थान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि नाटो इतिहास का सबसे मजबूत रक्षात्मक गठबंधन है और पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रपति जो बाइडन के नेतृत्व के कारण आज यह पहले से कहीं अधिक बड़ा, मजबूत, बेहतर संसाधन वाला और एकजुट है।

व्हाइट हाउस के अधिकारी ने कहा, उन्होंने दो नए सदस्यों स्वीडन और फिनलैंड का स्वागत करके गठबंधन का विस्तार करने के लिए कड़ी मेहनत की है। इस सप्ताह आधिकारिक तौर पर स्वीडन का स्वागत करेंगे। उन्होंने 2021 और 2022 में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का जवाब देने और उस देश को अपरिहार्य समर्थन प्रदान करने के लिए एक वैश्विक गठबंधन बनाने के लिए गठबंधन को एकजुट करने में अनगिनत घंटे बिताए हैं।

23 सहयोगी रक्षा खर्च पर...

उन्होंने कहा, आज, नाटो के 23 सहयोगी रक्षा खर्च पर जीडीपी के दो प्रतिशत के न्यूनतम स्तर पर या उससे ऊपर हैं, जो 2020 की तुलना में दोगुने से अधिक है। एक दशक पहले जब सहयोगियों ने पहली बार 2 प्रतिशत का बेंचमार्क निर्धारित किया था, उससे लगभग आठ गुना अधिक है।

नाटो सदस्यों में अलग-थलग पड़ा कनाडा, रक्षा खर्च में कटौती से निशाने पर आए जस्टिन ट्रूडो

वाशिंगटन। नाटो के 32 सदस्य देशों में कनाडा अलग-थलग पड़ गया है। अमेरिका के एक मीडिया चैनल ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि कनाडा अपने घरेलू रक्षा खर्च को तय सीमा तक खर्च नहीं कर पा रहा है। इसके चलते कनाडा की सेना के कई उपकरण पुराने हो गए हैं और कनाडा की सरकार में अभी रक्षा खर्च प्राथमिकता में भी नहीं है। यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो नाटो की बैठक में शामिल होने के लिए वॉशिंगटन डीसी पहुंचे। राष्ट्रपति जो बाइडन की अध्यक्षता में नाटो की अहम बैठक वॉशिंगटन में हो रही है।

क्या कहा गया है कि रिपोर्ट में

नाटो की बैठक में प्रधानमंत्री ट्रूडो नाटो में कनाडा के योगदान पर बात रखेंगे, जिसमें ऑपरेशन रि-एश्योरेंस भी शामिल है, जो कनाडा की सबसे बड़ी सक्रिय विदेशी सैन्य तैनाती है। साथ ही ट्रूडो यूरो-अटलांटिक क्षेत्र की सुरक्षा, स्थिरता के लिए कनाडा की प्रतिबद्धता भी जाहिर करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि %पिछले कई वर्षों में, कनाडा 32 सदस्यीय गठबंधन के बीच अलग-थलग हो गया है। यह घरेलू सैन्य खर्च लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल रहा है, साथ ही नए उपकरणों को फंड देने के लिए तय बेंचमार्क से पीछे रह गया

है। फिलहाल कनाडा के उन लक्ष्यों को हासिल करने की कोई उम्मीद भी नजर नहीं आ रही।

वादे के मुताबिक रक्षा खर्च नहीं कर पाया

कनाडा
कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

'अपना पूरा जीवन भारत के लोगों को समर्पित कर दिया', रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने की पीएम मोदी की सराहना

एजेसी

मास्को। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस और ऑस्ट्रिया के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। सोमवार को वह मॉस्को के वानुकोवो-2 हवाई अड्डे पर पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। रूस के डिप्टी प्रधानमंत्री डेनिस मांतुरोव ने पीएम मोदी का स्वागत किया। सोमवार की रात को पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। पुतिन ने देश के विकास में पीएम मोदी के योगदान की सराहना की।

पीएम मोदी की रूस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा, मैं आपको दोबारा प्रधानमंत्री चुने जाने पर बधाई देना चाहता हूं। मुझे लगता है कि यह कोई संयोग नहीं बल्कि आपके कई वर्षों के काम का नतीजा है।÷ उन्होंने आगे कहा, ÷आपके पास आपके खुद के विचार हैं। आप एक ऊर्जावान व्यक्ति हैं। भारत और भारतीय लोगों के

हित में परिणाम प्राप्त करने में आप हमेशा सक्षम रहें। इसका परिणाम सामने है। भारत अब विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

राष्ट्रपति पुतिन ने की सराहना

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि पीएम मोदी ने अपना जीवन भारत के लोगों को समर्पित कर दिया। इस पर पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत के लोगों ने उन्हें मातृभूमि की सेवा करने का एक और मौका दिया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, ÷आपने अपना पूरा जीवन भारत के लोगों को समर्पित कर दिया।÷ इसपर पीएम मोदी ने कहा, ÷हां आप सही कह रहे हैं, मेरा केवल एक ही लक्ष्य है, इन लोगों की और देश की सेवा करना।

दोनों विश्वस्तरीय नेताओं ने मॉस्को के बाहर आधिकारिक आवास पर चाय के साथ एक अनौपचारिक चर्चा की। इस दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को इलेक्ट्रिक कार में घुमाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मुझे कल भी हमारी बातचीत का इंतजार है, जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और भी मजबूत बनाएगा।

बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पीएम मोदी का यह पहला रूस दौरा है। रूस से रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक शांतिपूर्ण और स्थिर क्षेत्र के लिए सहायक भूमिका निभाना चाहता है।

कोई संदेह नहीं कि नीट यूजी 2024 की पवित्रता से हुआ समझौता : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने स्नातक स्तर की मेडिकल समेत कुछ अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 के दौरान कथित अनियमितताओं को एक 'स्वीकृत तथ्य' और 'परीक्षा की पवित्रता से समझौता' मानते हुए कहा कि इसकी (प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने) की व्यापकता निर्धारित होने के बाद तय किया जा सकता है कि संबंधित परीक्षा दोबारा कराने की आवश्यकता है या नहीं।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तारपूर्वक सुनने के बाद कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं कि इस परीक्षा की पवित्रता से समझौता हुआ। भविष्य में ऐसा न हो, इसके लिए हर पहलू पर विचार- विमर्श के बाद ही कोई फैसला किया जाना चाहिए।पीठ ने केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) से कहा कि वे नीट यूजी परीक्षा के प्रश्नपत्र सार्वजनिक (पेपर लीक) होने की व्यापकता के बारे में 10 जुलाई तक जानकारी दें। इसके अलावा प्रश्नपत्र सार्वजनिक तथा 5 मई 2024 को परीक्षा आयोजित होने के बीच के समय से भी निर्धारित तिथि तक अवगत कराएं।

शीर्ष अदालत की तीन सदस्यीय पीठ ने स्पष्ट करते हुए कहा कि अगर नीट परीक्षा के धोखाधड़ी (पेपर लीक) के लाभार्थियों और बेदाग परीक्षार्थियों के बीच अंतर करना

संभव नहीं तो दोबारा परीक्षा आयोजित की जानी चाहिए।

पीठ ने कहा, ÷यह एक स्वीकृत तथ्य है कि (आदर्श मापदंडों की अनदेखी कर) प्रश्नपत्र सार्वजनिक हुआ और उसकी प्रकृति कुछ ऐसी है, जिसका हम निर्धारण कर रहे हैं। यदि यह व्यापक नहीं तो इसे रद्द नहीं किया जा सकता। दूसरी तरफ, दोबारा परीक्षा का आदेश देने से पहले हमें प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की सीमा के बारे में सचेत होना चाहिए, क्योंकि हम करीब 24 लाख छात्रों की समस्या से निपट रहे हैं। इसमें खर्च होने वाली लागत, यात्रा, शैक्षणिक कार्यक्रम में व्यवधान शामिल है।

इसलिए (पेपर) लीक की प्रकृति क्या है? लीक कैसे फैला (प्रश्न पत्र कैसे लोगों के बीच पहुंचा), केंद्र और एनटीए ने इस गलत काम के लाभार्थी छात्रों की पहचान करने के लिए क्या कार्रवाई की है।

शीर्ष अदालत ने जोर देकर कहा, हमें पेपर लीक (प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने) के लाभार्थियों की पहचान करने में निर्दयी होना होगा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने एनटीए को प्रश्न पत्र सार्वजनिक होने की प्रकृति, उसके स्थानों और प्रश्न पत्र सार्वजनिक सार्वजनिक होने तथा परीक्षा आयोजित करने के बीच के समय के बारे में पूरी जानकारी 10 जुलाई तक देने का निर्देश दिया।

वहीं, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से 23 जून से की गई जांच प्रगति विवरण 10 जुलाई तक शीर्ष अदालत में दाखिल करने का भी निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से संदिग्ध मार्करों (उत्तर पुस्तिका की) की पहचान करने के लिए साइबर फोरेंसिक टीम और डेटा एनालिटिक्स के इस्तेमाल पर सवाल किया और कहा, हमें खुद को नकारना नहीं चाहिए। इससे समस्या और बढ़ेगी।

आनंद विवाह अधिनियम लागू करने की तैयारी में हैं राज्य

एजेंसी

नई दिल्ली । झारखंड, महाराष्ट्र और मेघालय सहित कई राज्यों ने आनंद विवाह अधिनियम को अपने यहां लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है तथा कई अन्य राज्यों ने इसे दो माह के अंदर लागू करने का केंद्र को भरोसा दिया है। यह जानकारी अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है। यह अधिनियम सिखों को विवाह के कार्यान्वयन एवं पंजीकरण से संबंधित है। मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने आनंद विवाह अधिनियम के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बैठक की। आयोग के अध्यक्ष इकबाल सिंह लालपुरा की अध्यक्षता में वीडिया कांफ्रेंसिंग के जरिए आयोजित इस बैठक में 18 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ आनंद विवाह अधिनियम के तहत सिखों के विवाह के कार्यान्वयन और पंजीकरण पर चर्चा की गयी। विज्ञप्ति में कहा गया है कि बैठक में,÷झारखंड, महाराष्ट्र और मेघालय सहित कुछ राज्यों ने अपने-अपने राज्यों में उक्त अधिनियम के कार्यान्वयन की सूचना दी, जबकि शेष राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने दो महीने के भीतर अधिनियम को कार्यान्वित करने का आश्वासन दिया है। वर्ष 1909 के आनंद विवाह अधिनियम में संशोधन करने वाले आनंद विवाह संशोधन अधिनियम 2012 को राष्ट्रपति की स्वीकृति सात जून 2012 को मिली थी। इस अधिनियम ने सिख पारंपरिक विवाहों को मान्यता देने का मार्ग प्रशस्त किया। इसमें 'आनंद कारज' विवाहों के अनिवार्य पंजीकरण का प्रावधान किया गया है।

कीर्ति चक्र विजेता की पत्नी पर आपत्तिजनक टिप्पणी, महिला आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली पुलिस को कीर्ति चक्र विजेता कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी पर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणी करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। आयोग ने यहां बताया कि दिल्ली के अहमद के़ ने सोशल मीडिया पर कैप्टन अंशुमान सिंह की पत्नी की फोटो पर आपत्तिजनक और अश्लील टिप्पणी की है। यह भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 79 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के अंतर्गत अपराध है।

आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने इसकी कडी निंदा की है और पुलिस से इस पर शीघ्र कार्रवाई की अपील की है। उन्होंने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार करने को कहा है। उन्होंने इस संबंध में दिल्ली के पुलिस आयुक्त को पत्र लिखा है और तीन दिन के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट सौंपने को कहा है।

टीएमसी का मतलब 'तालिबानी मुझे चाहिए' : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल में एक और लड़की की पिटाई का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसे भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने साझा कर ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने उनकी पार्टी टीएमसी का मतलब 'तालिबानी मुझे चाहिए' बताया है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में एक और तालिबानी वीडियो सामने आया है। चोपड़ा के बाद यह एक और वीडियो। जिसमें यह दिखाई दे रहा है कि एक महिला को तृणमूल कांग्रेस के नेताओं का करीबी बेरहमी से पीट रहा है। इस प्रकार की घटनाएं लगातार हो रही है उन्होंने आगे कहा कि टीएमसी का मतलब अब 'तालिबानी मुझे चाहिए' बन चुका है। हालत यह हो गई है कि टीएमसी के विधायक और नेता इस तरह की घटनाओं को डिफेंड भी करते हैं। इससे पहले वे संदेशखाली और चोपड़ा जैसी घटनाओं को भी डिफेंड कर चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने संदेशखाली पर ममता बनर्जी सरकार को फटकार भी लगाई है। पूनावाला ने कहा, 'आज ममता दीदी की सरकार मां-माटी-मानुष नहीं केवल बलात्कारी,भ्रष्टाचारी और बम धमाके करने वालों को बचाओ सरकार बन गई है।

आंतकवादी घटनाएं रोकने के लिए सरकार कड़े कदम उठाए: पम्मा

नई दिल्ली। आंतकवादियों द्वारा जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के वाहन पर हमला कर पांच जवानों को शहीद कर दिया इसको लेकर देशभर में काफी रोष है। नेशनल अकाली दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने सरकार से कड़े कदम उठाने की अपील की है। पम्मा ने कहा पाकिस्तान फिर से जम्मू कश्मीर व पंजाब का माहौल खराब करके देश का माहौल खराब करना चाहता है। जिस प्रकार लगातार आतंकवादी हमारे फौजियों पर हमला कर रहे हैं उसके खिलाफ सरकार को सख्त एक्शन लेना पड़ेगा। जिस प्रकार पहले भी एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया था। ऐसी कार्रवाई की जरूरत है नहीं तो फिर से आंतकवादी अपना पैर जमाने में सफल हो जाएंगे। परमजीत सिंह पम्मा ने कहा नेशनल अकाली दल जल्द ही पाकिस्तान दूतावास पर प्रदर्शन करेगा। क्योंकि पाकिस्तान एक तरफ तो जम्मू कश्मीर में आतंकवादी के जरिए फौजियों पर हमले कर रहा है और दूसरी तरफ पंजाब में ड्रग्स व हथियार भेज कर वहां पर युवकों को गलत रहा पर धकेल रहे जिससे वहां की अमन शांति खराब कर सके।

सौरभ भारद्वाज ने डेंगू संभावित क्षेत्रों में सफाई अभियान तेज करने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने एवं उनकी रोकथाम के संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई तथा मच्छरों के प्रजनन संभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई करने और दवाई का छिड़काव करने के निर्देश दिए। श्री भारद्वाज ने बैठक के बाद कहा कि अस्पतालों में नियमित रूप से मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए दवाइयां का छिड़काव किया जा रहा है। अस्पतालों में डेंगू और मलेरिया जैसे मरीजों के लिए पर्याप्त दवाईयां तथा अन्य जरूरी सामानों की उपलब्धता है। उन्होंने अस्पतालों में साप्ताहिक रूप से निरीक्षण करने के आदेश जारी किए, साथ ही साथ मच्छरों के प्रजनन संभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से सफाई करने और दवाई का छिड़काव करने के निर्देश भी जारी किए। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार बैठक के दौरान कई अस्पतालों के अधिकारियों ने बताया कि अस्पताल

में डेंगू के मरीजों के लिए अलग से उपचार की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि डेंगू के मरीजों के लिए अलग से कुछ बेड आरक्षित किए गए हैं, जहां पर केवल डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों के मरीजों को ही रखा जाएगा, ताकि उनका बेहतर तरीके से उपचार किया जा सके। अस्पताल प्रशासन ने यह भी बताया कि डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों को फैलने से रोकने के लिए डेंगू के मरीजों के बेड के चारों तरफ एक नेट (जाल) की व्यवस्था का भी प्रबंध है, ताकि कोई मच्छर उन मरीजों को काटकर कर किसी दूसरे मरीज तक मलेरिया के बैक्टीरिया ना पहुंचा सके।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि वह शिक्षा विभाग से संपर्क कर सभी स्कूलों में और सार्वजनिक स्थलों पर भी डेंगू और मलेरिया से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाएं। उन्होंने आला अधिकारियों को निर्देश जारी कर कहा कि वह सभी अपने अस्पतालों में डेंगू और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों से निपटने के लिए नियम बनाएं और उन नियमों का नियमित रूप से सख्ती के साथ पालन कराएं। साथ ही साथ मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सभी अधिकारियों को बताया कि इस संबंध में नियमित रूप से स्वास्थ्य विभाग की बैठक होती रहेगी और बैठक में सभी अस्पतालों से उनकी वर्तमान स्थिति का ब्यौरा लिया जाएगा।

पीएम मोदी के रूस दौरे से सामरिक मोर्चे पर मिलेगी मजबूती : जनरल कमलजीत सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी के रूस दौरे को लेकर लेफ्टिनेंट जनरल कमलजीत सिंह ने कहा कि आज विश्व बहुत चुनौतीपूर्ण स्थिति से गुजर रहा है। एक तरफ रूस व यूक्रेन के बीच संघर्ष हो रहा है, दूसरी तरफ गाजा में इजराइल की कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि इन दो चुनौतियों के बीच भारत अपनी तटस्थता के साथ दोनों देशों से बातचीत करने की काबिलियत बचा के रखी है। ऐसे दौर में पीएम मोदी का रूस दौरा महत्वपूर्ण है। पीएम मोदी के दौरे से वैश्विक चुनौतियों के समाधान के साथ सामरिक मोर्चे पर भी हमें मजबूती मिलेगी। हम अमेरिका के साथ संबंध भले ही मजबूत कर रहे हों, लेकिन रूस का अपना स्थान है।

जनरल कमलजीत सिंह ने कहा कि सभी मसलों को देखते हुए मैं कह सकता हूं कि पीएम मोदी का दौरा बेहद सही समय में हुआ है। इससे अमेरिका को भी एक संदेश जाएगा कि हम उस पर निर्भर नहीं हैं। चीन को भी कुछ मैसेज जाएगा। हम अपने पुराने मित्र देश रूस को यह यकीन दिलाएंगे कि हम दोस्ती कई लोगों से निभा सकते हैं। आज भारत ने रक्षा क्षेत्र में वैश्विक ख्याति अर्जित की है। मैं उम्मीद करता हूं कि पीएम मोदी की वार्ता बहुत सफल होगी। देश के लिए सामरिक तौर पर महत्वपूर्ण होगी और दुनिया को एक पैगाम जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मास्को पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन मिलेंगे। एक दशक में यह उनकी 17वीं मुलाकात होगी। उनकी आखिरी व्यक्तिगत मुलाकात 2022 में उज्बेकिस्तान के समरकंद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हुई थी।

इंडिया समूह के युवा फ्रंट ने नीट मुद्दे पर शिक्षा मंत्री से मांगा इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया समूह के युवा संगठन इंडिया यूथ फ्रंट ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करते हुए कहा कि इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को छात्रों से माफी मांगनी चाहिए और नीट परीक्षा दोबारा कराने के आदेश देते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से तत्काल इस्तीफा लेना चाहिए। युवा संगठन ने यहां जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया जिसमें विभिन्न दलों के युवा कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। युवा संगठनो कार्यकर्ताओं ने कहा कि इस परीक्षा में हुई धांधली के कारण लाखों युवाओं के साथ खिलवाड़ हुआ है इसलिए श्री मोदी से इन युवाओं से माफी मांगनी चाहिए। इंडिया यूथ फंट के सभी सदस्यों ने एक स्वर में शिक्षा मंत्री से जल्द से जल्द इस्तीफा देने और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को बर्खास्त करने की मांग की। प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी, समाजवादी युवाजन सभा के अध्यक्ष फहाद आलम, सीवाईएसएस के राष्ट्रीय प्रभारी अनुराग, युवा शिव सेना के अध्यक्ष वरुण, आरजेडी युवा के अध्यक्ष आइन अहमद, एमवाईएल के अध्यक्ष आसिफ अंसारी, जन

अधिकार पार्टी युवा के अध्यक्ष मनीष यादव, माकपा युवा के अध्यक्ष हिमंग राज, एआईवाईएफ युवा के अध्यक्ष शशि कुमार, डीवाईएफ युवा के अध्यक्ष अनिर्बान भट्टाचार्य, शीतल शिव सेना यूबीटी, आईयूएमएल के थरनपाल, कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा, एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त मौजूद थे। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नीट परीक्षा में धांधली हुई है इसलिए श्री मोदी और उनकी सरकार पेपर लीक के मुद्दे से भाग रहे है। उन्होंने कहा कि 'मन की बात' के लिए श्री मोदी के पास समय है पर देश के युवाओं के लिए उनके पास समय नहीं है। उनका कहना था कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बार-बार सरकार से इस मुद्दे पे चर्चा की मांग की है पर मोदी सरकार इस विषय पर मौन है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी को शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए और जल्द से जल्द नीट परीक्षा को रद्द कर इसे दोबारा करवाना चाहिए।

आयोध्या समाधान का श्रेय न मिले, इसलिए गिरायी गयी चंद्रशेखर सरकार : हरिवंश

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को विलक्षण दृढ़-निश्चयी, साहसी और कर्तव्य निष्ठ नायक बताते हुए कहा कि 1980 के दशक में उनकी सरकार को इसलिए गिराया गया ताकि अयोध्या विवाद के समाधान का श्रेय उन्हें न मिल सके। श्री हरिवंश ने कहा कि श्री चंद्रशेखर प्रधानमंत्री के रूप में अपने अल्पावधि के कार्यकाल में अयोध्या विवाद को बातचीत से हल करने के निकट पहुंच चुके थे।÷ उन्होंने कहा कि यह बात राजनेता शरद पवार ने भी अपनी पुस्तक में लिखी है और कुछ अन्य जानकार लोगों ने भी इसका उल्लेख किया है।

'चंद्रशेखरःदी लास्ट आयकन ऑफ आयडोलॉजिकल पालिटिक्स' (चंद्रशेखरः आदर्शवादी राजनीति के अंतिम शलाका पुरुष) के सह-लेखक श्री हरवंश ने कहा, चंद्रशेखर की सरकार इसलिए गिरा दी गयी ताकि उनको अयोध्या विवाद हल करने का श्रेय न मिल जाय।÷ श्री हरिवंश ने अंग्रेजी में यह पुस्तक रविदत्त बाजपेयी के साथ मिल कर लिखी है। उन्होंने यूनीवार्ता को बताया कि वह चंद्रशेखर के जीवन और

कृतीत्व पर हिंदी में पुस्तक पर भी काम कर रहे हैं।

श्री हरिवंश प्रखर समाजवादी नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की 17वीं पुण्यतिथि पर यहां आयोजित एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक सभा सदस्य लवली आनंद ने की और इसका आयोजन श्री चंद्रशेखर के अनुयायी एवं पूर्व सांसद आनंद मोहन ने किया। श्री मोहन को इस आयोजन के लिए भेजे गए संदेश में बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार ने कहा, चंद्रशेखरजी अपनी सरलता, ईमानदारी, दृढ़ निश्चय और साहस के लिए जाने जाते थे।

श्री चंद्रशेखर (17 अप्रैल 1927 - 08 जुलाई 2007) 40 साल से अधिक समय तक सांसद रहे। वह कांग्रेस में समाजवादी गुट के तेज तर्रार नेता थे और आपातकाल में उन्हें एकाकी जेल में डाल दिया गया था। वह 10 नवंबर 1990 से 21 जून 1991 के बीच भारत के आठवें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।

सांसद श्रीमती आनंद ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेयर युवाओं के आदर्श थे। उनका राजनीतिक जीवन भावी पीढ़ियों लिए प्रेरणा स्रोत है। यह कार्यक्रम उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आगे बढ़ने के निश्चय के साथ आयोजित किया गया है।

Name Change
I Mohd Wasim S/o Yakub R/o H. No. C-100/7, Street No. 11/3 Near Bilal Masjid, Chauhan Bangar, New Seelampur, North East, Delhi - 110053 have changed my name to Mirza Zuber Beg for all future purposes.

Name Change
I Sonu S/o Mirza Zuber Beg, R/o H. No. C-100/7, Street No. 11/3 Near Bilal Masjid, Chauhan Bangar, New Seelampur, North East, Delhi - 110053 have changed my name to Mirza Afzal Beg for all future purposes.

Name Change
I Mohammad Jamshed S/O Shafat Ali Residing At House No. 3908 Gali Jagat Cinema Wali Jama Masjid Delhi 110006 Have Changed My Name From Mohammad Jamshed to Mohammed Jamshaed For All Future Purposes

Name Change
I, Dharamvir S/o Manphul Singh R/o House No-123/28, 2nd Floor, Jyoti Park, Gali No-6, Gurgaon, Haryana122001,Have Changed My Name To Dharamvir Singh For Future Purpose.

Name Change
I, DAVINDER S/O KISHAN R/O 70A, GOYLA KHURAD VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110071 have changed my name to DAVINDER SINGH for all future purpose.

Name Change
I, MANJU BALA, W/O VIJAY KAPOOR, R/O A-237, HARI NAGAR, NEW DELHI-110064 have changed my name from MANJU BALA to MANJU BALA KAPOOR for all future purposes vide Affidavit dated 09/07/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

Name Change
I, Minakshi Nasir/Minakshi Shokeen W/o Mukesh Kumar Shokeen R/o WZ-10, Asalatpur, Janakpuri, B-1, West Delhi, Delhi-110058, Have Changed My Name To Minakshi For All Future Purpose.

Name Change
I, Vijay Kumar S/o Manohar Singh R/o 143, Saariyan Ghota Mohalla, Ujwa, South West Delhi, Delhi-110073, Have Changed My Name To Vijay for future purpose.

Name Change
I, Piyush Kashyap S/o Kamal R/o House No. T-16, Street No.7, Gautampuri, Delhi-110053 have changed my name to Piyush for all future purposes.

Name Change
I, Pradeep Kumar Mishra S/o Parasnath Mishra R/o C-3/178, Second Floor, Gurudwara Road, Gali No-14, Mahavir Enclave, South West, Delhi-110045, Have Changed My Name To Pradeep Mishra For All Purpose.

Name Change
I, KARISHMA W/o AYON DAS GUPTA R/o FLAT NO-131, THIRD FLOOR, SURYA APARTMENT, PLOT NO-14, SECTOR-6, DWARKA, NEW DELHI-110075 have changed my Minor daughter's name from AADHYA DAS GUPTA to AADHYA JAYSWAL for all future purposes.

Name Change
I, Shriste Malhotra D/o Rachit Malhotra R/o H.No-1958,1st Floor, Sector-45, Gurgaon, Haryana-122003, Have Changed My Name to Shrishti Malhotra For All Purpose

Name Change
I, RANJEET S/o Raj Kumar aged 25, residing at House No. 6, Gali No. 8, Kangar Mohalla, Village Tugalkabad, Badarpur, South Delhi-110044 have changed my name from Ranjeet to Rehan Khan for all future purpose.

Name Change
I, Aman S/o Man Singh, aged around 24 years, resident of:- RZ-3233, Jain Colony Part-3, Mohan Garden,West Delhi, Bapraula West Delhi, Delhi-110059. declare that my name of mine has been wrongly written as Dal Chand in my school Records. The actual name of mine is Aman which may be amended accordingly.

Name Change
I, SOURAV KUMAR SHAND son of Sh. SURAJMAL SHAND R/O FLAT NO 71/73, THIRD FLOOR, PREM NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110058, have changed my name from SOURAV KUMAR SAND to SOURAV KUMAR SHAND for all future purpose.

Name Change
I, SURAJMAL SHAND son of Sh. KABUDHAN SHAND R/O W-6, NEAR REGULATED MARKET, PANISAGAR, PANISAGAR, NORTH TRIPURA, TRIPURA 799260, have changed my name from SURAJ MAL SAND to SURAJMAL SHAND for all future purpose.

Name Change
I, JAYASHREE SHAND wife of Sh. SURAJMAL SHAND R/O 06, NEAR REGULATED MARKET, PANISAGAR, PANISAGAR, NORTH TRIPURA, TRIPURA 799260, have changed my name from JAYSHREE SAND to JAYASHREE SHAND for all future purpose.

Name Change
I Mohammed Jamshaed Residing At House No. 3908 Gali Jagat Cinema Wali Jama Masjid Delhi 110006 Have Changed My Minor Daughter Name From Habiba Jamshed to Habiba Jamshaed For All Future Purposes

Name Change
I, No-15217642F Rank-HAV Name-RAVI KUMAR S/o KESHAV CHAND R/o WARD NO-7, VILL-UPPER ARNIALA, PO-KOTLA KALAN, DIST-UNA, HIMACHAL PRADESH-174303, have changed my minor daughter's name from SAANAVI to SANAVI for all future purposes vide Affidavit dated 09/07/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I Vimla Chaudhary W/o Satya Pal Singh R/o SK-22, Shastri Nagar, Ghaziabad - 202002 have changed my name to Vimla Singh for all future purposes.

Name Change
I, Mukesh Mumar Shokeen S/o Satish Kumar Shokeen R/o WZ-10, Asalatpur Village-Janakpur, West Delhi, Delhi-110058, Have Changed My Name To Mukesh Kumar Shokeen For Future Purpose.

Name Change
I, MANJU DEVI wife of NO-15780839P Rank-HAV Name-RAJESH KUMAR YADAV R/O VILL-MATIHI, PO-DUMARI, TEH-RASRA, DISTT-BALLIA, UP-221701 have changed my name from MANJU DEVI to MANJU YADAV for all future purposes vide Affidavit Dated 09/07/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known to general public at large that my client Sh. Jagdish Das S/o Late Sh. Chhatu Das R/o H. No. A-73,Harsh Vihar Shiv Mandir, Tanki Road Badarpur, Jaitpur, South Delhi, Delhi have severed all their relations and disowned their son Santosh, His wife Namely Sunita Devi Both Are Resided at H. No. A-73, Harsh Vihar Shiv Mandir, Tanki Road Badarpur, Jaitpur, South Delhi, Delhi from their all movable and immovable properties since he is not in the saying/control of my client. My client shall not be responsible to any person for any kind of claim or liability whatsoever arisen while dealing with him or due to his act.
Ram Niwas Advocate
Chamber No. 445 B
Lawyers Block, Delhi High Court
Saket District Courts, New Delhi

Name Change
I, KARISHMA W/o AYON DAS GUPTA R/o FLAT NO-131, THIRD FLOOR, SURYA APARTMENT, PLOT NO-14, SECTOR-6, DWARKA, NEW DELHI-110075 have changed my Minor son's name from AKIN to AKIN JAYSWAL for all future purposes.

Name Change
I Fatma W/O Mohammed Jamshaed Residing At House No. 3908 Gali Jagat Cinema Wali Jama Masjid Delhi 110006 Have Changed My Name From Fatma to Fatma Shah Alam For All Future Purposes

Name Change
I, Rakhi Bhadana W/o Dinesh Kumar R/o House No-57, Rithoj, Sohna, Gurgaon,Haryana-122102, Have Changed My Name to Rakhi For All Purpose.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Smt. Vidya Devi W/o Late Sh. Ajad Kumar R/o H. No. 241, Bijwasan New Delhi-110061 has disowned her Son Sh. Raj Pal and Daughter-in- law Renuka Solanki @ Dipali R/o H. No. 241, Bijwasan New Delhi-110061, from inheritance of all her moveable and immovable properties and my client has severed all her relations with her Son Sh. Raj Pal and Daughter-in-law Renuka Solanki @ Dipali. If they do or have done any wrongful/illegal act, they will do so on their own risk and responsibility. My client and her family members shall not in any way be held responsible for any act done or to be done by them in future. Herein after who so ever deals with Mr. Raj Pal and his wife Ms. Renuka Solanki @ Dipali, he/they will do so at his/their own risk and responsibility.
NIKHIL GAUTAM ADVOCATE
Ch. No. 651, Dwarka Court
New Delhi-110075

NOTICE
Public at large is hereby informed that Sh. Sandeep Agarwal is the owner of Entire Basement Floor and Ground Floor of Plot No. 30, area measuring 410 sq.mtrs., on Road No. A-13, situated in the residential colony known as DLF Qutab Enclave Complex situated at village Chakarpur, Tehsil & Distt. Gurgaon, Haryana vide Sale Deed dated 29/04/1991 executed by (1) Sh. Ashok Khanna & (2) Lalita Phadkar in favour of Sh. Sandeep Agarwal (Doc No. 604, SR-Gurgaon) (Plot No. 30, area measuring 410 sq.mtrs.) Initially, Sale Deed dated 26/09/1986 executed by M/s DLF Universal Limited in favour of (1) Sh. Ashok Khanna & (2) Lalita Phadkar (Doc No. 3784), who executed Sale Deed dated 29/04/1991 in favour of Sh. Sandeep Agarwal in respect of Plot No. 30, area measuring 410 sq.mtrs. (Doc No. 604, SR-Gurgaon), who transferred First Floor and Second Floor with roof rights to Sh. G.S. Kohli & Sh. Inderpal Singh vide Regd. GPA & Will dated 06/11/2001. Now, Sh. Sandeep Agarwal intends to mortgage Basement and Ground Floor for bonafide requirements to HDFC BANK LTD. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
NEW DELHI
DATE: 9/7/2024
PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

Name Change
I Satpal Singh S/o Bhabhuti Singh R/o SK-22, Shastri Nagar, Ghaziabad - 202002 have changed my name to Satya Pal Singh for all future purposes.

Name Change
It is for general information that I, PRAFULL KUMAR JHA S/O KAMAL DEV JHA residing at PLOT NO-3/4, ANUPAM GARDEN ROAD, GATE NO-3, SAIDUL AZAIB EXTENSION, MEHRAULI, DELHI-110030 declare that name of mine and my father have been wrongly written as PRAFULLA KUMAR JHA and KAMAL DEVA JHA in my educational documents. The actual name of mine and my father are PRAFULL KUMAR JHA and KAMAL DEV JHA respectively, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
This Public Notice is on behalf of Mrs. GEETA (AADHAR NO.6593-0255-9590) W/o DUSHANT Residence of L-176, LAXMAN PURI, PAHAR GANJ, SWAMI RAM TIRTH NAGAR S.O CENTRAL DELHI-110055 who has debarred her SON, Mr. PINTU Son of Mr. DUSHANT Residence of L-176, LAXMAN PURI, PAHAR GANJ. SWAMI RAM TIRTH NAGAR S.O CENTRAL DELHI-110055, and his family (including his wife and children) from all his relations including legal also and from moveable and immoveable property for absolutely and forever. That now he has no relation of any type including legal or any legal rights, title, interest whatsoever in moveable and immoveable property of me, In future or under any circumstances, if any person deal with him/ my son Mr. PINTU & his Family (including his wife and children) then it shall be their own risk and consequences.
SUNEET KUMAR AGGARWAL
(ADVOCATE)
Delhi High Court
4/9, Chandrika Hotel,
Asaf Ali Road, New Delhi

नारी न्याय के ज़रिए संगठन को बूथ स्तर से लेकर मज़बूत कर महिलाओं के हितों की लड़ाई लड़ेगी महिला कांग्रेस : संगीता गर्ग

एजेंसी

सरसा। महिला कांग्रेस की सिरसा जिला ऑब्जर्वर संगीता गर्ग सिरसा पहुंची और स्थानीय कांग्रेस भवन में महिला कार्यकर्ताओं से रूबरू हुई। यहां पहुंचने पर जिलाध्यक्ष उर्मिल भारद्वाज सहित महिला कांग्रेस की टीम ने उनका भव्य स्वागत किया। महिला कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला ऑब्जर्वर संगीता गर्ग ने कहा कि ऑल इंडिया महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा के निर्देशानुसार वे सिरसा पहुंची है, बूथ स्तर से लेकर जिला एवं राज्य स्तर पर संगठन को मज़बूत किया जायेगा तथा विधानसभा चुनावों में महिलाओं की भूमिका सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा हुई है। कुछ समय पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को झूंझना दिया लेकिन चुनाव लड़ने का अधिकार वर्ष 2029 में मिलेगा। ऐसे में प्रयास होने चाहिए कि महिलाओं को आज चुनाव लड़ने का अधिकार मिले। नारी न्याय के जरिए हर राज्य व हर जिले में जाकर महिलाओं के सम्मान की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला परिवार व समाज की पहली कड़ी होती है, तो वे राजनीति की भी कड़ी होनी चाहिए। महिलाएं एकजुट होकर जिस राजनीतिक दल के साथ लगती है, तो वे दल सत्ता तक पहुंचता है। बीजेपी सरकार की दस साल की अवधि में बेतहाशा बढ़ती महंगाई, शतक पार पेट्रोल डीज़ल के दाम, उच्चतम स्तर पर बेरोज़गारी बढी है ।

अफसरों के भ्रष्टाचार और लापरवाही को लेकर सरकार गंभीर नहीं : केडिया

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट नवीन केडिया ने बरसात का सीजन शुरू होते ही पूरे प्रदेश में हो रहे जलभराव को लेकर सरकार की व्यवस्था पर आक्षेप किया है। साथ ही उन्होंने कहा कि आगाह करने के बावजूद सरकार ने ड्रेनेज, सीवरेज और सिंचाई को लेकर कोई कदम नहीं उठाया जिसकी वजह से आम जनमानस को परेशानी उठानी पड़ी। यहां जारी बयान में नवीन केडिया ने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास करने के जो थोथे दावे करती है, उनकी हवा निकल गई है। पूरा प्रदेश बरसात के पानी से जलमग्न है और अधिकारी जनता का जवाब देने से गुरेज कर रहे हैं। पूरे प्रदेश में जलनिकासी के दावे फेल हो चुके हैं और जहां तहां सड़कों पर पानी जमा है। स्लम बस्तियों का इतना बुरा हाल हो गया है कि लोगों का अपने घरों से निकलना मुश्किल हो गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भयंकर गर्मी के मौसम को लेकर हर इंसान बारिश की कामना कर रहा था लेकिन बारिश के आते ही इतना जलभराव हो गया कि लोगों को बारिश अभिशाप की तरह महसूस हो रही है। हर जगह दलदल, कीचड़, जलभराव और फिसलन के कारण लोगों का गलियों और सड़कों पर से गुजरना मुश्किल हो गया है। आने वाले मानसून के सीजन में लोगों का क्या हाल होगा, इसका भगवान मालिक है।

व्यापारी हित में काम कर रही सरकार : बालकिशन अग्रवाल

सिरसा। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय चैयरमेन बालकिशन अग्रवाल ने सभी ट्रेड यूनियन के प्रतिनिधियों की डबवाली रोड स्थित सिरसा क्लब में मीटिंग ली। भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल के हरियाणा के उपाध्यक्ष गंगाराम गुप्ता ने बताया कि अनाज मण्डी में काफी दिनों से लंबित पड़ी मांगों संबंधी ज्ञापन बालकिशन अग्रवाल को दिया गया। इस मौके पर हरियाणा में 50 हजार से बढ़ा कर ई बिल पर 1 लाख की छूट का ज्ञापन क्लॉथ एसोसिएशन ने सौंपा। व्यापारियों को एनओसी, एनडीसी, सीएलयू पर आ रही दिक्कतों को लेकर औद्योगिक यूनियन की ओर से भी ज्ञापन सौंपा गया। क्षतिपूर्ति बीमा योजना व निजी दुर्घटना बीमा योजना पर छोटे दुकानदारों ने बगैर जीएसटी के योजना लागू करने की मांग की। सबसे ज्यादा एमसी व तहसील में हो रही दिक्कत के बारे में सभी व्यापारियों ने शिकायत की। मण्डी के व्यापारियों ने 2.5 प्रतिशत दामी की बात जोर-शोर से रखी।

भाजपा की कमजोर सरकार ने हरियाणा को अपराधियों की शरणस्थली बनाया : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने प्रदेश के जंगलराज पर गहरी चिंता जताते हुए कहा कि भाजपा की कमजोर सरकार ने हरियाणा को अपराधियों की शरणस्थली बना दिया है। बेतहाशा बढ़ते अपराध से जनता खौफ में जी रही है। अब तो लोगों के लिए चुनाव तक के करीब 2 महीने का समय भी काटना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का ऐसा कोई इलाका नहीं बचा जहां अपराधियों का तांडव न चल रहा हो। भिवानी, फरीदाबाद, गुरुग्राम, करनाल, पलवल, पानीपत, रोहतक, सोनीपत, यमुनानगर में एक के बाद एक कई हत्याएं हो चुकी हैं। हिसार, हांसी में पर्चे फेंक कर करोड़ों की फिरौती मांगने, लोगों को अगवा करने, फायरिंग आदि संगीन घटनाओं की बाढ़ आ गई है। प्रदेश भर में में व्यापारी लगातार बढ़ते अपराध के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन सरकार के कान पर जूं भी नहीं रेंग रही है। फिरौती की धमकियों से परेशान व्यापारी तथा उद्योगपति पलायन को मजबूर हैं।उन्होंने कहा कि आज पूरे प्रदेश में जनता ही नहीं, सरकार में बैठे मंत्री और नेता भी हरियाणा की पूर्ववर्ती हुड्डा सरकार के सख्त कानूनराज वाली सरकार को याद कर रहे हैं। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस की हुड्डा सरकार ने प्रदेश में अपराधियों को खुली चेतावनी देकर यहाँ से अपराध व अपराधियों का सफाया कर दिया था।

महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा; विकसित करने के लिए केंद्र सरकार से मिले 1811 करोड़ रुपये

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा के हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे से अगले माह तक उड़ानें संचालन की तैयारी के बीच विकास कार्यों के लिए केंद्र सरकार ने 1811 करोड़ रुपये जारी किए हैं। नागरिक उड्डयन मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने बताया कि हवाई अड्डा परिसर में 2988 एकड़ जमीन पर इंटीग्रेटेड मार्केटिंग क्लस्टर तैयार किया जाएगा। 1300 एकड़ जमीन पर वर्ल्ड पोर्ट, मेगा कार्गो पोर्ट और ड्राई पोर्ट स्थापित किया जाएगा। इंटीग्रेटेड मार्केटिंग क्लस्टर डिफेंस और एयरोस्पेस केंद्रित होगा। इसमें विश्व की बड़ी कंपनियों को उद्योग स्थापित करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) ने औद्योगिक विकास के लिए हरियाणा सरकार की ओर से दिया गया प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है।

उन्होंने बताया कि एनआईसीडीसी की तरफ से हरियाणा सरकार को केंद्र सरकार की इक्विटी तैयार कर ली गई है। 7200 एकड़ जमीन पर एयरपोर्ट का निर्माण कार्य चल रहा हैं।

के तौर पर 1811 करोड़ रुपये मिले हैं। इसके परिणाम स्वरूप अंतरराष्ट्रीय मार्केट में महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट की अलग पहचान बनेगी। हिसार एयरपोर्ट के लिए अगले 30 साल की कार्ययोजना

अमेरिका की एजेंसी एविएशन हब बनाने में तकनीकी और आर्थिक सहायता देगी

अमेरिका की ट्रेड एंड डेवलपमेंट एजेंसी इंटीग्रेटेड एविएशन हब बनाने के लिए तकनीकी और आर्थिक सहायता देगी। इससे एयरपोर्ट पर माल लाने और भेजने की सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। यह एविएशन हब देश के निर्यात को बढ़ाकर आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने का कार्य करेगा। एयरपोर्ट के तीन फेज के कार्यों में से दो फेज के कार्य पूरे हो चुके हैं।

महाराजा अग्रसेन एयरपोर्ट के प्रोटोकॉल अधिकारी सत्यपाल आर्य ने बताया कि एयरपोर्ट पर 10 हजार फुट की हवाई पट्टी, रात्रि सुविधा के लिए कैट आई, हवाई जहाजों के ट्रैफिक कंट्रोल के लिए बनी एटीसी टावर की बिल्डिंग, जीएससी एरिया, पीटीटी, लिंक टैक्सी, जहाज खड़े होने की जगह एप्रन, फ्यूल रूम, बेसिक स्पिट पैरामीटर रोड और बरसाती ड्रोन बनाने का कार्य पूरा हो चुका है। पुराने टर्मिनल को विस्तारित करके 150 लोगों की क्षमता का बना दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा का दावा,हरियाणा में बनेगी कांग्रेस की सरकार

एजेंसी

रोहतक । रोहतक पहुंचे हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव में कांग्रेस पार्टी हरियाणा में सरकार बनाएगी। साथ ही यह भी कहा कि आए दिन कांग्रेस पार्टी में लोग शामिल हो रहे हैं। लगातार कांग्रेस पार्टी का कुनबा बढ़ रहा है।रोहतक में डी-पार्क स्थित अपने निवास स्थान पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, 'हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनेगी क्योंकि भाजपा सरकार के 10 साल के शासन से लोग त्रस्त दिखाई दे रहे हैं। आज लोग कांग्रेस पार्टी को अपना विकल्प देख रहे हैं, इसलिए आए दिन सैकड़ों लोग कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज सैकड़ों लोगों ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है।'

उन्होंने कहा कि भाजपा पार्टी के नेता आए दिन कह रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी दिन में सपने देख रही है। वह दिन में सपने नहीं देख रहे बल्कि बीजेपी के नेता ही दिन में सपने देख रहे हैं। हालांकि, यह तो आने वाला समय ही बताएगा कि कौन दिन में सपने देख रहा है।

वहीं, कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उदय भान ने कहा कि हरियाणा से बीजेपी को उखाड़ फेंकना है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उदय भान की अध्यक्षता में भाजपा के पानीपत ग्रामीण क्षेत्र से पार्षद ने कांग्रेस का दामन थामा। पानीपत से ग्रामीण क्षेत्र के पार्षद विजय जैन के पार्टी ज्वाइन करने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान गदगद दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से कांग्रेस पार्टी का कुनबा बढ़ रहा है, उससे साफ लगता है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को हरियाणा से उखाड़ फेंकेंगे। आज जिन लोगों ने कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की है, वह उनका धन्यवाद करते हैं क्योंकि मुश्किल की घड़ी में जो लोग पार्टी के साथ खड़े हैं, उन लोगों को पार्टी हमेशा सम्मान देती है।

मानसून में 3 तीन दिन का लगेगा ब्रेक, 12 से फिर झमाझम

एजेंसी

चंडीगढ़। मानसून में अब 3 दिन का ब्रेक लगेगा, इसके बाद फिर से रफ्तार पकड़ेगा। इस दौरान आमजन को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। वहीं प्रदेश में 1 जून से 8 जुलाई तक 72.1 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो सामान्य से 14 प्रतिशत कम है। प्रदेश के दक्षिणी व पश्चिमी हिस्सों में लगातार मानसून गतिविधियों से सामान्य से अधिक बारिश दर्ज हुई है । महेंद्रगढ़ में 131 एमएम बारिश दर्ज की गई है तो नूंह में 75 .3 एमएम बारिश दर्ज की गई है।

पश्चिमी क्षेत्र फतेहाबाद में 88.3 एमएम तो सिरसा में 56.5 एमएम बारिश दर्ज की गई है। उत्तरी व पूर्वी हिस्सों में स्थित करनाल, पानीपत जैसे जिलों में मानसून गतिविधियां कम होने से सामान्य से

कम बारिश दर्ज हुई है। करनाल में जुलाई में अब तक 7.1 एमएम बारिश दर्ज की हे तो पानीपत में 3.5 एमएम ही दर्ज की गई है।

डॉ. चंद्रमोहन के मुताबिक मानसून की सक्रियता बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र और कम दबाव क्षेत्र की लाइन पर निर्भर करता है। इस बार यह लगातार अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण में स्थित है, जो राजस्थान के दक्षिणी हिस्सों में बनी हुई है। अभी हरियाणा, एनसीआर व दिल्ली में आने वाले तीन दिनों तक मानसून कमजोर बना रहेगा और सीमित स्थानों पर सिर्फ छिटपुट बूंदाबांदी ही देखने को मिलेगी। मगर 12 जुलाई को एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से कम दबाव क्षेत्र की लाइन अपनी सामान्य स्थिति में आने की संभावना बन रही है, जिसकी वजह से हरियाणा, एनसीआर व दिल्ली में एक बार फिर से मानसूनी गतिविधियां तेज होंगी।

रतिया में बारिश से गिरी मकान की छत, परिवार के छह सदस्य घायल

शहर के वार्ड नंबर पांच में बारिश के कारण एक गरीब परिवार की मकान की छत रविवार रात गिर गई। वार्ड नंबर पांच के पार्षद प्रतिनिधि गुरप्रीत सिंह हैप्पी ने बताया कि रात एक बजे अचानक मकान की छत सो रहे पारिवार पर गिर गई। कॉलोनीवासियों ने मकान में दबे लोगों को बाहर निकाला। छत गिरने से सोनी सिंह के सिर पर काफी चोटें आई तथा रानी कौर व सुनीता रानी की बाजू भी टूट गई। घर के बच्चों काकू ,मोनिका व कद्दू को खरोंचें आई हैं। सोनी सिंह, रानी और सुनीता को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है तथा बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

बल्लभगढ़ रोडवेज वर्कशॉप में डीजल घोटाला : साढ़े बारह हजार लीटर डीजल गायब, एफआईआर दर्ज

बल्लभगढ़। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ रोडवेज वर्कशॉप में डीजल घोटाला सामने आया है। वर्कशॉप में साढ़े बारह हजार डीजल की हेराफेरी हुई है। इससे कर्मचारियों व अधिकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। अब इस मामले की जांच की जा रही है कि आखिर किसने यह हेराफेरी की है। बल्लभगढ़ वर्कशॉप से मिली जानकारी के अनुसार यहां रोडवेज बसों में भरे जाने वाले डीजल की हेराफेरी हुई है। वर्कशॉप से लेकर रोडवेज मुख्यालय तक इसकी चर्चा है। रोडवेज के जीएम लेखराज ने बताया कि लगभग साढ़े बारह हज़ार लीटर डीजल यानी कई लाखो रुपए का रोडवेज को नुकसान हुआ है।

बिजली मंत्री ने किया बाडोपट्टी एसडीओ का तबादला, एक्सईएन को चार्जशीट की चेतावनी

एजेंसी

हिसार। हिसार में बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने लापरवाह अधिकारियों को सख्त लहजे में चेताया कि वे अपनी कार्यप्रणाली में सुधार कर लें। लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में आयोजित बिजली पंचायत में प्रदेशभर से आए उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनने के दौरान शिकायत मिलने पर बाडोपट्टी सब डिविजन के एसडीओ संदीप के तबादले के आदेश कर दिए। कनोह गांव के ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर नहीं लगाने पर गांव में बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। इस संबंध में एसडीओ को कई बार शिकायत दे चुके हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। इस पर बिजली मंत्री ने एसडीओ का तबादला करने के आदेश दिए। वहीं, गांव थुराना के लोगों ने भी कहा कि 5-6 महीने पहले ट्रांसफार्मर न लगाने की शिकायत दी थी। आपने फोन भी किया था, इसके बाद भी काम नहीं हुआ। इस पर उन्होंने हांसी के एक्सईएन को बुलाया और कहा कि

अगली 5 तारीख से पहले काम नहीं किया तो चार्जशीट कर दूंगा।

बिजली पंचायत में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के आवेदकों को 2 किलोवाट क्षमता तक के सोलर कनेक्शन शीघ्र दें। इस कार्य में किसी प्रकार की कोताही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने लाडवा ग्राम पंचायत की ढाणियों में बिजली उपलब्ध करवाने के लिए बड़ा ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए। चौधरीवास गांव की 15 से 20 ढाणियों में पर्याप्त बिजली उपलब्ध करवाने के लिए कहा।

उमरा और मिर्जापुर में विद्युत लाइन बिछाने के निर्देश दिए। धांसू के ग्रामीणों ने भी बड़ा ट्रांसफार्मर रखने की मांग की। मंत्री रणजीत सिंह ने कापड़ो के युवाओं की मांग पर गांव में जिम का सामान उपलब्ध करवाने को कहा। बैठक में बरवाला विधायक जोगीराम सिहाग, पूर्व राज्यसभा सांसद जनरल डीपी वत्स, निर्वतमान मेयर गौतम सरदाना आदि मौजूद रहे।

बरवाला क्षेत्र से आए एक व्यक्ति ने कहा कि मंत्रीजी आरटीओ वाले रिश्वत लेते हैं। इस पर मंत्री ने कहा आपके पास सबूत है क्या? शिकायत करने का कोई कायदा, सलीका होता है। आदमपुर के लोगों ने जलघर में निर्माण कार्य की विजिलेंस जांच की मांग की। इस पर एसडीओ को जांच के लिए कहा।

आदमपुर नगरपालिका क्षेत्र की महिलाओं कहा कि आदमपुर नगरपालिका को न तोड़ा जाए। इस पर रणजीत सिंह ने कहा कि इस बारे में अंतिम फैसला शहरी निकाय मंत्री व सीएम ही लेंगे। नगरपालिका को लेकर सर्वे कराया जाएगा। सर्वे में लोग चाहेंगे कि नगरपालिका बनी रहे तो बनी रहेगी।

कुरुक्षेत्र में दर्दनाक हादसा... ट्रक से टकराने के बाद कार में लगी आग; तीन जिंदा जले

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में दर्दनाक हादसा हुआ है। नेशनल हाईवे 152-डी पर एक कार में ट्रक से टकराने के बाद आग लग गई। कार सवार तीन लोग जिंदा जल गए, जबकि चौथा गंभीर रुप से झुलस गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, रात करीब 11 बजे एनएच 152 डी पर गांव मुर्तजापुर के पास एक कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई, टकराने के बाद कार में आग लग गई। आग लगने से कार सवार तीन लोग जल गए।

पुलिस के मुताबिक, झज्जर के गांव मंजपुरा का आशीष और उसके तीन साथी स्विफ्ट कार से हिमाचल प्रदेश में परीक्षा देने जा रहे थे। जैसे ही वह नेशनल हाईवे 152-डी गांव मुर्तजापुर के पास पहुंचे तो आगे चल रहे ट्रक से उनकी गाड़ी टकरा गई। इसके बाद कार में आग लग गई। दर्दनाक हादसे में तीन लोग जिंदा जल गए। जबकि आशीष गंभीर रुप से झुलस गए। आशीष का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। अन्य तीन युवकों की पहचान नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि तीनों युवक अलग-अलग जगह के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, अभी आशीष बयान देने की हालत में नहीं है। पुलिस ने तीनों के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के शिकार लोगों के बारे में पुलिस जानकारी जुटाने में लगी है।

चुनाव जीतने में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण : शर्मा

एजेंसी

हिसार। जींद। भारतीय जनता पार्टी की जींद जिला की विस्तारित जिला कार्यकारिणी की बैठक भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष राजू मोर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। बैठक में संगठन से संबंधित गतिविधियों की समीक्षा के साथ-साथ आने वाले दिनों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। वरिष्ठ नेता विजयपाल एडवोकेट ने कार्यकारिणी में राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया जिसका पूर्व विधायक कलिराम पटवारी ने अनुमोदन किया। कार्यकारिणी को संगठन मंत्री और विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने भी संबोधित किया। कार्यकारिणी में केंद्र में तीसरी बार मोदी सरकार बनने पर देश और प्रदेश की जनता का आभार जताया। संगठनमंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि किसी भी चुनाव में जीत हासिल करने में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। विधानसभा चुनाव में समय कम रह गया है, इसलिए हम सबको बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को तेजी से काम करना होगा। संगठन मंत्री ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जीत का मंत्र दिया

और तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने के लिए पूरी ताकत के साथ जुट जाने को कहा।

शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक रूप से आगामी कार्यों व योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को 75 दिन का जो टास्क संगठन की तरफ से दिया गया है उसको पूरा करने में दिन रात जुट जाएं। शर्मा ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीढ है और कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर ही भाजपा लगातार चुनाव जीतती आ रही है। कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए शर्मा ने कहा कि सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी तथा नेता घर-घर जाकर मोदी और नायब सरकार की नीतियों का प्रचार करें। कार्यकारिणी की बैठक में संगठनमंत्री ने कार्यकर्ताओं के मन को भी टटोला और उनके सुझाव भी मांगे। कार्यकर्ताओं ने बेबाक अपने सुझाव संगठन मंत्री को दिए। फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कहा कि मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ स्तर पर होने वाले सभी कार्यक्रमों व बैठकों में कार्यकर्ताओं के साथ अन्य लोगों को भी शामिल करें और उन्हें पार्टी से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हरेक कार्यकर्ता अपना-अपना बूथ जीतने के काम में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि अगर हमने बूथ जीत लिया समझो चुनाव जीत गए। कार्यकारिणी में बोलते हुए जिला अध्यक्ष राजू मोर ने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के आशीर्वाद से भाजपा तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं कि पीएम मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल व मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पिछले दस साल में देश और प्रदेश का नाम ऊँचा किया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास पिछले दस सालों में कराए गए ऐतिहासिक काम हैं जिन्हें जनता के बीच जाकर बताना है। राजू मोर ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि एक सरकार आती थी जो सिर्फ भ्रष्टाचार फैलाती थी, दूसरी सरकार सिर्फ अपने जिले में काम करती थी। राजू मोर ने कहा के भाजपा सरकार ने पूरे हरियाणा का समग्र विकास किया है।

पहाड़ी क्षेत्र के गांवों का सर्वे करवाएंगे : परिवहन तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के परिवहन तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री असीम गोयल ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्र के गांवों का सर्वे करवाएंगे। अगर किसी क्षेत्र में सरकारी बसों की संख्या बढ़ानी पड़ी तो अवश्य बढ़ाई जाएगी , प्रदेश सरकार का उद्देश्य बस सेवा मुहैया करवा कर आमदनी बढ़ाना नही है बल्कि नागरिकों को समय पर सुरक्षित परिवहन सुविधा उपलब्ध करवाना प्राथमिकता है। वे आज यहां पंचकुला जिला के पिंजौर क्षेत्र में बस सड़क दुर्घटना में घायल स्कूली बच्चों का पंचकुला के सिविल अस्पताल में हाल चाल पूछने के बाद मीडिया से बातचीत कर रहे थे। इससे पूर्व परिवहन मंत्री ने अस्पताल में भर्ती घायल स्कूली बच्चों और अन्य नागरिकों का कुशलक्षेम पूछा और उनको ढाढस बंधाया कि प्रदेश सरकार ने उनके बेहतरीन ईलाज के लिए डॉक्टरों को निर्देश दे दिए हैं। घायलों के परिजनों से भी मुलाकात की और दुर्घटना के कारणों को जानने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि एक परिवहन अधिकारी प्रदीप अहलावत की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कमेटी का गठन कर घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रथम दृष्टया हालातों को देखते हुए सरकारी बस के ड्राईवर और कंडक्टर को सस्पेंड करने के आदेश दिए गए हैं।

मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए असीम गोयल ने बताया कि आज जिस रूट पर बस दुर्घटना हुई है उस रूट के लिए कल 9 जुलाई से दो बसों का चक्कर शुरू करने के पंचकुला जिला के रोडवेज महाप्रबंधक अशोक कौशिक को निर्देश दे दिए हैं ताकि यात्रियों की अधिकता के कारण एक बस ओवरलोड न हो। उन्होंने बताया कि उनकी मुख्यमंत्री नायब सिंह से भी फोन पर बात हुई है जिस पर मुख्यमंत्री ने दुर्घटना को खेदजनक बताते हुए संबंधित रूट पर बसों को उचित प्रबंध करने की बात कही है। इस अवसर पर पूर्व विधायक लतिका शर्मा, एसडीएम गौरव चौहान, सीएमओ डॉ मुक्ता कुमार भी साथ थी।

त्रिवार्षिक चुनाव में सभा की नई कार्यकारिणी का गठन

सिरसा। डा. अम्बेडकर लाइब्रेरी में बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर सभा एवं शिक्षा समिति हरियाणा के सभी सदस्यों के वार्षिक अधिवेशन में आज त्रिवार्षिक चुनाव करवाए गए। चुनाव अधिकारी डा. राज कुमार प्रोफेसर चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय सिरसा के द्वारा कराए गए चुनाव में सभा की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया, जिसमें भगवानदास बरोड़ का अध्यक्ष चुना गया। कार्यकारिणी के अन्य 14 पदाधिकारियों में हंसराज बौद्ध को महासचिव, सुनील कुमार धानिया को कोषाध्यक्ष, शिमला देवी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, डा. संजीत कुमार क्रो संयुक्त सचिव, हनुमान सिंह पटीर को प्रैस सचिव, प्रवीण कुमार को कार्यालय सचिव, सत्यवीर सिंह पुनिया को विधि सहलाकार, श्योचन्द चालिया व संतोष रानी पटीर दोनों को उपाध्यक्ष, भरत सिंह व अशोक ढ़ोसीवाल दोनों को सचिव छबीला को सहायक कोषाध्यक्ष तथा विद्या बौद्ध व अजय किशोर दोनों को संगठन सचिव चुना गया है। प्रैस सचिव हनुमान सिंह पटीर ने जानकारी दी कि चुनाव से पहले वर्षिक अधिवेशन में कार्यकारिणी द्वारा गत वर्ष 2023-24 में किए गए ।

पलवल में डॉ बनवारी लाल ने सुनी लोगों की समस्याएं, घूस लेने के चक्कर में अधिकारी सस्पेंड

एजेंसी

पलवल। हरियाणा के पलवल लघु सचिवालय में ग्रीवांस बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने मंत्री डॉ बनवारी लाल के सामने अपनी शिकायतें रखी। मंत्री ने बताया कि बैठक में कुल 14 शिकायतें आई। ग्रीवांस बैठक में शिकायत लेकर आम जनता के साथ विधायक दीपक मंडला भी पहुंचे। दीपक मंडला ने हाईवे पर बने ड्रेनेज सिस्टम को लेकर शिकायत रखी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी हाईवे पर बने ड्रेनेज सिस्टम की लचर व्यवस्था को नजरअंदाज कर रहे हैं। इसको लेकर कई बार हमने विभाग के अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज की। लेकिन, ये लोग बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे हैं। एक

शिकायतकर्ता ने बताया कि अधिकारियों द्वारा पैसे लेकर एनओसी पास की जाती है। मुझसे भी मेरे काम के लिए 1 लाख 40 रुपये की डिमांड की गई थी। इसके बाद तंग आकर मैंने ग्रीवांस कमेटी में अपनी शिकायत दी और मंत्री जी ने इस पर सख्त कार्रवाई करते हुए अधिकारी को सस्पेंड कर दिया। ग्रीवांस बैठक के बाद बनवारी लाल ने कहा कि अधिकारियों के बहुत शिकायत आ रहे थे, जिस पर निगरानी रखी गई। विशेष रूप से भ्रष्ट अधिकारी को सस्पेंड किया गया। उन्होंने आगे कहा कि शिकायतों के समाधान के लिए सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को जल्द समस्या सुलझाने के आदेश दिए गए।

मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच चांदी 100 रुपये उछली, चांदी 870 रुपये मजबूत हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत वैश्विक रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने का भाव 100 रुपये की तेजी के साथ 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले सत्र में सोना 73,310 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 870 रुपए की तेजी के साथ 94,270 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 93,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दिल्ली सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत 100 रुपये की तेजी के साथ 73,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक दिलीप परमार ने कहा, जोखिम से बचने और मुनाफावसूली के बीच मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतों में नरमी रही।अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोने का भाव 10 डॉलर प्रति औंस की तेजी के साथ 2,373 डॉलर प्रति औंस हो गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) के वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटी रिसर्च) मानव मोदी ने कहा, अमेरिका में नौकरियों के मिश्रित आंकड़ों, दरों में कटौती की उम्मीदों में वृद्धि और भू-राजनीतिक अपडेट के बीच डॉलर के पीछे हटने से सोने और चांदी की कीमतों में काफी तेजी आई। छुट्टियों के कारण तुलनात्मक रूप से छोटे हफ्ते में में बहुमूल्य धातुओं में विशेष रूप से चांदी में तेजी आई।

एचसीएल टेक की अध्यक्ष रोशनी नादर को फ्रांस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, बोलीं- यह मेरा सौभाग्य

एजेंसी

नई दिल्ली। एचसीएल टेक की अध्यक्ष रोशनी नादर मल्होत्रा को फ्रांस ने देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'शेवेलियर डी ला लीजन डी' होनूर' (नाइट ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर) से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार व्यापार जगत में उनके योगदान, फ्रांस और भारत के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के उनके प्रयास के साथ-साथ सामाजिक और पर्यावरणीय कारणों के लिए उनकी प्रतिबद्धता के कारण दिया गया है। नेपोलियन बोनापार्ट की ओर से 1802 में शुरू किया गया शेवेलियर डे ला लीजन डी होनूर फ्रांस के लिए उत्कृष्ट सेवा करने के लिए फ्रांसीसी गणराज्य की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है। फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति ग्रैंड मास्टर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर होते हैं। कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह पुरस्कार एचसीएलटेक के अध्यक्ष को फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति की ओर से भारत में फ्रांस के राजदूत थिएरी मैथ्यू की ओर से राष्ट्रीय राजधानी में रेसिडेंस ऑफ फ्रांस में एक विशेष समारोह के दौरान प्रदान किया गया। एचसीएल टेक की चेयरपर्सन मल्होत्रा ने कहा, 'यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है और यह भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक संबंधों का प्रतीक है। एचसीएलटेक की फ्रांस में लंबे समय से उपस्थिति है, यह हमारे लिए एक रणनीतिक बाजार है।'

सरकार ने रोजगार पर सिटीग्रुप की रिपोर्ट खारिज की, श्रम मंत्रालय ने बयान जारी कर साफ की स्थिति

नई दिल्ली। सरकार ने सिटीग्रुप की हाल ही में आई उस रिपोर्ट को खारिज कर दिया जिसमें दावा किया गया था कि भारत में सात प्रतिशत की वृद्धि दर होने पर भी रोजगार के समुचित अवसर पैदा करने के लिए देश को संघर्ष करना पड़ सकता है। श्रम मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा है कि इस रिपोर्ट को तैयार करते समय 'आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) और भारतीय रिजर्व बैंक के केएलईएमएस डेटा जैसे आधिकारिक स्रोतों से उपलब्ध व्यापक और सकारात्मक रोजगार आंकड़ों को ध्यान में नहीं रखा गया है। आरबीआई का केएलईएमएस डेटा उत्पादन में पांच प्रमुख बिंदुओं- पूंजी, श्रम, ऊर्जा, सामग्री और सेवाओं के बारे में जानकारी मुहैया कराता है। सिटीग्रुप ने भारत में रोजगार के बारे में हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि सात प्रतिशत की दर से वृद्धि करने पर भी भारत को रोजगार के पर्याप्त अवसर मुहैया कराने में परेशानी आ सकती है। कुछ प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों ने इस रिपोर्ट का हवाला देते हुए खबरें प्रकाशित की हैं।

2024-25 के बजट में खपत को बढ़ावा देने के लिए कर राहत पर जोर होना चाहिए : उद्योग जगत

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट में करदाताओं, खासकर निम्न आय वर्ग के लोगों को राहत देने पर ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि खपत को बढ़ावा मिल सके। उद्योग जगत के लोगों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को यह सुझाव दिया है। सीतारमण 23 जुलाई को 2024-25 के लिए पूर्ण बजट पेश करने वाली हैं, जो नयी सरकार का पहला प्रमुख नीति दस्तावेज होगा। उद्योग जगत ने वित्त मंत्री से कॉरपोरेट कर को कम करने, कर छूट को चरणबद्ध ढंग से खत्म करने और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए कर आधार को व्यापक बनाने का भी आग्रह किया। उद्योग मंडली एसोचैम ने कहा, ''अनुपालन में सुधार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए कर प्रणाली को युक्तिसंगत और सरल बनाना चाहिए। कर व्यवस्था को अधिक कुशल और न्यायसंगत बनाने के लिए कॉरपोरेट कर दरों को कम करने, कर छूट को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने और कर आधार को व्यापक बनाने जैसे उपायों पर विचार करना चाहिए।'

मुंबई में सीएनजी 1.50 रुपये हुई महंगी, पीएनजी के दाम भी बढ़े

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में गाड़ी चलाना और खाना पकाना महंगा हुआ। महानगर गैस लिमिटेड ने संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की कीमतों में इजाफा किया है। सीएनजी के दाम 1.50 रुपये प्रति किलो बढ़ोत्तरी की गई हैं, जबकि पीएनजी की कीमत एक रुपये बढ़ी है। नई दरें प्रभावी होंगे। महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने जारी बयान में कहा कि मुख्य रूप से कच्चे माल की लागत बढ़ने से सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में बढ़ोत?तरी की गई है। कंपनी बताया कि गैस लागत में वृद्धि को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए एमजीएल ने मुंबई और उसके आसपास सीएनजी की कीमत 1.50 रुपये प्रति किलोग्राम और घरेलू पीएनजी की कीमत एक रुपये

प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) बढ़ा दी गई है।

इस बढ़ोत्तरी के बाद सीएनजी की संशोधित कीमत अब सभी करों सहित 75 रुपये प्रति किलोग्राम होगी। वहीं, मुंबई तथा उसके आसपास घरेलू पीएनजी की कीमत 48 रुपये प्रति एससीएम होगी। कंपनी ने कहा कि सीएनजी और पीएनजी की बढ़ती मात्रा को पूरा करने और घरेलू गैस आवंटन में कमी के कारण एमजीएल अतिरिक्त बाजार मूल्य पर प्राकृतिक गैस (आयातित एलएनजी) ले रही है, जिससे गैस की लागत बढ़ गई है।

कंपनी ने कहा कि कीमतों में उपरोक्त संशोधन के बाद भी एमजीएल की सीएनजी मुंबई में मौजूदा मूल्य स्तर पर पेट्रोल और डीजल की तुलना में क्रमशः करीब 50 फीसदी और 17 फीसदी सस्ती हैञ। कंपनी ने बताया कि मामूली वृद्धि के बाद भी एमजीएल की सीएनजी और घरेलू पीनजी की कीमतें देश में सबसे कम हैं। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली-एनसीआर आसपास के शहरों के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने 22 जून, 2024 को सीएनजी की कीमत एक रुपये प्रति किलोग्राम बढ़ाकर 75.09 रुपये कर दी थी। हालांकि, कंपनी ने पीएनजी के दाम संशोधित नहीं किए थे, जो 48.59 रुपये प्रति एससीएम पर बनी हुई है। मुंबई और आसपास के शहरों में वाहनों के लिए सीएनजी और घरों में पाइप के जरिए खाना पकाने वाली गैस पीएनजी एमजीएल उपलब्ध कराती है।

धान की बुवाई का रकबा 19.35 फीसदी बढ़ा, दलहन में करीब 55फीसदी की तेज बढ़ोतरी

नई दिल्ली । धान की धीमी बुवाई को पिछले 10 दिन से हो रही बारिश ने बूस्टर डोज दे दिया है।

इसलिए, धान की बुवाईका रकबा चालू खरीफ सीजन 2024-25 में 19.35 फीसदी बढ़कर 59.99 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह रकबा 50.26 लाख हेक्टेयर था। कृषि मंत्रालय की जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दालों की बुवाई का रकबा भी 8 जुलाई, 2024 तक एक साल पहले की समान अवधि के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.79 फीसदी बढ़कर 36.81 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। इस अवधि में अरहर की बुवाई का रकबा भी 4.09 लाख हेक्टेयर से पांच गुना बढ़कर 20.82 लाखहेक्टेयर पर पहुंच गया।

मंत्रालय के मुताबिक, चालू खरीफ सीजन में कुल बुवाई का रकबा 14 फीसदी बढ़कर 378.72 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 331.90 लाख हेक्टेयर था। वहीं, तिलहन की बुवाई का रकबा भी बढ़कर 80.31 लाख हेक्टेयर पहुंच गया।

नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक 27 जुलाई को, प्रधानमंत्री करेंगे अध्यक्षता

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 9वीं संचालन परिषद की बैठक 27 जुलाई को होगी। इस बैठक में 2047 तक भारत को विकसित बनाने से जुड़े दस्तावेज पर चर्चा की जाएगी। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि नीति आयोग की संचालन परिषद की बैठक 27 जुलाई को होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। संचालन परिषद की बैठक से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को केंद्रीय बजट 2024-25 में विकसित भारत के दृष्टिकोण और कार्ययोजना की रूपरेखा पेश कर सकती हैं। नीति आयोग को वर्ष 2023 में 2047 तक विकसित भारत के लिए 10 क्षेत्रवार विषयों को एक संयुक्त दृष्टिकोण में शामिल करने का कार्य सौंपा गया था। इस दृष्टिकोण में विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है, जिसमें आर्थिक वृद्धि, सामाजिक प्रगति, पर्यावरण के स्तर पर स्थिरता

और बेहतर संचालन शामिल हैं। देश की आजादी के 100वें साल 2047 तक भारत को 30 हजार अरब डॉलर की विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक दृष्टिकोण पत्र तैयार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नीति आयोग की शीर्ष नीतिगत इकाई संचालन परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उप-राज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री नीति आयोग के चेयरमैन होते हैं। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा गठित एक नया संस्थान है। इसको योजना आयोग की जगह पर बनाया गया है। एक जनवरी, 2015 को इस नए संस्थान के संबंध में जानकारी देने वाला मंत्रिमंडल का प्रस्ताव जारी किया गया।

रोजगार पर सिटीग्रुप की शोध रिपोर्ट का सरकार ने किया खंडन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत में रोजगार की स्थिति पर सिटीग्रुप द्वारा जारी हालिया शोध रिपोर्ट का खंडन किया है। सिटीग्रुप की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत सात फीसदी की विकास दर के साथ भी पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए संघर्ष करेगा। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि ये रिपोर्ट आधिकारिक स्रोतों से उपलब्ध व्यापक और सकारात्मक रोजगार आंकड़ों को ध्यान में रखने में विफल रही है। इस रिपोर्ट में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के केएलईएमएस डेटा जैसे आधिकारिक स्रोतों से जानकारी नहीं ली गई है, यह स्रोत रिपोर्ट का खंडन करते हैं। मंत्रालय ने कहा कि वह ऐसी रिपोर्टों का दृढ़ता से खंडन करता है, जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध सभी आधिकारिक आंकड़ा स्रोतों का विश्लेषण नहीं करती हैं। मंत्रालय ने बताया कि .आरबीआई का केएलईएमएस डेटा वित्त वर्ष 2017-18 से वित?त वर्ष 2021-22 तक 8 करोड़ (80 मिलियन) से अधिक रोजगार के अवसरों का संकेत देता है, जिसका मतलब है प्रति वर्ष औसतन दो करोड़ (20 मिलियन) से ज्यादा रोजगार हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस तथ्य के बावजूद कि 2020-21 के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी से प्रभावित हुई थी, इसके मद्देनजर पर्याप्त रोजगार पैदा करने में भारत की असमर्थता के सिटीग्रुप के दावे का खंडन हो जाता है। यह महत्वपूर्ण रोजगार सृजन विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी पहलों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करता है। मंत्रालय के मुताबिक पीएलएफएस डेटा से पता चलता है कि पिछले 5 साल के दौरान, श्रम बल में शामिल होने वाले लोगों की संख्या की तुलना में अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप बेरोजगारी दर में लगातार कमी आई है। इसके साथ ही मंत्रालय ने कहा कि मुताबिक कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि ज्यादा से ज्यादा कर्मचारी औपचारिक नौकरियों में शामिल हो रहे हैं। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 1.3 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर ईपीएफओ में शामिल हुए, जो वित्त वर्ष 2018-19 के दौरान ईपीएफओ में शामिल हुए 61.12 लाख की तुलना में दोगुने से भी अधिक हैं। इसके अलावा पिछले साढ़े छह साल के दौरान (सितंबर, 2017 से मार्च, 2024 तक) 6.2 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर ईपीएफओ में शामिल हुए हैं। वहीं, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के आंकड़ों से पता चलता है कि केंद्र और राज्य सरकारों के अंतर्गत वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 7.75 लाख से ज्यादा नये सब्सक्राइबर एनपीएस में शामिल हुए हैं।

सरकार ने व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई योजना हेतु आवेदन विंडो फिर से खोली

नई दिल्ली। सरकार ने एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट जैसे घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों (व्हाइट गुड्स) के लिए उत्पादन संलग्न प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के लिए एप्लीकेशन विंडो फिर से खोली है। ये एप्लीकेशन विंडो 15 जुलाई से 12 अक्टूबर 2024 तक 90 दिनों तक खुली रहेगी। केंद्र सरकार ने संभावित निवेशकों को इस योजना से लाभ उठाने का एक और अवसर प्रदान किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि सरकार ने 15 जुलाई, 2024 से 90 दिनों के लिए व?हाइट गुड्स (एसी और एलईडी लाइट) के लिए पीएलआई योजना के लिए एप्लीकेशन विंडो फिर से खोली गई है। ये एप्लीकेशन विंडो 15 जुलाई 2024 से 12 अक्टूबर 2024 तक

खुली रहेगी। मंत्रालय ने बताया कि अबतक पीएलआई योजना के तहत 6,962 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ 66 आवेदकों को लाभार्थियों के रूप में चुना गया है।

मंत्रालय ने कहा कि एयर कंडीशनर (एसी) के घटकों के निर्माण के लिए डाइकिन, वोल्टास, हिंडाल्को, एम्बर, पीजी टेक्नोप्लास्ट, ईपैक, मेटट्यूब, एलजी, ब्लू स्टार, जॉनसन हिताची, पैनासोनिक, हायर, मिडिया, हैवेल्स, आईएफबी, निडेक, लुकास, स्वामीनाथन और ट्राइटन वाल्व आदि ने निवेश किया है। इसी तरह, एलईडी लाइट्स के घटकों के निर्माण में डिक्सन, आर के लाइटिंग, राधिका ऑप्टो, सूर्या, ओरिएंट, सिग्निफाई, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, स्टोव क्राफ्ट, कॉस्मो फिल्म्स, हेलोनिक्स, चेनफेंग, फुलहम, एडसन, इनवेंट्रोनिक्स और लूकर आदि कंपनियों ने निवेश किया है। इन निवेशों से पूरी मूल्य श्रृंखला में एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट्स के घटकों का निर्माण होगा, जिसमें वे घटक भी शामिल हैं जो वर्तमान में भारत में पर्याप्त मात्रा में निर्मित नहीं होते हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना के लिए एप्लीकेशन विंडो 15 जुलाई, 2024 से 12 अक्टूबर, 2024 (समावेशी) तक उसी ऑनलाइन पोर्टल पर खुली रहेगी, जिसका यूआरएल https://pli-whitegoods.ifciltd.com/है। एप्लीकेशन विंडो बंद होने के बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं की जाएगी।

भारत में पिछले साल रोजगार वृद्धि दर छह प्रतिशत रही, RBI ने रिपोर्ट जारी की

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक ने जानकारी देते हुए बताया है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत में 46.7 मिलियन नौकरियां और मिली हैं। हालांकि यह आंकड़ा निजी सर्वेक्षणों की संख्या से कहीं ज्यादा है, जिनमें उच्च बेरोजगारी दर की बात कही गई थी।

आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक उद्योग स्तर की उत्पादकता और रोजगार को मापने पर पता चलता है कि 2023-24 में रोजगार वृद्धि दर 6 प्रतिशत रही, जबकि 2022-23 में यह 3.2 प्रतिशत थी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 2023-24 में भारत का कुल रोजगार 643.3 मिलियन था, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 596.7 मिलियन था। केंद्रीय बैंक देश की उत्पादकता और रोजगार के स्तर का अनुमान लगाने के लिए सरकार के राष्ट्रीय खातों और श्रम मंत्रालय के डेटा का उपयोग करता है।

रोजगार से संबंधित रिपोर्ट केंद्रीय बैंक की ओर से नियमित रूप से जारी की जाती है, जिसमें परंपरागत रूप से केवल ऐतिहासिक संख्याएं ही दिखाई जाती हैं। हालांकि, सोमवार को जारी की गई रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय बैंक ने कहा कि वह उपलब्ध जानकारी के आधार पर पहली बार वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कुल अर्थव्यवस्था के लिए उत्पादकता का एक अनुमान लगाने का प्रयास किया गया है। विश्लेषकों ने नौकरियों की कमी और उच्च मुद्रास्फीति को पिछले महीने संसद के सीधे निर्वाचित सदन में बहुमत हासिल करने में पीएम मोदी की विफलता से जोड़ा, जिसका अर्थ है कि उन्हें तीसरे कार्यकाल के लिए सत्ता में लौटने के लिए सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के छोटे व सीमांत किसानों को सशक्त करेगी सरकार- केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश के छोटे व सीमांत किसानों को सशक्त बनाने के लिए कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) को एक आंदोलन के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा। इसी कड़ी में केंद्र सरकार द्वारा देशभर में एफपीओ मेले लगाए जाएंगे, जिनके माध्यम से किसानों के एफपीओ को प्रोत्साहन मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि एफपीओ के माध्यम से हमारे किसान भाई-बहन अपने पैरों पर खड़े हो और उनका जीवन स्तर ऊंचा उठे। श्री चौहान ने यह बात आज दिल्ली हाट, आईएनए में आयोजित एफपीओ मेल में कही।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने हरेक स्टाल पर जाकर एफपीओ संचालकों व किसानों से बात की, एफपीओ के माध्यम से उनकी प्रगति पूछी, साथ ही सुझाव भी लिए।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में किसान कल्याण सर्वोपरि है। इस दिशा में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने और देश के छोटे किसानों के बढ़ते हुए सामर्थ्य को संगठित रूप देने में हमारे किसान उत्पाद संगठनों-एफपीओ की बड़ी भूमिका है। सरकार इस बात पर ध्यान दे रही है कि एफपीओ से जुड़े किसानों को भी उनके उत्पाद बेचने के लिए अच्छा प्लेटफार्म मिले, जिससे उन्हें तो अधिक लाभ होगा ही, उपभोक्ताओं को भी गुणवत्तापूर्ण उत्पाद सही दाम पर मिलेंगे। श्री चौहान ने कहा कि एफपीओ का भविष्य बहुत उज्जवल है, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम इस आंदोलन को बहुत आगे ले जाने का प्रयत्न करेंगे। श्री चौहान ने बताया कि देशभर में 10 हजार नए एफपीओ बनाने की भारत सरकार की योजना बहुत सफलता से आगे बढ़ रही है, जिसके अंतर्गत अभी तक पौने नौ हजार से ज्यादा एफपीओ बनाए जा चुके हैं, एफपीओ का यह बहुत बड़ा एक परिवार है और हम सब मिल-जुलकर साथ में आगे बढ़ेंगे। एफपीओ के माध्यम से किसानों को मजबूत बनाने में केंद्र सरकार पूरी ताकत के साथ खड़ी है। उन्होंने एफपीओ को आर्थिक मजबूती के लिए एक लाख करोड़ रुपये के एग्री इंफ्रा फंड सहित केंद्र की अन्य योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। श्री चौहान ने कहा कि एफपीओ आंदोलन को और ताकत देने के लिए इस योजना की मंत्रालय के स्तर पर समीक्षा भी की जाएगी।

सरकार ने 15 जुलाई 2024 से 90 दिनों के लिए व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी लाइट) के लिए पीएलआई योजना के लिए एप्लीकेशन विंडो फिर से खोली

एजेंसी

मुंबई। उद्योग की इच्छा के आधार पर व्हाइट गुड्स (एसी और एलईडी लाइट) के लिए पीएलआई योजना के लिए एप्लीकेशन विंडो को फिर से खोला जा रहा है, ताकि इस योजना के तहत अधिक निवेश किया जा सके। यह पीएलआईडब्ल्यूजी योजना के तहत देश में एसी और एलईडी लाइट के प्रमुख घटकों के निर्माण के कारण बढ़ते बाजार और पैदा हुए विश्वास का ही परिणाम है। एप्लीकेशन विंडो 16.04.2021 को अधिसूचित पीएलआईडब्ल्यूजी योजना और 04.06.2021 को जारी उन पीएलआईडब्ल्यूजी योजना दिशानिर्देशों में निर्धारित समान नियमों और शर्तों पर खोली जा रही है, जिन्हें समय-समय पर संशोधित किया गया है।योजना के लिए एप्लीकेशन विंडो 15 जुलाई, 2024 से 12 अक्टूबर, 2024 (समावेशी) तक उसी ऑनलाइन पोर्टल पर खुली रहेगी जिसका यूआरएल https://pliwhite-goods.ifciltd.com/ है। एप्लीकेशन विंडो बंद होने के बाद

कोई भी एप्लीकेशन स्वीकार नहीं की जाएगी। किसी भी भेद-विभेद से बचने के लिए नए आवेदकों के साथ-साथ पीएलआईडब्ल्यूजी के मौजूदा लाभार्थी, जो उच्च लक्ष्य खंड से बदलाव करके अधिक निवेश करने का प्रस्ताव रखते हैं या उनकी समूह कंपनियां अलग लक्ष्य खंड के तहत आवेदन करती हैं, वे योजना दिशानिर्देशों के पैरा 5.6 में उल्लिखित पात्रता शर्तों को पूरा करने और योजना दिशानिर्देशों के परिशिष्ट-1 या परिशिष्ट-1ए में उल्लिखित निवेश अनुसूची का पालन करने के अधीन आवेदन करने के लिए पात्र होंगे।

पीएलआईडब्ल्यूजी योजना के पैरा 6.4 और योजना दिशानिर्देशों के पैरा 9.2 के अनुसार, आवेदक केवल योजना की शेष अवधि के लिए प्रोत्साहन पाने के पात्र होंगे। प्रस्तावित तीसरे दौर में अनुमोदित आवेदक केवल नए आवेदक और मार्च 2023 तक की निवेश अवधि का विकल्प चुनने वाले और उच?च निवेश श्रेणी में जाने के इच?छुक मौजूदा लाभार्थियों के मामले में अधिकतम तीन वर्षों के लिए पीएलआई के लिए पात्र होंगे। मार्च 2022 तक की निवेश अवधि का विकल्प चुनने वाले मौजूदा लाभार्थी प्रस्तावित तीसरे दौर में उच्च निवेश श्रेणी में जाने के लिए अधिकतम दो वर्षों के लिए ही पीएलआई योजना के लिए पात्र होंगे। उपर्युक्त विकल्प चुनने वाले मौजूदा लाभार्थी यदि किसी वर्ष में निवेश या बिक्री की सीमा हासिल नहीं कर पाते हैं, तो वे अपनी मूल निवेश योजना के अनुसार अपना दावा प्रस्तुत करने के पात्र होंगे। हालांकि उन्हें यह छूट योजना अवधि के दौरान केवल एक बार ही उपलब्ध होगी। इसके अलावा, व्यवसाय में लिक्विडिटी बनाए रखने, बेहतर कार्यशील पूंजी प्रबंधन और लाभार्थियों की परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए वार्षिक आधार पर दावों की प्रोसेसिंग के स्थान पर पीएलआई की तिमाही दावा प्रसंस्करण प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया गया है। उपरोक्त तथ्य को स्पष्ट करने के लिए योजना दिशानिर्देशों में आवश्यक संशोधनों को शामिल किया गया है।अब तक पीएलआई योजना के तहत 6,962 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ 66 आवेदकों को लाभार्थियों के रूप में चुना गया है। एयर कंडीशनर (एसी) के घटकों के निर्माण के लिए डाइकिन, वोल्टास, हिंडाल्को, एम्बर, पीजी टेक्नोप्लास्ट, ईपैक, मेटट्यूब, एलजी, ब्लू स्टार, जॉनसन हिताची, पैनासोनिक, हायर, मिडिया, हैवेल्स, आईएफबी, निडेक, लुकास, स्वामीनाथन और ट्राइटन वाल्व आदि ने निवेश किया है। इसी तरह, एलईडी लाइट्स के घटकों के निर्माण में डिक्सन, आर के लाइटिंग, राधिका ऑप्टो, सूर्या, ओरिएंट, सिग्निफाई, क्रॉम्पटन ग्रीव्स, स्टोव क्राफ्ट, कॉस्मो फिल्म्स, हेलोनिक्स, चेनफेंग, फुलहम, एडसन, इनवेंट्रोनिक्स और लूकर आदि कंपनियों ने निवेश किया है। इन निवेशों से पूरी मूल्य श्रृंखला में एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट्स के घटकों का निर्माण होगा, जिसमें वे घटक भी शामिल हैं जो वर्तमान में भारत में पर्याप्त मात्रा में निर्मित नहीं होते हैं।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 7.04.2021 को एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट्स के घटकों और सब-असेंबली के विनिर्माण हेतु व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान के अनुसरण में था, ताकि विनिर्माण को केंद्र में लाया जा सके और भारत के विकास को गति प्रदान करने तथा रोजगार सृजन में इसके महत्व पर जोर दिया जा सके। इस योजना को वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2028-29 तक सात साल की अवधि में लागू किया जाना है और इसका परिव्यय 6,238 करोड़ रुपये है।

भारत में रोजगार पर सिटीग्रुप की शोध रिपोर्ट का खंडन

एजेंसी

नई दिल्ली। कुछ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा उद्धृत भारत में रोजगार पर सिटीग्रुप की हालिया शोध रिपोर्ट, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि भारत सात प्रतिशत की विकास दर के साथ भी पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए संघर्ष करेगा, उपलब्ध व्यापक और सकारात्मक रोजगार डेटा को ध्यान में रखने में विफल रही है। रिपोर्ट में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) और भारतीय रिजर्व बैंक के केएलईएमएस डेटा जैसे आधिकारिक स्रोतों से जानकारी नहीं ली गई है तथा ये स्रोत रिपोर्ट का खंडन करते हैं। अत- श्रम और रोजगार मंत्रालय ऐसी रिपोर्टों का दृढ़ता से खंडन करता है जो सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध सभी आधिकारिक डेटा स्रोतों का विश्लेषण नहीं करती हैं।

भारत के लिए रोजगार डेटा

भारतीय रिजर्व बैंक का केएलईएमएस डेटा 2017-18 से 2021-22 तक आठ करोड़ से अधिक रोजगार के अवसरों का संकेत देता है, जिसका मतलब प्रति वर्ष औसतन दो करोड़ से अधिक रोजगार है। उल्लेखनीय है कि इस तथ्य के बावजूद कि 2020-21 के दौरान विश्व अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी से प्रभावित हुई थी, इसके मद्देनजर पर्याप्त रोजगार पैदा करने में भारत की असमर्थता के सिटीग्रुप के दावे का खंडन हो जाता है। यह महत्वपूर्ण रोजगार सृजन विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न सरकारी पहलों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करता है। वार्षिक पीएलएफएस रिपोर्ट निम्नलिखित से संबंधित श्रम बाजार संकेतकों में 2017-18 से 2022-23 के दौरान सुधार की प्रवृत्ति दर्शाती है- (i) श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), (ii) श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) और (iii) 15 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर)। तदनुसार डब्ल्यूपीआर 2017-18 में 46.8 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 56 प्रतिशत हो गया है।

इसी तरह, देश में श्रम बल की भागीदारी भी 2017-18 में 49.8 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 57.9 प्रतिशत हो गई है। बेरोजगारी दर 2017-18 में 6.0 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 3.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है।

बढ़ती उम्र के साथ रखना चाहते हैं अपनी Brain Health का ख्याल, तो इन एक्टिविटीज को करें अपने रूटीन में शामिल

हमारा दिमाग हमारे शरीर का बेहद अहम भाग होता है जो हमेशा काम करता रहता है। हालांकि हम अक्सर इसकी सेहत की अनदेखी कर देते हैं जिसके कारण याददाश्त कमजोर होना फोकस कम होना सोचने-समझने की क्षमता में गिरावट जैसी परेशानियां हो सकती है। इसलिए हम कुछ ऐसी एक्टिविटीज आपको बताने वाले हैं जिनसे ब्रेन हेल्थ (Brain Health) बेहतर रहेगी।

हम अपने शरीर के हर अंग का ख्याल रखते हैं, चाहे त्वचा हो, दिल, लिवर, किडनी, फेफड़े आदि, लेकिन इनमें हम अक्सर दिमाग को अनदेखा कर देते हैं। यह एक ऐसा अंग है, जो हमेशा काम करता रहता है और कभी आराम नहीं करता है। ऐसे में इसकी देखभाल न करना आपके लिए काफी हानिकारक हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ वैसे भी दिमाग से जुड़ी परेशानियां, जैसे कमजोर याददाश्त, फोकस कम होना आदि शुरू होने लगती हैं। इसलिए इन परेशानियों से खुद को बचाने के लिए जरूरी है कि आप अपने दिमाग की खास देखभाल करें। आपको बता दें कि हम कुछ ऐसी एक्टिविटीज को अपने जीवन में शामिल कर सकते हैं, जिनसे दिमाग तेज बनेगा और हेल्दी रहेगा। आइए जानें दिमाग को हेल्दी रखने के लिए कुछ एक्टिविटीज।

पजल सॉल्व करें

पजल सॉल्व करना, दिमाग के लिए एक हेल्दी एक्टिविटी है, जिससे विजन से जुड़े कॉग्नीटिव फंक्शन बेहतर रहते हैं। पजल सॉल्व करने के लिए आप अपने दिमाग के सामने एक चैलेंज रखते हैं, जिससे वह तेज बनता है और उसकी काम करने की क्षमता बढ़ती है। इसलिए पजल सॉल्विंग एक शानदार ब्रेन एक्टिविटी है।

डांस करें

सीडीसी के मुताबिक, नए डांस के मूव्स सीखने से दिमाग की सीखने की क्षमता बढ़ती है और आपकी याददाश्त भी मजबूती होती है। इसलिए अपने दिमाग को हेल्दी रखने के लिए आप कुछ नए डांस मूव्स सीख सकते हैं या फिर सिर्फ डांस करने से भी आपके दिमाग की सेहत अच्छी रहेगी।

मेडिटेशन

मेडिटेशन करने से तनाव कम होता है और आपकी मेंटल हेल्थ बेहतर बनती है। इससे स्ट्रेस और एंग्जायटी कम होती है, जिससे इनकी वजह से दिमाग को होने वाले नुकसान कम होते हैं। इसलिए रोजाना कुछ देर मेडिटेशन करने से आपका दिमाग हेल्दी रहेगा और आपको काफी अच्छा भी महसूस होगा।

एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज करना आपकी पूरी सेहत के लिए फायदेमंद है, जिसमें दिमाग भी शामिल है। इसलिए रोज कम से कम 30-45 मिनट एक्सरसाइज करें। इससे मूड भी अच्छा होता है और डिमेंशिया का खतरा भी कम होता है, जो आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद है।

कोई नया स्किल सीखें

अपने दिमाग को चैलेंज करने के लिए कोई नई स्किल सीखें, जैसे- कोई नई भाषा, नया वाद्य यंत्र बजाना सीखें, कोई नई हॉबी अपना सकते हैं। इन एक्टिविटीज से आपके दिमाग की काफी एक्सरसाइज होती है और वह तेज बनता है। इसलिए समय-समय पर कोई नई स्किल सीखना आपके दिमाग की सेहत के लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

भारत में कमजोर होने के बाद ईरान, इंग्लैंड में दक्षिणपंथियों की हार!

राहुल हिम्मत तो बहुत करते हैं। मोदी जी के खिलाफ हमेशा सीना तान कर खड़े रहते हैं। मगर अपनी पार्टी में हार जाते हैं। पार्टी उनका उपयोग करती है। अकेले दम पूरा चुनाव लड़ा। चुनाव के बाद फिर जगह-जगह घूम रहे हैं। राज मिस्त्रियों के पास, लोको पायलट के साथ, हाथरस अलीगढ़ में भगदढ़ में मारे गए लोगों के परिवार के पास, अहमदाबाद जहां बजरंग दल ने कांग्रेस के आफिस पर हमला किया वहां। हर जगह।दुनिया को वापस पीछे नहीं खींचा जा सकता। सब देश यह मान रहे हैं और पीछे खींचने वाली ताकतों को पीछे कर रहे हैं। इंग्लैंड में 14 साल बाद कंजर्वेटिव हारे। 14 साल बहुत होते हैं। मगर यह बताते हैं कि प्रगतिशील ताकतों को हमेशा के लिए खत्म नहीं किया जा सकता।जनता का मूल स्वभाव हमेशा और हर जगह आगे बढ़ने और बढ़ाने वाली ताकतों के साथ होता है। खुद उसके मन में कम या बदलाव का अंश न भी हो तो भी वह देश को रूका हुआ, पीछे जाता हुआ नहीं, आगे बढ़ता हुआ देखना चाहती है।इंग्लैंड में कंजरवेटिव का मतलब वही है। जो हमारे यहां दक्षिणपंथियों का है। पहले हिन्दू महासभा इन ताकतों का प्रतिनिधित्व करती थी। अब भाजपा कर रही है। दस साल बाद वह भी कमजोर हुई है। और 303 से 240 पर आ गई है। साधारण बहुमत भी नहीं है उसके पास। अवसरवादी ताकतों के भरोसे सरकार बनाई है। नायडू और नीतीश को कब दूसरे पाले में ज्यादा संभावनाएं दिखने लगें किसी को नहीं मालूम। उनके लिए अपना अस्तित्व बचाए रखना पहली प्राथमिकता है। दोनों की आखिरी पारी है। नायडू 74 साल के हैं और नीतीश 73 के। ऐसे में उनका सारा संघर्ष अब खुद को बनाए रखना है। और अगर कोई एक मौका मिल जाए चाहे कुछ ही समय के चरणसिंह, देवेगौड़ा जैसे तो वे उसे पकड़ने में चुकेंगे नहीं। मोदीजी का तीसरा कार्यकाल पूरी तरह इन दोनों की बैसाखियों पर ही टिका है। और बदलती दुनिया की खबर इन्हें भी है।परिवर्तन केवल इंग्लैंड में ही नहीं हुआ है ईरान में भी हुआ है। वहां भी अपेक्षाकृत सुधारवादी जीते हैं। पीछे ले जानी वाली ताकतें हारी हैं। वहां राष्ट्रपति इब्राहिमी रईसी की पिछले दिनों हैलिकाप्टर हादसे में हुई मृत्यु के बाद नए राष्ट्रपति के चुनाव हुए थे। जीतने वाले मसूद पजेश्कियान प्रोफेशन से डाक्टर हैं। हार्ट सर्जन। सुधारवादी माने जाते हैं और मोरल पुलिसिंग के कड़े विरोधी। वे अन्तरराष्ट्रीय जगत में ईरान के अलग थलग पड़ने का सवाल हमेशा उठाते रहे हैं और मिलजुल कर रहने के हिमायती हैं। दूसरी तरफ हारने वाले सईद जलीली यथास्थितिवादी हैं।

ईरान के चुनाव एक बड़ा बदलाव दिखाते हैं। दुनिया और खास तौर से इस्लामिक मुल्कों के लिए कि उदारवादी ताकतों को हमेशा के लिए नहीं दबाया जा सकता। हालांकि ईरान की शासन व्यवस्था बहुत जटिल है। धार्मिक और लोकतांत्रिक दोनों पावर में होते हैं। वहां सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खोमेनई हैं और वे धार्मिक शख्सियत हैं। खोमेनेई दूसरे सर्वोच्च शासक हैं। पहले इस्लामिक क्रान्ति करने वाले खोमेनी हुए थे। जो 1971 से अपनी मृत्यु 1989 तक इस पद पर रहे। और तब से खोमेनेई हैं। वे अभी 85 साल के हैं। उनके उत्तराधिकारी का भी नाम घोषित होने वाला है। इसके लिए एक बड़ी समिति होती है विशेषज्ञ सभा जो नाम तय करती है। तो इन जटिल और धार्मिक लोकतांत्रिक मिलीजुली व्यवस्था में उदारवाद का जीतना एक बड़ी घटना है। जो यह बताती है कि किसी भी देश में सुधारों को रोकना और उदारवाद को नहीं आने देना संभव नहीं है।

इंग्लैंड में जिस बड़ी ताकत के तौर पर चार सौ पार लेबर पार्टी आई है वह बताती है कि जैसे ईरान में धार्मिक ताकतों के खिलाफ मसूद की जीत हुई वैसे अभी भी दुनिया के सबसे परंपरावादी देश इंग्लैंड में आधुनिक विचार वालों की। यहां एक रोचक तथ्य है कि भारत के लिए आजादी की घोषणा लेबर पार्टी के शासनकाल में ही हुई थी। जबकि कंजरवेटिव जिनकी अभी 14 साल बाद हार हुई। वे भारत की आजादी के घोर विरोधी थे। उनके नेता चर्चिल तो कहते थे कि भारतीय इस योग्य ही नहीं हैं कि उन्हें खुद अपनी सरकार चलाने के लिए सौंपी जाए। इसलिए हमारे यहां मिथ्या धारणाओं के कारण लोग चाहे कंजरवेटिव पार्टी के नेताओं का समर्थन करने लगें मगर सच्चाई यह है कि भारत के सच्चे दोस्त हमेशा लेबर पार्टी वाले ही रहे। इसी तरह रूस रहा। अमेरिका नहीं। मगर हमारे हुक्मरानों को अमेरिका इतना प्रिय है कि वहां उनके चुनाव में प्रचार कर आते हैं। हार गए थे। ट्रंप। फिर लड़ रहे हैं। मगर इस बार शायद वह अपने स्टार प्रचारक मोदीजी को नहीं बुलाएं।दुनिया भर में ट्रेंड बदल रहा है। ब्राजील में दक्षिणपंथी हारे। वहां लूला दा सिल्वा ने वापसी की। मेक्सिको में दक्षिणपंथी हारे। पिछले कई सालों से केवल भाषण देने वाले और जनता में मिथ्या धारणाएं पैदा करके मूल समस्याओं से उनका ध्यान हटाने वाले जीत रहे थे। मगर अमेरिका में ट्रंप की हार फिर दूसरे बड़े देश इंग्लैंड में कंजर्वेटिव और ईरान में बड़बोलों की हार और भारत में उनका कमजोर होना वापस जनता की राजनीति का मजबूत होना माना जा रहा है।दरअसल जनता प्रगति मेल-मिलाप भाईचारा चाहती तो है। मगर उसके लंबे रास्ते के मुकाबले कई बार उसे भाषणों के जरिए रातों रात जग बदल देने के दावे करने वाले लुभा जाते हैं। दस साल में हमारे यहां क्या हुआ। यह खुद मोदी जी नहीं बता पाए। पूरे चुनाव में केवल मुसलमान और कांग्रेस ने यह नहीं किया वह नहीं किया ही कहते रहे। उन्हें जिताया मीडिया ने। गोदी मीडिया इसीलिए कहा जाता है उसने चार सौ पार की हवा बना दी। पूरे चुनाव के दौरान और फिर एक्जिट पोल में वह चार सौ पार दिखाता रहा। अगर एक बार भी वह कह देता जो हकीकत थी कि मुकाबला कांटे का है तो मोदीजी को 240 सीटें 140 पर रह जातीं। जनता हवा के प्रभाव में आ जाती है। इसलिए मीडिया कितना बड़ा अपराधी है यह कांग्रेस नहीं समझती। वह अभी भी उसके आसपास घूमती रहती है।मीडिया कांग्रेस को सिर्फ टुकड़ा डालती है। अपनी पसंद के नेताओं के इंटरव्यू, बाइट चेहरे दिखाती है। उसके बदले में राहुल गांधी को ब्लैक आउट करती है। राहुल के खिलाफ निंदा अभियान चलाती है। राहुल के प्रभाव को कम करने में लगी रहती है। मोदी जी जो कांग्रेस मुक्त भारत कहते हैं। उसे मीडिया अच्छी तरह समझती है। कांग्रेस के नेता नहीं समझते। उसका मतलब है राहुल मुक्त कांग्रेस। मीडिया उसी प्रयास में लगी रहती है और कांग्रेस के नेता इसमें सहयोग करते हैं। आखिर लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिषाषण पर बोलते हुए राहुल के मुंह से जी 23 निकल ही गया। जी-23 मतलब राहुल को कांग्रेस से निकालने में लगा कांग्रेसियों का ग्रुप।राहुल हिम्मत तो बहुत करते हैं। मोदी जी के खिलाफ हमेशा सीना तान कर खड़े रहते हैं। मगर अपनी पार्टी में हार जाते हैं। पार्टी उनका उपयोग करती है। अकेले दम पूरा चुनाव लड़ा। चुनाव के बाद फिर जगह-जगह घूम रहे हैं। राज मिस्त्रियों के पास, लोको पायलट के साथ, हाथरस अलीगढ़ में भगदढ़ में मारे गए लोगों के परिवार के पास, अहमदाबाद जहां बजरंग दल ने कांग्रेस के आफिस पर हमला किया वहां। हर जगह।मगर यह सारा परिश्रम इसलिए अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाता पीछे से उन्हें कोई सहायता नहीं मिलती। पार्टी का संगठन बहुत कमजोर है और नेता बहुत ताकतवर मगर सेल्फ प्रमोशन वाले। राहुल के आगे-पीछे घूमकर नंबर बना लो।अभी हरियाणा में चुनाव है। जीता हुआ प्रदेश। मगर भारी गुटबाजी से ग्रस्त। इन गुटों में सबसे ज्यादा राहुल के नजदीक होने का दावा करने वाले पार्टी का नुकसान करते हैं। तीन लोगों ने एक ग्रुप बना रखा था। एसआरके। इसमें से-के. यानी किरण चौधरी भाजपा में चली गई। बाकी दो-एस यानि शैलजा और आर यानि रणदीप सुरजेवाला कांग्रेस में रहकर किरण चौधरी का समर्थन कर रहे हैं। दोनों पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव हैं।अब यह राहुल को सोचना है। वे तीन साल बाद 2027 में होने वाले गुजरात चुनाव जीतने की बात कर रहे हैं मगर तीन महीने बाद हरियाणा में क्या होगा इस पर शायद ध्यान नहीं है। अभी इस तरह ध्यान न देने पर राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ हारे। अगर वह तीनों जीते होते जो जीत सकते थे तो लोकसभा के नतीजे भी कुछ और होते।

संपादकीय

इंसाफ की आवाज़ उठाते राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को मणिपुर दौरे पर जा रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को ही दो दिन के मास्को दौरे पर निकल रहे हैं और उसके बाद बुधवार को वे आस्ट्रिया जाएंगे। प्रसंगवश बता दें कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यानी महीने भर के भीतर श्री मोदी का यह दूसरा विदेश दौरा है, इससे पहले वे इटली की यात्रा कर चुके हैं। वहीं राहुल गांधी का एक साल के भीतर यह तीसरा मणिपुर दौरा है। चुनावों से पहले भी वे दो बार मणिपुर तब गए थे, जहां वहां कुकी और मैतेई समुदायों के बीच हिंसा के कारण जनता त्राहि-त्राहि कर रही थी, सरकार से अपने लिए शांति और सुरक्षा की मांग कर रही थी। लेकिन जनता की यह मांग अब भी पूरी नहीं हुई है।मणिपुर में पिछले महीने भी हिंसा हुई यानी साल भर बाद भी वहां हालात सामान्य नहीं हैं। हजारों लोग अब भी अपने घरों से बेदखल राहत शिविरों में रह रहे हैं। लेकिन संसद में मणिपुर का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस को कोसते हैं कि उसके शासनकाल में वहां राष्ट्रपति शासन लगा। उन्होंने पूर्वोत्तर में विकास के नए दावे इस बार किए। उनसे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी पूर्वोत्तर में अपनी सरकार के कामों पर संतुष्टि जताई, लेकिन मणिपुर के दर्द का जिक्र उनके अभिभाषण में नहीं था। जब प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर भाषण दे रहे थे, तब विपक्ष के सांसदों ने मणिपुर को न्याय दो के नारे भी लगाए। विपक्ष के हंगामे और नारेबाजी के वीडियो को सोशल मीडिया पर खूब प्रचारित किया गया और भाजपा की ओर से इसमें राहुल गांधी पर ही सवाल उठाए गए हैं कि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते उन्होंने जानबूझ कर इस हंगामे को बढ़ावा दिया। सदन के भीतर के जो दृश्य संसद टीवी में नहीं दिखे, वे किसने रिकार्ड करके बाहर जारी किए, यह एक बड़ा सवाल बना हुआ है।बहरहाल, राहुल गांधी की बतौर नेता प्रतिपक्ष भूमिका पर भाजपा बार-बार सवाल उठाकर उन्हें एक अक्षम नेता साबित करने में लगी हुई है। लेकिन अगर बारीकी से देखा जाए तो राहुल गांधी अब भी वही काम कर रहे हैं, जो पहले करते आए थे और जिन कामों पर देश का ध्यान भारत जोड़ो यात्रा के वक्त से गया था। राहुल गांधी ने हमेशा वंचितों और शोषितों के साथ खड़ी होने वाली राजनीति पर जोर दिया। जब यूपीए सत्ता में थी तो वे भट्टा परसौल और नियामगिरि गए थे, ताकि किसानों और आदिवासियों के साथ खड़े हो सकें। मोदी सरकार के वक्त मंदसौर में किसानों पर गोली चली तो राहुल गांधी वहां भी गए और उन्नाव की पीड़िता के परिजनों के साथ खड़े होने भी पहुंचे।पहली भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी ने आम जनता से सीधे संवाद का सिलसिला और तेज किया। गरीब बच्चों को ठिठुरते देखा तो खुद भी एक टी शर्ट में ही कड़कड़ाती सर्दी में चलते रहे। यात्रा खत्म होने के बाद राहुल गांधी किसानों, गिग वर्कर्स, कुलियों, बढ़ईयों, छात्रों के बीच पहुंचे। युवा, नारी, किसान, श्रमिक और भागीदारी न्याय का संकल्प लेकर राहुल गांधी दूसरी बार भारत जोड़ो यात्रा पर निकले और यात्रा खत्म होने के बाद जब चुनाव प्रचार का सिलसिला शुरु हुआ तो वे इन्हीं न्याय की बात करते रहे। नरेन्द्र मोदी के चुनाव प्रचार में मुस्लिम लीग, मंगलसूत्र और भैंस चोरी की बात होती थी, और राहुल गांधी जातिगत आरक्षण, रोजगार, सबके लिए बराबरी की बात करते थे।चुनाव खत्म होने के बाद श्री मोदी फिर से सत्ता में हैं और राहुल गांधी विपक्ष में, लेकिन न नरेन्द्र मोदी अपना ट्रैक बदल रहे हैं, न राहुल गांधी अपने संकल्प से हट रहे हैं। श्री मोदी संसद में भी गांधी परिवार को और राहुल गांधी को कोसते दिखे और श्री गांधी संसद में भी नीट से लेकर मणिपुर के लोगों के लिए न्याय की बात करते रहे। संसद से बाहर भी राहुल गांधी यही कर रहे हैं। राहुल गांधी फिर से मणिपुर जा रहे हैं। इससे पहले राहुल गांधी हाथरस गए थे, जहां भगदड़ में मारे गए लोगों के लिए उन्होंने योगी सरकार से न्याय की बात की और इसके लिए चिट्ठी भी लिखी। राहुल गांधी अहमदाबाद में उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं के परिजनों से मिले, जिन्हें कांग्रेस कार्यालय में हुई तोड़ फोड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है और राजकोट अग्निकांड के पीड़ितों से मिलकर उन्हें न्याय का आश्वासन दिया।

जब सत्ता ही धार्मिक भेदभाव करेगी तो फिर जमीयत जैसे सांप्रदायिक संगठन बेलगाम होंगे ही

भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है, इसलिए धर्म के नाम पर किसी भी तरह की सरकारी सहूलियत लोगों को नहीं मिलनी चाहिए। इतना ही नहीं, धार्मिक शिक्षा और धार्मिक त्यौहारों पर किसी भी बहाने राजकोष लुटाने से बचना चाहिए। वहीं, विभिन्न धार्मिक आयोजनों में शांति बनाए रखने के नाम पर होने वाले प्रशासनिक खर्च को भी सम्बन्धित ट्रस्ट/समिति या जनसमूह से वसूलने का स्पष्ट विधान होना चाहिए। यदि ऐसा होगा तो बहुतेरे विरोधाभास स्वतः समाप्त हो जाएगा।

हालांकि, नीतिगत विडंबना है कि भारत में साम्प्रदायिक व जातीय तुष्टिकरण के नाम पर घृणित सियासी खेल खेला जा रहा है, जिसके चक्कर में भोली-भाली जनता और प्रशासनिक लोग दोनों पीस रहे हैं। यदि इसे अविलंब काबू नहीं किया गया तो उसका खामियाजा हमें आज नहीं तो कल निश्चय ही भुगतना पड़ेगा। मसलन, धर्म को लेकर अंग्रेजों ने जो खेल खेला, उससे देश विभाजन की नौबत आई। वहीं, मुगलों ने जो धार्मिक कट्टरता दिखाए, उससे सामाजिक बिखराव आया, जो आज तक जारी है। बावजूद इसके हमारे लोकतांत्रिक हुक्मरानों ने इन बातों से जज्बातों से कोई सीख नहीं ली, क्योंकि सवाल वोट बैंक का है और उसे शह देने वाले संविधान का है, जिसे संशोधित किये बिना बहुतेरे विरोधाभासों को कतई समाप्त नहीं किया जा सकता। सीधा सवाल है कि संविधान को शासन-प्रशासन का नीति नियामक बनाना चाहिए, न कि वोट बैंक का! क्योंकि जब यह वोट बैंक का टूल्स बना दिया जाएगा, जैसा कि कांग्रेस, जनता पार्टी आदि और भाजपा के शासकों ने किया है, तो बहुसंख्यक वर्ग के द्वारा अल्पसंख्यक वर्ग पर अत्याचार किया जाएगा। यहां पर मेरा तातपर्य जातीय और धार्मिक दोनों प्रकार के अल्पसंख्यकों से है। शायद इसलिए ही तो आरक्षण और सामाजिक न्याय, हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के बाद अब संविधान बचाओ जैसे भावनात्मक मुद्दे जनमानस को उद्वेलित कर रहे हैं और इन्हें बढ़ावा दिलवाकर पूंजीवादी ताकतें हमारे राष्ट्रीय संसाधनों पर निजी कब्जे जमा रही हैं। इन्हें शह देने में बीजेपी और कांग्रेस दोनों आगे हैं और क्षेत्रीय दल तो इनके पिछलग्गू हैं ही!

ऐसे में सुलगता सवाल है कि क्या एक धर्मनिरपेक्ष देश में महज वोट बैंक के खातिर किसी को धर्म के आधार पर आरक्षण देने के लॉलीपॉप थमाए जा सकते हैं? यदि नहीं तो फिर विभिन्न राज्यों में धार्मिक अल्पसंख्यक लोगों को किस आधार पर आरक्षण दिए जा रहे हैं? यदि यह गलत है तो प्रशासनिक लॉबी और न्यायिक लॉबी खामोश क्यों है?क्या यह संवैधानिक विरोधाभास एक दिन मूल संविधान को ही खत्म नहीं कर देगा? क्योंकि शरिया कानून मानने वाली जमात भारतीय संविधान की कितनी कद्र करती है, वह कुछेक विरोधाभासी मुद्दों पर उनके स्टैंड से ही स्पष्ट है।यह बात छेड़ने का मेरा मकसद किसी सम्प्रदाय को आहत करने का नहीं है, बल्कि वह बौद्धिक बहस छेड़ने का है, जिससे प्रशासनिक दिग्गज और न्यायिक दिग्गज बचते आये हैं। इसलिए संविधान के चौथे स्तंभ के एक प्रतिनिधि होने के नाते जनमत कायम करने हेतु यह संवैधानिक कमियां आप सुधि पाठकों के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।आपने यह भी देखा, पढ़ा और सुना होगा कि किसी किसी राज्य में धार्मिक अल्पसंख्यकों के मौलवी, गुरू आदि को तो फिक्स मानदेय दिए जा रहे हैं, लेकिन हिन्दू पुजारियों को कुछ भी नहीं! आखिर ऐसा क्यों? क्या यही संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता है? इतना ही नहीं, हिंदुओं के मालदार धार्मिक स्थलों खासकर चर्चित मंदिरों के राजस्व पर प्रशासनिक माध्यम से काबिज होकर उनका दूसरों के लिए उपयोग किया जा रहा है, लेकिन अन्य धर्मों के चर्चित उपासना स्थलों के साथ ऐसा नहीं किया जा रहा है? क्या यही धर्मनिरपेक्षता है और संविधान की संरक्षक सुप्रीम कोर्ट तक इन विसंगतियों पर खामोश है! आखिर ऐसा क्यों? क्या ऐसा होने से राष्ट्र गुमराह नहीं हो रहा है?कहने का तात्पर्य यह कि राजनेताओं के दबाव में प्रशासनिक अधिकारी स्थापित संवैधानिक मूल्यों यानी पंथनिरपेक्षता के खिलाफ जो निर्णय ले रहे हैं, उसे लागू कर रहे हैं, और उनके खिलाफ माननीय न्यायालय तक कोई स्वतः संज्ञान नहीं लेते हैं कि एक धर्मनिरपेक्ष देश में आप यह सब क्या उलटबांसी कर रहे हैं? तो आखिर इन बातों-जज्बातों को जनमानस के समक्ष कौन ले जाएगा। इसलिए आज मैं यह मुद्दा आपलोगों के बीच उठा रहा हूँ ताकि एक स्पष्ट जनमत कायम करने में मदद मिले।उपर्युक्त वर्णित मुद्दे तो महज बानगी भर हैं, जबकि बहुतेरी बातें आये दिन बहस में सामने आ रही हैं। अभी हाल ही में जमीयत का एक प्रस्ताव आया है। इसमें उठाई हुई बात छोटी है, लेकिन संदेश खतरनाक! वह यह कि जमीयत ने आह्वान किया है कि मुस्लिम छात्र स्कूलों में सरस्वती वंदना व सूर्य नमस्कार का विरोध करें। ऐसे में ज्वलंत प्रश्न पैदा हो रहा है कि कभी आधुनिक शिक्षा की पैरोकारी करने वाले जमीयत उलेमा-ए-हिन्द शिक्षण संस्थानों में टकराव के नए रास्ते पर आखिर क्यों बढ़ रही है? आखिर वह अपने इस मंसूबे को छात्रों के जरिए अमल में लाने की तैयारी क्यों कर रही है? क्योंकि जिस तरह से जमीयत ने स्कूलों में सरस्वती वंदना, धार्मिक गीतों और सूर्य नमस्कार जैसी गतिविधियों को अधार्मिक बताते हुए मुस्लिम छात्रों से इनका बहिष्कार और विरोध करने का आह्वान किया है, वह कहां तक जायज है। यदि इसी तरह का परस्पर विरोधी आह्वान हिन्दू संगठन अपने हिन्दू छात्रों से करने लगें तो फिर टकराव बढ़ेगा और गंगा-जमुनी तहजीब का ढिंढोरा पीटने वाले दलों की परेशानी और अधिक बढ़ जाएगी, जो कि

बमुश्किल आम चुनाव 2024 में पटरी पर वापस आई है।एक बात और, जमीयत ने जिस तरह से मुस्लिम छात्रों के लिए आधुनिक शिक्षा के साथ कुरान पढ़ने और कंठस्थ कराने तथा फ़ारसी की शिक्षा देने की जो पैरोकारी की है, वह कितना जायज है? क्या वह इसी तरह की सुविधा हिन्दू धर्मावलंबियों को देने की बात बर्दाश्त कर पाएगा, यदि कोई सरकार ऐसी सकारात्मक पहल करे तो भी! उससे भी बड़ी बात यह कि क्या सभी अलग-अलग धर्मों के लोगों को किसी भी स्कूल में धार्मिक शिक्षा देना मुमकिन है? वो भी ऐसे दौर में जब कॉस्ट कटिंग के चलते कहीं सरकारी स्कूलों के सेक्शन बन्द किये जा रहे हैं तो कहीं विषय तक विलोपित किये जा रहे हैं। आलम यह है कि स्वीकृत शिक्षकों के पद तक को विलोपित किया जा रहा है। उनके स्थान पर अनुबंध पर पढ़ाने वाले शिक्षक रखे जा रहे हैं, जो कैसे छात्र तैयार कर रहे हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता !उल्लेखनीय है कि जमीयत मुख्यालय में जमीयत उलेमा-ए-हिन्द की प्रबंधन समिति के दो दिवसीय अधिवेशन के अंतिम दिन गत शुक्रवार 5 जुलाई को यह प्रस्ताव पारित किया गया। जिसमें मुस्लिम अभिभावकों से यह आग्रह किया गया है कि वह अपने बच्चों में तौहीद (एकेश्वरवाद) के प्रति विश्वास पैदा करें और शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी बहुदेववादी प्रथाओं में भाग लेने से बचें। यदि जबर्दस्ती की जाए तो विरोध करें और कानूनी कार्रवाई करें।

ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर यह प्रस्ताव ऐसे समय में क्यों लाया गया है, जब मुस्लिम समाज में आधुनिक शिक्षा पर विभिन्न सरकारों के साथ ही बुद्धिजीवियों द्वारा भी जोर दिया जा रहा है। वो भी तब जब एक दिन पहले ही अधिवेशन में खुद जमीयत के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी ने मुस्लिम युवाओं से आधुनिक शिक्षा के माध्यम से देश की सेवा का आह्वान किया था। लेकिन अगले ही दिन उन्होंने कहा कि जमीयत विशुद्ध धार्मिक संगठन है। यह आधुनिक शिक्षा के विरोध में नहीं है, लेकिन हमारा स्पष्ट मानना है कि नई पीढ़ी को बुनियादी धार्मिक शिक्षा प्रदान किये बिना स्कूल की शिर्क (किसी को अल्लाह के बराबर दर्जा देना) वाली शिक्षाओं पर आधारित पाठ्यक्रम न पढ़ाया जाए।

इतना ही नहीं, मौलाना महमूद मदनी ने उत्तरप्रदेश के गैर मान्यता प्राप्त 4,204 मदरसों में पढ़ रहे बच्चों को शिक्षा के अधिकार (आरटीई) कानून के तहत अन्य स्कूलों में प्रवेश दिलाने के उत्तरप्रदेश सरकार के निर्णय का भी तीखा विरोध किया। इस पर टकराव वाला रुख अपनाते हुए मदनी ने कहा कि हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि इस्लामी मदरसे शिक्षा के अधिकार कानून से अलग हैं। यह अधिकार हमें संविधान ने दिया है, जिसे हम छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। स्वाभाविक है कि संवैधानिक विरोधाभास से ही तो सामाजिक-सांप्रदायिक दर्द निरंतर बढ़ रहा है, जिसका असरकारक दवा ढूंढने में हमारी संसद और विधानमंडल विफल प्रतीत हो रहे हैं। कहने का तातपर्य यह कि बदलते समय के साथ समुचित संशोधन के पहल नहीं किये जा रहे हैं।

वहीं, जमीयत के अधिवेशन में धर्म आधारित आरक्षण की पैरोकारी करते हुए सरकार से मांग की गई कि अनुच्छेद 341 में संशोधन किया जाए, ताकि कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु और केरल राज्यों की तरह मुसलमानों और ईसाइयों को पूरे देश में आरक्षण का अधिकार मिले। ऐसे में एक और सवाल उठ रहा है कि उसने सिख, जैन आदि धार्मिक अल्पसंख्यक लोगों के लिए ऐसे आरक्षण की मांग क्यों नहीं की। वहीं, फलस्तीन मामले में इजरायल को भारत द्वारा हथियार देने, देश में उन्मादी हिंसा, सामान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों को लेकर जमीयत ने सरकार की आलोचना की है। जिससे पता चलता है कि विदेश नीति भी उसके मनमाफिक बने, वह यही चाहता है।सवाल है कि जो लोग आज समान नागरिक संहिता का विरोध कर रहे हैं, वह समान मतदाता अधिकार का लाभ क्यों उठा रहे हैं? जिन्हें देश में उन्मादी हिंसा से चिंता है, वो अपने मदरसों में ऐसी सीख धर्मविशेष के छात्रों को क्यों दे रहे हैं, जो बात की अब पब्लिक डोमेन में आ चुकी है। उन्हें फलस्तीन की चिंता तो है, लेकिन कश्मीर की नहीं, जहां पाक प्रायोजित आतंकवाद, हिंसा ब्रेक के बाद जारी है। लोगों की स्पष्ट राय है कि भारतीय संविधान को वकीलों और नेताओं का स्वर्ग नहीं बनने देना चाहिए। इसमें स्पष्ट और पारदर्शी संशोधन होने चाहिए, ताकि किसी को शह देने और किसी को मात देने के आरोप भारतीय संविधान पर नहीं लगे। इसमें समाज के अंतिम व्यक्ति के आंसू पोछने की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए, चाहे वह किसी भी जाति और धर्म का हो!

रोज नहीं खाएं अण्डे

अगर आप रोजाना अंडे खा रहे हैं तो इनको खाना छोड़ दीजिए। नए शोध में पता चला है कि जो रोज अंडे खाते हैं वह बीमार जल्द पड़ते हैं। अंडे का सेवन डॉक्टर की सलाह से ही करना चाहिए।

क्या यह सच है कि अगर सेहत बनानी हो तो रोज अंडे पेट में उतार लिया करो। जबकि सच्चाई यह है कि ऐसा करना आ बैल मुझे मार जैसी बात कहना है, क्योंकि बिना डॉक्टर से पूछे किसी को भी अंडे खाने ही नहीं चाहिए। खासकर, शुगर, हाई बीपी, कोलेस्ट्रॉल, हार्ट के पेशेंट्स और मोटापे वालों को तो अंडों से दूर ही रहना चाहिए, क्योंकि अंडे उनके रोग को और बढ़ा सकते हैं।

सेहत के लिए ठीक नहीं

डॉक्टरों का कहना है कि इस बारे में 1999 में जर्नल ऑफ मेडिकल एसोसिएशन में बॉस्टन के हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के न्यूट्रीशन विभाग के डॉ. ह्यू. एफ बी एंड ग्रुप की रिपोर्ट में कहा गया था कि बीपी, हार्ट, शुगर और कोलेस्ट्रॉल के मरीजों के लिए अंडा खाना ठीक नहीं है, जबकि अभी तक इस बारे में एक भी भारतीय रिपोर्ट सामने नहीं आई कि रोज अंडे खाने से सेहत बनती है या आप स्वस्थ रहोगे। जबकि सबसे ज्यादा शुगर, बीपी आदि के मरीज भारत में ही हैं। इसलिए रोज अंडे खाना किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

ज्यादा प्रोटीन खतरनाक

हृदय रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक अंडे में 213 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है यानी आठ से नौ चम्मच मक्खन के बराबर, क्योंकि एक चम्मच मक्खन में 25 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल होता है। इसलिए सिर्फ शुगर, हाई बीपी और हार्ट पेशेंट्स को ही इन्हें दूर से सलाम नहीं करना चाहिए, बल्कि सामान्य सेहत वाले लोगों को भी अगर डॉक्टर प्रोटीन की जरूरत बताये, तभी खाना चाहिए।

विज्ञापनों में प्रचार गलत

प्रिवेंटिव हेल्थ कनसल्टेंट का कहना है कि रोज अंडे खाने की बात भ्रामक है। ऐसे विज्ञापनों से लगता है सेहत के लिए अंडा ही सब कुछ है बाकी चीजें नहीं। अंडे से बहुत ज्यादा फैट व चिकनाई मिलती है, जो कोलेस्ट्रॉल, दिल के दौरे, हाई बीपी और शुगर की तरफ धकेल सकता है। आजकल हर आदमी पूरी तरह स्वस्थ नहीं है, इसलिए डॉक्टर से पूछ कर ही अंडे लें।

ज्यादा कैलोरीज की जरूरत नहीं

अंडे में जितनी हाई कैलोरीज व कार्बोहाइड्रेट होती है, उतनी शरीर को जरूरत नहीं होती। अंडे को दवाई भी नहीं माना जा सकता। जितनी एनर्जी यह देता है, इससे तो शरीर को नुकसान ही होगा। अंडे से शरीर का अननेचरल विकास होने से शरीर अधिक बेडौल हो सकता है। किडनी व हार्ट के लिए तो नुकसानदायक है ही। अंडे से कार्य करने की क्षमता सिर्फ क्षणिक तौर पर बढ़ी हुई लगती है, पर स्ट मिना

एक अंडे में प्रोटीन

कैलोरीज - 78 एमजी
कोल- 78 एमजी
सोडियम - 62 एमजी
(इससे बीपी व हार्टबीट बढ़ सकती है)
फैट- 5.3 ग्राम
प्रोटीन- 6 ग्राम
फ्राइड किए जाने पर अंडे में कैलोरीज-100 और बढ़ जाती है।

नहीं बढ़ता। फार्मिंग से आए अंडे तो केमिकल की वजह से ज्यादा दूषित या जहरीले हो जाते हैं। गर्मियों में पाचन वीक होता है। ऐसे में सामान्य तौर पर ज्यादा कैलोरी व गरिष्ठ होने के कारण अंडे और ज्यादा नुकसानदायक हैं।

दालों में भरपूर प्रोटीन

विशेषज्ञ कहते हैं कि प्रोटीन के लिए तो सभी तरह की दालें, पनीर व दूध से बनी चीजें अंडे का विकल्प होती हैं। अंडों की जगह उनका इस्तेमाल करें। दूध या स्किम्ड मिल्क, मूंगफली, ड्राई फ्रूट में अखरोट, बादाम, काजू व हरी सब्जियां, दही, सलाद और फल भी ले सकते हैं। जीव-जंतुओं से प्राप्त भोजन से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है, जबकि पेड़-पौधों से मिलने वाले भोजन से नहीं बढ़ता।

कौन खा सकता है अंडे

डॉक्टरों का कहना है कि बिना जरूरत के अंडे खाना लकवे, नपुंसकता, पैरों में दर्द, कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना, मोटापे और हार्ट की आर्टरीज में ब्लॉकेज को न्यौतना है। नॉर्मल लोग भी खाएं तो हर छह महीने पर कोलेस्ट्रॉल की जांच कराते रहें। हां,

जिसको हाई प्रोटीन डाइट की जरूरत हो वे अंडा ले सकते हैं, पर वह भी तब, जब वे पहले से अंडा खाते आ रहे हों। कम वजन वालों, बीमारी के बाद बहुत कमजोर हो गए और टीबी के मरीजों को प्रोटीन की जरूरत होती है, उन्हें खाने के लिए बताया जा सकता है। आम स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी डॉक्टर की राय से ही एक अंडा रोज खा सकते हैं।

आम आदमी रोज अंडा नहीं खाएं

वैसे, आम आदमी को अंडा नहीं खाना चाहिए, क्योंकि एक प्रतिशत कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दो प्रतिशत हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है। शुगर या मधुमेह, हाई बीपी, हार्ट पेशेंट्स, मोटापे से पीड़ित और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों को डॉक्टर ही जांच के बाद बता सकता है कि उनके शरीर को अंडों की जरूरत है या नहीं।

अंडे में अमीनो एसिड अधिक

अंडे में सेलीनियम, बीटा केरोटीन और लेसिथिन जैसे अमीनो एसिड होते हैं, जो एंटी ऑक्सीडेंट का काम करते हैं। हार्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए अच्छे हैं, परन्तु एक तो अंडे से मिलने वाले कोलेस्ट्रॉल के मुकाबले में ये एसिड इतने कम होते है कि हार्ट को ज्यादा सुरक्षा दे नहीं पाते, दूसरे ये तभी काम कर पाते हैं, जबकि व्यक्ति में कोलेस्ट्रॉल और बाकी लेवल नॉर्मल हों।

बढ़ जाता है यूरिक एसिड

पालक, पनीर, मीट, मटर व दालों आदि प्रोटीन के सभी स्रोतों में यूरिक एसिड ज्यादा होता है। अगर डॉक्टर कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड लेवल सही घोषित करके बताये कि आपको प्रोटीन की जरूरत है, तभी अंडे लें वरना कोलेस्ट्रॉल और यूरिक एसिड के अंदर ही अंदर बढ़ने का पता भी नहीं चलेगा। ऐसा तो नहीं है कि एक व्यक्ति दिन में सिर्फ एक अंडा ही खाएगा। उसके भोजन में और चीजें भी शामिल होंगी, उनसे भी कैलोरीज व कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ेगा।

सफेद भाग खाना अच्छा

अंडे का सफेद भाग ही खाना ठीक है, क्योंकि उसमें प्रोटीन होता है। एक अंडे में 80 कैलोरीज होती हैं, 50 पीले हिस्से में और 30 सफेद में। 40 से ज्यादा उम्र के लोग अंडे का पीला हिस्सा या योक न खाएं, क्योंकि उसी में कैलोरीज, फैट व कोलेस्ट्रॉल ज्यादा होने के कारण सेहत की समस्याएं हो सकती हैं, जबकि सफेद हिस्से में प्रोटीन ही होता है।

ये आहार नहीं बढ़ने देंगे आपका वजन

संतुलित वजन यानी स्वनस्थ शरीर। इसलिए वजन कम रखने की चाहत हर किसी की होती है। कुछ लोग डायटिंग और एक्सइरसाइज की मदद से अपना वजन तो कम करते हैं, लेकिन कुछ दिन बाद उनका वही पुराना हाल हो जाता है। कम हुआ वजन दोबारा से न बढ़ें इसके लिए जरूरी है संतुलित आहार और सही जानकारी।

वजन घटाने वाले आहारआपको यह जानकारी होनी चाहिए कि किस प्रकार का आहार आपके कम हुए वजन को बरकरार रखने में मददगार साबित होगा। यदि आप भी वजन को कंट्रोल में रखना चाहते हैं तो सबसे पहले रेस्टोरेंट आदि के खाने से बचना चाहिए। इस लेख के जरिए हम आपको बता रहे हैं अपनी डायट में शामिल करने वाले ऐसे आहारों के बारे में जिनसे शरीर को प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा तो मिलेगी ही और आपका वजन भी नियंत्रित रहेगा।

अंडा

अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होती है। इसका सेवन आपको लंबे समय तक भोजन की जरूरत से दूर रखता है। अंडा खाने से ब्लड शुगर होने का खतरा भी कम रहता है। ब्लड शुगर वाले रोगियों को खाने की तीव्र इच्छा होती है। सामान्य से अधिक वजन वाली 30 महिलाओं पर किए गए अध्ययन से साफ हो चुका है नाश्ते में कोर्नफ्लैक्स खाने वाली महिलाओं के मुकाबले अंडा खाने वाली महिलाओं ने अगले 36 घंटे तक भोजन का कम मात्रा में सेवन किया। अंडे का सेवन आपको लंबे समय तक भूख से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी का सेवन वजन कम करने वाले तरल पदार्थ के रूप में किया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण ग्रीन टी वसा को तेजी के साथ कम करने में मदद करती हैं। यह बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को सही रखने के साथ ही एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम रखती है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल या बेड कोलेस्ट्रॉल की मौजूदगी से शरीर का वजन बढ़ता है।

सलाद

लंच के साथ सलाद खाने से कैलोरी की मात्रा नियंत्रित रहती है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सलाद के सेवन से आपको भूख कम लगती है। इसके अलावा इसमें विटामिन सी, विटामिन ई, फोलिक एसिड और लाइकोपीन होता है। इन सभी की मौजूदगी शरीर पर चर्बी जमने से रोकती है।

मसूर की दाल

मसूर की दाल के सेवन से भी व्यक्ति मोटापे से बचा रहता है। इसे खाने से शरीर में इन्सुलिन की पर्याप्त मात्रा बनी रहती है। बाजार में मसूर की दाल कई तरह की आती है, लेकिन लाल और पीली दाल 15 से 20 मिनट में तैयार हो जाती है। इसे यदि पास्ता सॉस के साथ पकाया जाएं तो यह हार्ट के लिए भी फायदेमंद होती है।

अनार

अनार का जूस आपको हर तरह से स्वस्थ बनाता है। इसमें कम कैलोरी और फाइबर की अधिक मात्रा होती है। इसके सेवन से शरीर में एनर्जी आती है और भूख का कम अहसास होता है।

सेब

वजन को नियंत्रित करने के लिए सेब का सेवन बहुत ही फायदेमंद है। यदि आप नियमित तौर पर एक सेब खाने की आदत बना लेते हैं तो यह आपके वजन को तो कंट्रोल करेगा ही, साथ ही आपको फिट भी रखेगा।

सूप

एक कप चिकन सूप पीने से चिकन पीस खाने के बराबर एनर्जी मिलती है। चिकन सूप पीने से भूख का अहसास कम होता है और शरीर में एनर्जी बनी रहती है। इसी कारण इसे पीने के बाद व्यक्ति खाने की तरफ कम भागता है।

बीन्स

बीन्स का सेवन वजन कम रखने में बहुत मददगार है। बीन्स में फाइबर पाया जाता है। शरीर में फाइबर की मात्रा बने रहने पर भूख का अहसास कम होता है। फाइबर ज्यादा मात्रा में होने पर कोलेस्ट्रॉल की मात्रा भी कम रहती है।

फ्रेंचबीन से फटाफट सेहत

सूखी व हरी दोनों ही प्रकार की बीन्स भोजन का एक आवश्यक व पौष्टिक हिस्सा हैं। बीन्स बीमारी को ठीक करने के बहुत काम आती है। बीन्स की हरी पौध सब्जी के रूप में खाई जाती है तथा सुखाकर इसे राजमा, लोबिया इत्यादि के रूप में खाया जाता है। अमेरिका तथा अफ्रीका के कुछ भाग में तो बीन्स को प्रोटीन का मुख्य स्रोत माना जाता है। हरी बीन्स या सामान्य भाषा में फ्रेंच बीन्स में मुख्यतः पानी, प्रोटीन, कुछ मात्रा में वसा तथा कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थायमीन, राइबोफ्लेविन, नियासीन, विटामिन-सी आदि तरह के मिनरल और विटामिन मौजूद होते हैं।

कोशिकाओं के लिए फायदेमंद

राइबोफ्लेविन को विटामिन बी-2 के नाम से यादा जाना जाता है, विटामिन बी-2 शरीर की कोशिकीय प्रक्रियाओं के लिए बहुत ही आवश्यक घटक है। बीन्स विटामिन बी-2 का मुख्य स्रोत होते हैं। प्रति सौ ग्राम फ्रेंच बीन्स से तकरीबन 26 कैलोरी मिलती है। राजमा में यही सब ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इसलिए प्रति सौ ग्राम राजमा से 347 कैलोरी मिलती है। बीन्स सोल्युबल फाइबर का अच्छा स्रोत होते हैं और इस कारण हृदय रोगियों के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं।

ऐसा माना जाता है कि एक कप पका हुआ बीन्स रोज खाने से रक्त में

कोलेस्टेरोल की मात्रा 6 हफ्ते में 10 प्रतिशत कम हो सकती है और इससे हृदयाघात का खतरा भी 40 प्रतिशत तक कम हो सकता है। बीन्स में सोडियम की मात्रा कम तथा पोटेशियम, कैल्सियम व मेग्नीशियम की मात्रा अधिक होती है और लवणों का इस प्रकार का समन्वय सेहत के लिए लाभदायक है। इससे रक्तचाप नहीं बढ़ता तथा हृदयाघात का खतरा टल सकता है।

शकर का स्तर नहीं बढ़ता

बीन्स का ग्लाइसेमिक इन्डेक्स कम होता है इसका अभिप्राय यह है कि जिस तरह से अन्य भोज्य पदार्थों से रक्त में शकर का स्तर बढ़ जाता है, बीन्स खाने के बाद ऐसा नहीं होता। बीन्स में मौजूद फाइबर रक्त में शकर का स्तर बनाए रखने में मदद करते हैं। और बीन्स की इस खासियत की वजह से मधुमेह के रोगियों को बीन्स खाने की सलाह देते हैं।

किडनी में लाभकारी

किडनी में पथरी के लिए 60 ग्राम बीन्स की पौध लेकर इसे चार लीटर पानी में चार घंटे तक उबाल लें। फिर इसके पानी को कपड़े से छान लें और छने हुए पानी को करीब आठ घंटे तक ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे फिर से छान लें। दिन में दो-दो घंटे से पीयें। लाभ होगा।

बीन्स एक ऐसी सब्ज़ी है जो कि अमेरिकन, मेक्सिकन, चाईनीज़, जापानी, उत्तरी व दक्षिणी भारतीय, यूरोपियन आदि तरह के भोजन में सामान्यतः मिलती है। आप सलाद लें या स्टारटर्स, सूप से लेकर बर्गर टिक्की तक हर जगह बीन्स (फलियां) किसी न किसी रूप में आपको नजर आ जाएंगी।

मौसम करे बीमार रसोई करे उपचार

बीते दिनों मौसम में काफी बदलाव देखने को मिला। आंधी, बारिश और हल्की ठंडक ने हमारी दिनचर्या के साथ सेहत को भी खराब किया। किसी का गला बैठ गया तो किसी को जी मिचलाने की शिकायत होने लगी। क्या आप जानते हैं कि ऐसी छोटी-मोटी मौसमी शिकायतों के समाधान आपकी रसोई में मौजूद हैं। जब भी मौसम बदलने के कारण आपका पाचन तंत्र गड़बड़ाए, आपको जी मिचलाने या उल्टी की शिकायत महसूस हो तो आप दालचीनी और अदरक का सेवन करके राहत पा सकते हैं। अदरक जी मिचलाने की सबसे कारगर दवा मानी जाती है। जबकि दालचीनी उल्टी रोकने के लिए बेहतरीन घरेलू दवा है। अगर आप इन्हें सीधे-सीधे न खा सकें तो एक कप गर्म पानी में उबाल कर इनका सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा सौंफ भी आपको इन बीमारियों से निजात दिला सकती है।

सौंफ से फायदा

एक चम्मच सौंफ को एक कप पानी में उबालें और सुखा कर खाएं। ये गले के लिए भी बेहतर है। अगर गले या सीने में कंजेशन जैसा महसूस हो तो भी सौंफ आराम दिला सकती है। सौंफ के साथ अजवाइन भी आराम पहुंचाती है।

अजवाइन

गर्म अजवाइन को सीने पर लगाने से भी कंजेशन खत्म होता है। मूली में नमक और चीनी मिला कर खाने से भी इस बीमारी में आराम मिलता है।

नमक

अगर जुकाम की वजह से नाक बंद हो गई हो तो गुनगुने पानी में नमक मिला कर इसकी कुछ बूंदें नाक में डालें। नाक की सफाई के लिए ये बढ़िया उपाय है।

शहद

अगर पेट में भारीपन की शिकायत हो तो एक चम्मच शहद में एक चम्मच नींबू का रस मिला कर पीने से आराम मिलेगा। अगर पेट खराब होने का अंदेशा हो तो दूध में हल्दी मिला कर पीने से आराम मिल सकता है। अगर सोते समय ठंड लगने की शिकायत महसूस हो तो लौंग, नींबू का रस गर्म पानी में मिला कर पिएं और सो जाएं। ठंड महसूस नहीं होगी।

जानकारी

बुजुर्गों में ज्यादा होनी चाहिए विटामिन 'K' की मात्रा

जब आप विटामिन के बारे में सोचते हैं तो आप आपको पता होना चाहिए की आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन कितने जरूरी होते हैं। वैसे तो विटामिन सभी उम्र के लोगों के लिए जरूरी होते हैं क्योंकि वो हमारे शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखने का काम करते है।
विटिमिन K उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी हो जाते हैं जो वृद्ध उम्र में होते हैं। बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी में विटामिन K लैब के डायरेक्टर सरह बूथ के मुताबिक, जो लोग वृद्ध उम्र में होते हैं उनमें काफी कम मात्रा में विटामिन पाया जाता है। जो कि उनको स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी है। उस उम्र के लोगों को विटामिन च की पूर्ति करनी चाहिए जिससे की उनका शरीर स्वस्थ रहे।
एक अध्ययन के मुताबिक, जिसमें सरह और उनके साथी मौजूद थे उसमें जो वृद्ध लोगों में कम ब्लड लेवल था उनमें विटामिन की कमी थी जिसके कारण वह फिजिकल एक्टिविटी में भी एक्टिव नहीं थे। जबकि जिनका ब्लड लेवल ज्यादा था उनमें ऐसा नहीं था।
2015 के एक अध्ययन में 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग जो ज्यादा विटामिन K की पूर्ति करते थे उनकी सेहत काफी अच्छी थी। लेकिन जिन लोगों में विटामिन K की कमी थी वो उतने स्वस्थ नहीं थे जो कि जर्नल न्यूट्रीएंट्स में प्रकाशित हुई थी।

विटामिन 'के' क्यों है जरूरी

विटामिन K हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन 'के' की कमी है, तो चोट लगने या कटने पर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है। क्योंकि विटामिन 'के' ब्लड क्लॉटिंग में मदद करता है। अगर इस विटामिन की शरीर में ज्यादा कमी हो जाए, तो कई बार आपके शरीर के अंगों में अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है, जो बहुत खतरनाक है। शरीर की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को पहुँचाने में सहायक होता है। जो रक्त के स्त्राव के समय रक्त को थक्का बनाकर रोकने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन के शरीर में रक्त के संचार को नियंत्रित रखता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। गर्भवती महिलाओं में विटामिन 'के' भ्रूण के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा भी ये शरीर की कई समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन 'के' आपको किन आहारों से मिलता है। आइए हम आपको बताते हैं ऐसी 5 सब्जियां, जिनसे आपको मिलता है भरपूर विटामिन 'के'।
विटामिन 'के' का मुख्य स्त्रोत हरी सब्जियां होती है, जैसे – सरसों का साग,बन्दागोभी, मूली, चुकंदर की पत्तियों में, पालक, गेहूं और फल।

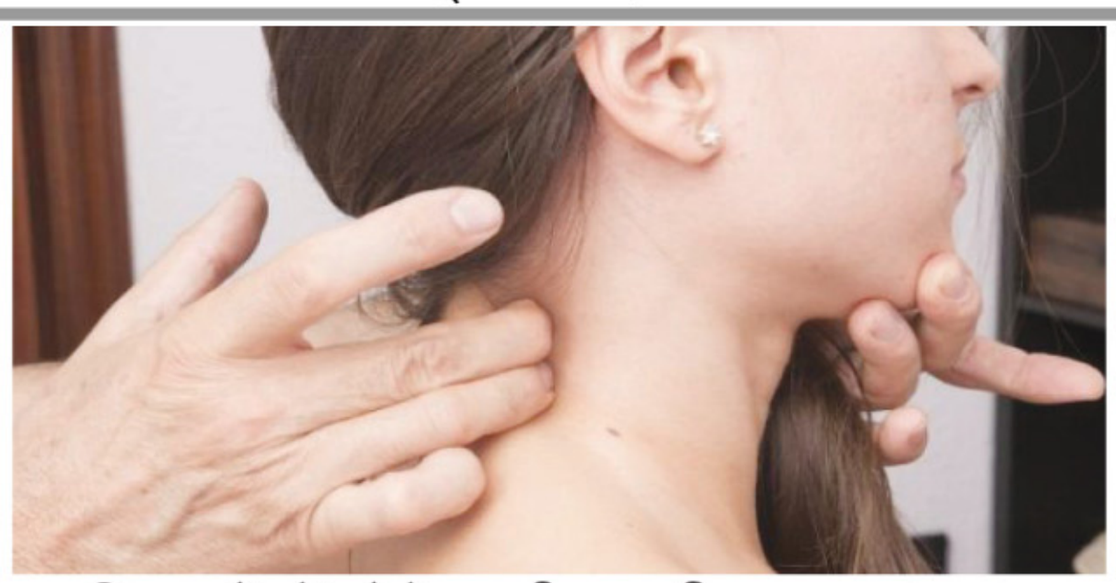

महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचजीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरुकता का अभाव।

भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, स्त्री रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर व्हाइट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वेजाइना से बदबूदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो चिंता का विषय है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन थैली तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बरतें ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोड़ी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेफ्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए वेक्सीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सीन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

स्त्रीरोग संबंधी आम बीमारियां दवा लेने से भी दूर नहीं हो रही है तो सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी हो जाती है। यह जांच है पैप स्मीयर टेस्ट। नेशनल इंस्टिट्यूट बायो-टेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कैंसर का पता लगाने के लिए पैप स्मीयर टेस्ट या पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। महज 10 से 20 मिनट में होने वाले इस टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य, अस्पष्ट या असामान्य आ सकती है।

सामान्य: यदि पैप टेस्ट का परिणाम सामान्य आता है तो रिपोर्ट को 'निगेटिव' बताया जाता है। इसका मतलब है कि टेस्ट में कैंसर के कोई लक्षण नही है।

अस्पष्ट: टेस्ट रिजल्ट अस्पष्ट भी आ सकते हैं। रिजल्ट अस्पष्ट आने का मतलब है कि आपकी ग्रीवा कोशिकाएं ऐसी दिखती हैं जैसे वे असामान्य हो सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह एचपीवी से संबंधित है या नहीं। यह गर्भावस्था, रजोनिवृति या संक्रमण जैसे बदलावों से संबंधित हो सकता है। एचपीवी टेस्ट यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि क्या आपके सेल में परिवर्तन एचपीवी से संबंधित हैं।

असामान्य: यदि पैप टेस्ट असामान्य है तो 'पॉजिटिव रिजल्ट' कहा जाता है। रिजल्ट पॉजिटिव आने का यह मतलब नही है कि आपको कैंसर ही है। इसका मतलब यह है कि गर्भ में कुछ असामान्य कोशिकाएं है जो आगे चलकर कैंसर के रूप में विकसित हो सकती है। गर्भाशय ग्रीवा पर असामान्य परिवर्तन एचपीवी द्वारा हो सकता है। परिवर्तन मामूली (कम-ग्रेड) या गंभीर (उच्च-ग्रेड) हो सकते हैं। लेकिन यदि उन कोशिकाओं को हटाया नहीं जाता है तो ये गंभीर बदलाव कैंसर में बदल सकती हैं।

पैप टेस्ट की रिपोर्ट के बाद कुछ मामलों मे डॉक्टर अन्य जांचें भी करवाते हैं। कोल्पोस्कोपी के जरिए योनिमार्ग और बच्चेदानी के मुख में होने वाले परिवर्तन या बदलाव की जांच एक यंत्र द्वारा की जाती है। बायोप्सी में बच्चेदानी के मुख से छोटा-सा टुकड़ा लिया जाता है और लैब में कैंसर के परिवर्तन देखे जाते है। यह प्रक्रिया बाह्य रोगी विभाग में ही सम्पन्न की जाती है।

सेहत

कैंसर, कब्ज, गठिया में फायदा देते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों एक पौधा है, जिसके फूल पीले रंग के होते हैं। सरसों के पौधे की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियां हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। काली सरसों के बीज को भोजन में एक सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों को आमतौर पर सब्जी या दाल में तड़का देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में काले सरसो का इस्तेमाल बहुतायत किया जाता है। सरसों के बीज से तेल बाकी कुकिंग ऑयल से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें अच्छे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो छोटी-छोटी परेशानियों से आपको दूर रखते हैं।

खाद्य पदार्थों में भी, काली सरसों के बीज का उपयोग मसाले के रूप में और सरसों के मसाला स्वाद के लिए किया जाता है। सरसों का मसाला बनाने के लिए आमतौर पर तीन अलग-अलग प्रकारों का उपयोग किया जाता है। काली सरसों (ब्रैसिका निग्रा) सबसे तीखी होती है। सफेद सरसों (ब्रैसिका अल्बा) सबसे सौम्य है और पारंपरिक अमेरिकी पीली सरसों बनाने के लिए उपयोग की जाती है। ब्राउन सरसों (ब्रैसिका जंकिया) गहरे पीले रंग की होती है, इसमें तीखा स्वाद होता है, और इसे डिजोन सरसों बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

बीमारियों को दूर भगाते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों का तेल आम सर्दी, जोड़ों और मांसपेशियों (गठिया) के दर्द, और गठिया के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा काली सरसों के बीज का उपयोग उल्टी पैदा करने, मूत्र उत्पादन में वृद्धि और भूख बढ़ाने के लिए पानी की अवधारण (एडिमा) से राहत के लिए किया जाता है।

कुछ लोग पिसी हुई काली सरसों को गर्म पानी में मिलाकर पेस्ट बनाते हैं। वे पेस्ट को कपड़े में पैक करते हैं और कपड़े को सीधे त्वचा पर सरसों के प्लास्टर के रूप में लगाते हैं। इस तैयारी का उपयोग फेफड़े (फुफ्फुसीय), गठिया, पीठ के निचले हिस्से के दर्द के निमोनिया, दर्द और सूजन के इलाज के लिए किया जाता है।

काली सरसों के बीज के लाभ

कैंसर में है लाभकारी: सरसों के बीज ग्लूकोसाइनोलेट्स और मायरोसिनस जैसे यौगिकों से भरे होते हैं, जो शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं। जर्नल ह्यूमन एंड एक्सपेरिमेंटल टॉक्सिकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, छोटे बीजों में कीमोप्रेटिव क्षमता हो सकती है और कार्सिनोजेन्स के प्रभाव से बचाव हो सकता है।

पाचन को सुदृढ़ करता है: सरसों के बीज आपके पाचन तंत्र के लिए भी उत्कृष्ट हैं। अगर आप अपच की समस्या से पीड़ति हैं तो सरसों के बीज इससे छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। बीज फाइबर से भरे होते हैं, जो आसान मल त्याग में मदद करता है और शरीर की पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

हृदय रोगों से बचाता है: सरसों का तेल आमतौर पर हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है और यह हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। यह आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करता है और रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं: सरसों के बीज आपकी हड्डियों के लिए भी अच्छे होते हैं क्योंकि वे सेलेनियम नामक खनिज से भरे होते हैं, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। ये आपके नाखूनों, बालों और दांतों को मजबूत बनाने में भी मदद करते हैं। सरसों के बीज में एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों, हड्डियों और दांतों में दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्या का है समाधान: हर मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है और सरसों के बीज आपकी इस में मदद कर सकते हैं। बीज आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, सभी अशुद्धियों को दूर करते हैं और आपकी त्वचा को मुंहासों से बचाते हैं। बीज एंटी इंफलामेट्री गुणों के साथ पैक किए जाते हैं जो शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। आप सरसों के तेल को त्वचा पर मालिश कर इसके फायदे ले सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 5006

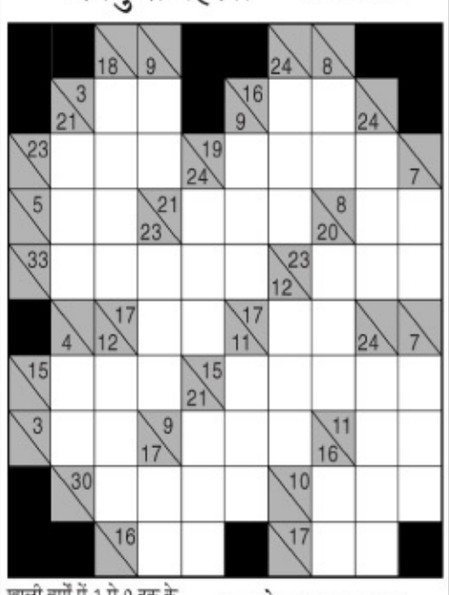

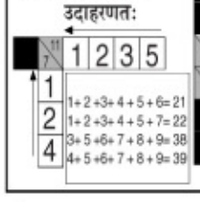

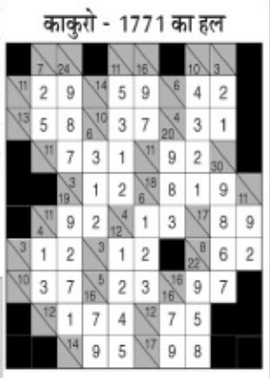

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1771 का हल

लॉफिंग ज़ोन

कई युवतियों को तंग कर चुका एक युवा अपने कॉलेज के लाइब्रेरियन के पास पहुँचा और बोला- क्या आप मुझे आत्महत्या पर कोई किताब दे सकते हैं। मैं शीघ्र ही आपको वापस कर दूँगा।
लाइब्रेरियन- नहीं दे सकता, आप लौटाएँगे नहीं।

एक व्यापारी को दूसरे व्यापारी से पैसे लेने थे, लेकिन पहले व्यापारी के बार-बार माँगने के बावजूद उसे पैसे नहीं मिल रहे थे। हार कर उसने दूसरे व्यापारी को एक पत्र भेजा। साथ में अपनी बेटी का फोटो भी भेजा।
पत्र में लिखा था- मुझे इस बच्ची की खातिर पैसे चाहिए।

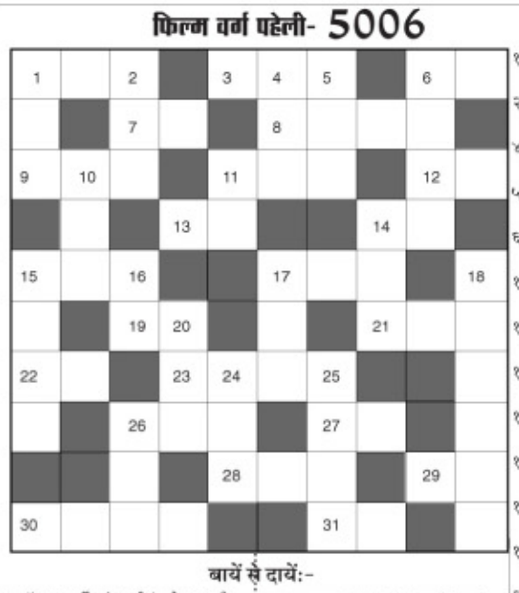

एक खूबसूरत युवती डॉक्टर के पास गई और बोली- डॉक्टर साहब! मेरी स्कीन बहुत ही सेनसेटिव है। मेरी स्कीन हमेशा गोरी-गोरी रहे इसके लिए मुझे क्या करना चाहिए?
डॉक्टर साहब- अपने दरवाजे की कुंडी हमेशा लगाकर रखनी चाहिए।

फिल्म वर्ग पहेली- 5006

बायें से दायें:-
१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अश्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-
१.'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अश्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 5005

सूडोकु 5006

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6							
		5	2	7	1		8	
6					4		7	
		8	9	6		4		2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु 5005 हल

शब्द पहेली - 5006

बाएँ से दाएँ
1.बलवान,ताकतवर-4
3.गाल,कपोल(उर्दू)-4
6.अनाज, धान-2
7.अवनति-3
8.जीवन तत्व-2
10.पुलिसकर्मी-4
11.भीगा हुआ-2
13.घमंडी,अभिमानी-4
15.दर्शन-3
17.अजदहा,शयालु-4
20.वायु रोग-2
21.दोस्त,सखा-3
23.ख्वाब,स्वप्न-3
25.अपशिष्ट पदार्थ-2
26.जंगल की आग-4
29.पुत्र,लड़का-3
31.पैगंबर,महापुरुष-4
32.राय,वोट-2
34.आफिस,दफ्तर-4
35.बीज,वीर्य-2
37.घर,भवन-3
39.सप्तम-2
40.आक्रमण,हमला-4
41.बलवान,सबल-4

ऊपर से नीचे
1.एक छोटी डबलरोटी-2
2.धर्मेंद्र,जीनत की एक फिल्म जो हीरे की चोरी पर बनी थी-4
3.मौसम,ऋतु-2
4.खोदना-3
5.छुट्टी,अवकाश-2
6.उदास,दुखी-4
7.पंख,पराया-2
9.जहीनता-4
10.आवश्यकता-4
12.अभिमान,गरुर-2
14.अग्नि,अनल-2
16.विदा होना-3
18.कुशल-3
19.फलों का रस-2
21.संगम,मिलना-3
22.वायदा-2
24.हार,मात-4
25.स्वार्थी-4
27.दीवार (अंग्रेजी-2)
28.आदत-4
30.यमराज-2
31.उथल-पुथल-4
33.पदक-3
34.श्रवणेंद्रिय-2
36.जीत,विजय-2
38.छोटी सवारी गाड़ी-2
39.पत्नी की बहन-2

शब्द पहेली - 5005 हल

जोशीमठ के पास पहाड़ी से बोल्डर आने से बदरीनाथ हाईवे अवरूद्ध

एजेंसी

गोपेश्वर। जोशीमठ से डेढ़ किलोमीटर पहले पहाड़ी से भारी बोल्डर आने से बदरीनाथ हाईवे वे पर अवरूद्ध हो गया है। मार्ग बंद होने से हाईवे के दोनों ओर यात्रियों और स्थानीय लोगों के वाहन फंस गए हैं। सूचना मिलते ही सरकारी अमले ने पहाड़ी से आये बोल्डरों हटाये जाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। अधाकिारियों की मानें तो शीघ्र ही हाईवे को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। जिला सूचना अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जोशीमठ के पास पहाड़ी से भारी बोल्डर आने से बदरीनाथ हाईवे बाधित हो गया है। जिसे खोलने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

पहली बार कैबिनेट मंत्री दीपिका पांडे ने कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग का पद संभाला

रांची। झारखंड सरकार में पहली बार कैबिनेट मंत्री बनी नव नियुक्त कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग मंत्री दीपिका पांडे ने राजधानी स्थित नेपाल हाउस स्थित कृषि एवं पशुपालन विभाग के अपने कक्ष में प्रभार ग्रहण किया। प्रभार ग्रहण करने के बाद कृषि मंत्री ने कहाकि झारखंड में कृषि और पशुपालन के लिहाज से बड़ी संभावनाएं हैं समय कम है। लेकिन, उन संभावनाओं को ढंग से निभाने की कोशिश होगी। राज्य के किसानों के उपज को बढ़ाना और उनकी आमदनी को दुगना करना उनकी प्राथमिकता सूची में है। उन्होंने कहा कि मल्टीपल क्रॉपिंग की तरफ कैसे आगे बढ़े इसके लिए कृषि विभाग तैयारी कर रहा है इसके अलावा जो किसान सुखाड़ और फसलों के नुकसान से प्रभावित हुए हैं उन्हें समय पर मुआवजा मिले उस दिशा में भी सरकार काम करेगी।

श्रावणी मेला की तैयारी का जायजा लेने पहुंचे पीएचडी मंत्री नीरज कुमार बबलू

मुंगेर। जैसे जैसे श्रावणी मेला की शुरुआत की तिथि नजदीक आ रही है। वैसे वैसे व्यवस्था को पूर्ण करने को लेकर अधिकारी सहित विभागों के मंत्रियों का दौरा मुंगेर कच्ची कांवड़िया पथ पर निरीक्षण करने लगातार पहुंच रह है। इसी क्रम में पीएचडी विभाग के मंत्री सह छापापुर विधायक नीरज कुमार बबलू मुंगेर के कच्ची कांवड़िया पथ पहुंचे। जहां पीएचडी विभाग सहित कच्ची कांवड़िया पथ पर।चल रहे अन्य कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कई तरह के निर्देश भी दिए। साथ ही मीडिया को कहा कि पीएचडी के द्वारा कांवड़िया पथ पर नल जल और शौचालय की व्यवस्था की जाती है। इसके अलावा अन्य विभाग भी पूरी शिद्दत से इस पथ पर अपने-अपने क्षेत्राधिकार वाले कार्यों को कर रहे हैं। साथ ही बताया कि इस बार विभाग की तैयारी कांवड़िया पथ पर दो माह की है। क्योंकि सावन माह के अलावा भादो में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबाधाम जाते हैं।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी बुधवार को विधानसभा में पेश करेंगी बजट

जयपुर। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भजनलाल सरकार का पहला पूर्ण बजट बुधवार को प्रातः 11.00 बजे राज्य की विधानसभा में पेश करेगी । उप मुख्यमंत्री (वित्त) दिया कुमारी द्वारा बजट टीम- अतिरिक्त मुख्य शासन सचिव (वित्त) अखिल अरोरा, शासन सचिव वित्त (बजट) देबाशीष पृष्टी, शासन सचिव वित्त (राजस्व) कृष्ण कान्त पाठक, शासन सचिव वित्त (व्यय) नरेश ठकराल एवं निदेशक वित्त (बजट)बृजेश किशोर शर्मा के साथ राज्य के वर्ष 2024-25 के परिवर्तित बजट को अंतिम रूप दिया ।

पुणे में जीका वायरस से संक्रमित दो और मरीज मिले

एजेंसी

मुंबई। पुणे जिले के खराड़ी और कर्वे नगर इलाके में जीका वायरस से संक्रमित दो और मरीज मिलने से सनसनी फैल गई है। इससे पुणे में जीका संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। पुणे नगर निगम टीम इन इलाकों में रोग प्रतिबंधात्मक निवारक काम कर रही है। पुणे नगर निगम की टीम ने कर्वेनगर की 42 वर्षीय महिला और खराड़ी इलाके के 22 वर्षीय युवक के रक्त के नमूने रविवार को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी), पुणे भेजे थे। आज एनआईवी की एक रिपोर्ट में उनके नमूनों में जीका वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। जीका वायरस से पीड़ित पाई गई महिला एक निजी अस्पताल के बीमा विभाग में काम करती है। उन्हें एक सप्ताह से अधिक समय तक वायरल बुखार की शिकायत थी और फिर शरीर पर चकत्ते दिखने लगे थे। उनके रक्त के नमूने परीक्षण के लिए एनआईवी को भेजे थे, जिनमें जीका वायरस पाए गए हैं। पुणे नगर निगम की स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कल्पना बालिवंत ने

कहा कि 42 वर्षीय महिला की हालत स्थिर है । दूसरा मरीज खराड़ी का 22 वर्षीय पुरुष है, जो पीएमसी संचालित कोड्रे अस्पताल, मुंडवा में इलाज के लिए आया था। उन्हें कुछ दिनों से बुखार और शरीर पर चकत्ते की शिकायत थी। उनके नमूने एनआईवी को भेजे गए, जहां वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई है। पीएमसी के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश दिघे ने कहा, यह व्यक्ति यरवदा-अहमदनगर रोड वार्ड कार्यालय के अंतर्गत खराडी में रहता है। संबंधित वार्ड अधिकारियों को उनके आवास और उसके आसपास निवारक उपाय करने के लिए सतर्क कर दिया गया है। जीका वायरस संक्रमित एडीज मच्छर के काटने से फैलता है, जो डेंगू और चिकनगुनिया जैसे संक्रमण फैलाने के लिए जाना जाता है। जीका से संक्रमित मरीजों में शरीर में दर्द और जोड़ों में दर्द और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखते हैं। पुणे में इस समय जीका संक्रमित 11 मरीजों का इलाज जारी है।

कर्नाटक डिप्टी सीएम ने माना, आदिवासी कल्याण बोर्ड में घोटाला हुआ

बेंगलुरु । कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने माना कि आदिवासी कल्याण बोर्ड में धन का दुरुपयोग किया गया और फंड की हेराफेरी हुई।

शिवकुमार ने बेंगलुरु में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा, 'यह सच है कि आदिवासी कल्याण बोर्ड में अधिकारियों ने धन का दुरुपयोग किया और फंड की हेराफेरी की। हमने इस संबंध में अपने मंत्रियों से बात की है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वे इस तरह के किसी भी घोटाले में शामिल नहीं हैं। हमारे एक मंत्री ने स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया। मंत्री होने के नाते जांच का सामना करना ठीक नहीं है। मुझे पता चला है कि उन्हें अधिकारियों के सामने पेश होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करूंगा, उन्हें जांच करने दीजिए।' शिवकुमार ने दावा किया, 'हमारे मंत्रियों और विधायकों की इसमें कोई संलिप्तता नहीं है। कुछ दूसरे लोग इसमें शामिल हैं। हम स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच के पक्ष में हैं। इस बीच, बोर्ड

के प्रबंध निदेशक और सातवें आरोपी पद्मनाभ और आठवें आरोपी परशुराम का कथित तौर पर एक ऑडियो क्लिप सामने आया है। ऑडियो क्लिप में परशुराम को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्हें इस मामले को बोर्ड के अध्यक्ष, कांग्रेस विधायक बसवराज दद्दाल के संज्ञान में लाना चाहिए। पद्मनाभ ने जवाब दिया कि अगर अभी बताया गया तो बवाल मच जाएगा और उन्होंने उन्हें कुछ दिन और चुप रहने के लिए कहा। पद्मनाभ ने यह भी कहा कि वह मंत्री और उनके निजी सहायक के दबाव में थे और इसलिए ऐसा किया गया। भाजपा इस घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की सीधी संलिप्तता का आरोप लगा रही है। भाजपा ने कहा है कि आदिवासी कल्याण बोर्ड के 187 करोड़ रुपये के फंड का इस्तेमाल तेलंगाना और अन्य राज्यों में चुनावों के लिए किया गया। यह घोटाला वरिष्ठ अधिकारी चंद्रशेखरन की आत्महत्या के बाद सामने आया था।

रायबरेली की जनता राहुल से पूछी 'आप किस धर्म के हो स्पष्ट करो'

एजेंसी

रायबरेली। लोकसभा में विपक्ष के नेता व रायबरेली से सांसद राहुल गांधी एक दिवसीय दौरे पर रायबरेली पहुंचे। उनके आगमन पर शहर में विभिन्न जगहों पर 'राहुल गांधी जवाब दो' के पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर में राहुल गांधी द्वारा संसद में हिंदुओं पर दिए गए बयान का उल्लेख किया गया है और उनके धर्म पर भी सवाल खड़े किए गए हैं।

रायबरेली में शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिविल लाइन चौराहा सहित अन्य चौराहा के पास जिस रास्ते से राहुल गांधी अपने सांसद आवास भुएमऊ गेस्ट हाउस पहुंचें। उन रास्तों पर ही यह पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर में लिखा है 'राहुल गांधी जवाब दो' आपको अपना अमूल्य मत देने वाला रायबरेली का हिंदू मतदाता क्या हिंसक है? आप किस धर्म के हो स्पष्ट करो। आप हिंदू धर्म को मानते हो या नहीं, रायबरेली का हिंदू मतदाता आपको भविष्य में वोट क्या गाली खाने के

लिए देगा। इन विवादित शब्दों के साथ संसद भवन में राहुल गांधी की बोलते हुए तस्वीर भी लगाई गई है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि यह ओछी मानसिकता वाले लोगों की करतूत है।

शपथ के बावजूद, बंगाल विधानसभा में दो नए विधायकों की भागीदारी पर संशय

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा पिछले सप्ताह तृणमूल कांग्रेस के दो नव-निर्वाचित विधायकों को शपथ दिला देने के बावजूद उनके सदन की कार्यवाही में भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। बराहनगर से जीत दर्ज करने वाली सायंतिका बनर्जी और भगवानगोला से विजयी उम्मीदवार रेयात हुसैन सरकार ने विधायक पद की शपथ तो ले ली है लेकिन राज्यपाल ने इसे संविधान के खिलाफ बताया है। कारण, उन्होंने विधानसभा के उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी को शपथ ग्रहण के लिए मनोनीत किया था जबकि उनकी जगह पर अध्यक्ष विमान बनर्जी ने उन्हें शपथ दिला दी है। इसके खिलाफ राज्यपाल ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर कहा है कि यह संविधान के विपरीत किया गया काम है।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि राज्यपाल की मंजूरी के बिना विधानसभा में उनकी भागीदारी या बैठने को लेकर संविधान में एक प्रावधान है, जो एक आर्थिक दंड से जुड़ा हुआ है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 193 के अनुसार, राज्यपाल को प्रतिदिन 500 रुपये के आर्थिक दंड लगाने का अधिकार है। हाई कोर्ट के वकील सुनील राय ने कहा कि अनुच्छेद 193 के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अनुच्छेद 188 की आवश्यकताओं का पालन करने से पहले या यह जानते हुए कि वह अयोग्य है या संसद या राज्य विधानसभा के किसी कानून द्वारा ऐसा करने से निषिद्ध है, विधान सभा या विधान परिषद का सदस्य के रूप में बैठता या मतदान करता है, तो उस प्रत्येक दिन के लिए उस पर पांच सौ रुपये का दंड लगाया जाएगा, जिसे राज्य के प्रति देय ऋण के रूप में वसूला जाएगा। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, विधानसभा अध्यक्ष विमान बनर्जी ने %नियमावली% के अध्याय दो की धारा पांच के प्रावधानों के तहत सदन के एक दिवसीय विशेष सत्र में नए विधायकों को शपथ दिलाई थी। हालांकि, यह संदेहास्पद है कि वह आने वाले दिनों में दोनों विधायकों को सदन की कार्यवाही में भाग लेने की अनुमति किस हद तक दे पाएंगे।

तमिलनाडु में दलितों पर बढ़ा अत्याचार, राहुल और खरगे वहां क्यों नहीं जाते : एल मुरुगन

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने डीएमके सरकार के कार्यकाल में दलितों पर अत्याचार बढ़ने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के रवैये को लेकर भी सवाल उठाया है। केंद्रीय मंत्री ने बसपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या और तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले की सीबीआई जांच की मांग भी की।

मुरुगन ने तमिलनाडु भाजपा के नेताओं के साथ राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए बताया कि तमिलनाडु भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से मुलाकात कर इन मामलों में अपना ज्ञापन सौंपेगा। राज्य में दलितों के खिलाफ

बढ़ रहे अपराध की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बसपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या कर दी गई। इससे पहले तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में अवैध शराब के कारण 70 लोगों की मौत हुई, जिसमें 35 से ज्यादा दलित थे। राज्य में लगातार दलितों की हत्या हो रही है, दलित लड़कियों एवं महिलाओं के साथ बलात्कार हो रहा है, उनका शोषण हो रहा है और डीएमके सरकार में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं। मुरुगन ने कहा कि डीएमके को अब अपने आपको सामाजिक न्याय का चैंपियन कहने का अधिकार नहीं है क्योंकि उनके राज में दलितों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ रही हैं, दलित नेता तक सुरक्षित नहीं हैं। राज्य में कानून व्यवस्था के मामले में डीएमके सरकार पूरी तरह से विफल साबित हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हाथरस और अन्य जगह जाते हैं लेकिन वे तमिलनाडु क्यों नहीं गए ? मल्लिकार्जुन खरगे तमिलनाडु क्यों नहीं जाते ? क्या वे तमिलनाडु को भूल गए ? एल. मुरुगन ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी को तमिलनाडु का रास्ता मालूम नहीं है तो भाजपा उनकी मदद करेगी। भाजपा उन्हें तमिलनाडु जाने के लिए हवाई टिकट तक देने को तैयार है।

शिमला में लोगों की परेशानी बढ़ा रही बारिश, लोकल बस स्टैंड के पास भूस्खलन से आवाजाही प्रभावित

एजेंसी

शिमला। बीते साल की तरह इस साल भी मानसून की बारिश आम लोगों की परेशानी बढ़ती हुई नजर आ रही है। शिमला के लोकल बस स्टैंड में सिंह सभा गुरुद्वारा के नजदीक भूस्खलन हुआ है। यहां एक नई पार्किंग बनाने का काम चल रहा था। इसी के चलते यहां भूस्खलन हुआ। भूस्खलन की वजह से आधी सड़क मलबे में तबदील हो चुकी है। ऐसे में यहां ट्रैफिक व्यवस्था भी बाधित हुई है। फिलहाल सिर्फ एक तरफ के ट्रैफिक का ही संचालन हो पा रहा है। शिमला शहर के बीचोंबीच सिंह सभा गुरुद्वारा के नजदीक बने इसी लोकल बस स्टैंड से ही ढली, संजौली, पंथाघाटी, मैहली, न्यू शिमला, बीसीएस, नवबहार और छोटा शिमला जैसे कई अन्य उपनगर पहुंचने के लिए बस मिलती है। इसके अलावा यहीं दीन दयाल उपाध्याय क्षेत्रीय अस्पताल भी है। ऐसे में यह बेहद भीड़भाड़ वाला इलाका है। यहां दिनभर बड़ी संख्या में गाड़ियों की आवाजाही होती है। अब

सड़क धसने के बाद पुलिस जवानों को ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए भी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। खासकर पीक आवर्स न सिर्फ पुलिस जवानों की, बल्कि आम लोगों की भी परेशानी बढ़ने वाली है। कृष्णानगर के पार्षद बिट्टू कुमार ने कहा कि बारिश की वजह से ठेकेदार ने पार्किंग निर्माण का कार्य बंद किया हुआ था। लेकिन, अचानक यह काम दोबारा क्यों शुरू किया गया इस क्यों नहीं जानकारी नहीं है।

भागलपुर में भीषण हादसा: तेज रफ्तार कार मिनी ट्रक से भिड़ी, 6 लोगों की मौत

एजेंसी

भागलपुर। बिहार के भागलपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, मरने वालों में बिहार के भवानीपुर थाना क्षेत्र के रहने वाले दो और बेगूसराय का एक रहने वाला एक व्यक्ति शामिल है। ये हादसा नवछगिया पुलिस जिला के गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मंकदपुर चौक के समीप हुआ है। बताया जा रहा है कि अहले सुबह कटिहार की ओर से कार तेज रफ्तार में बिहपुर की ओर जा रही थी, तभी मकंदपुर चौक के समीप कार अनियंत्रित हो गयी और सड़क पर खड़े मिनी ट्रक में पीछे से जोड़दार टक्कर मारी। स्थानीय लोगों ने फौरन इसकी जानकारी पुलिस को दी।

इसके बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद कड़ी मशक्कत कर तीनों शव को कार से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए नवगछिया अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। घटना के बाद पुलिस ने मृतकों के शवों का शिनाख्त किया।

लखनऊ से लखीमपुर तक बाढ़ का कहर, सैकड़ों मकान चपेट में; 500 से अधिक लोग फंसे

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बीते कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते कई जिलों में नदियां उफान पर हैं। लखनऊ, गोंडा, लखीमपुर, बरेली, बस्ती में लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके अलावा बहराइच, श्रावस्ती और पीलीभीत भी बाढ़ की चपेट में है। बताया जा रहा है कि गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान से 38 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। नवाबगंज क्षेत्र में पानी भरना शुरू हो गया है। इसके अलावा बाढ़ की स्थिति को देखते हुए ढ़ेमवा घाट रोड पर ट्रैफिक बंद कर दिया गया है। तरबगंज इलाके के अइली में कई जगहों पर कटान हुआ है। वहीं, लखीमपुर के पलिया में बाढ़ के पानी से लोगों में दहशत का माहौल है। पलिया हाईवे पर बाढ़ का पानी आने से हाईवे को बंद किया गया है। इसके साथ ही मैलानी-पलिया रेलवे ट्रैक तेज बहाव

में कट गया है। उधर, बरेली में नदियों के उफान पर होने से 94 गांव में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है।

बता दें कि बरेली में लगभग छह मकान बारिश की वजह से जमींदोज हो गए हैं। इसके साथ ही बहेड़ी के 32 गांव, फरीदपुर के 26 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। वहीं, नवाबगंज के 24 गांव, मीरगंज के 12 गांव में बाढ़ का पानी घुस आया है। बरेली में बाढ़ से नवाबगंज और भुता के कई गांव जलमग्न हैं।

उधर, बस्ती में सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। बस्ती जिले के विक्रमजोत में एक दर्जन गावों में सरयू का पानी घुस आया है। ऐसा ही हाल श्रावस्ती का भी है, श्रावस्ती के जमुनहा, इकौना क्षेत्र में लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इकौना के कई मार्ग जलमग्न हैं और माधवपुर घाट मार्ग भी पूरी तरह से कट गया है। बहराइच में भी सरयू नदी ने खतरे के लाल निशान को पार कर लिया है। मिहींपुरवा, मल्हीपुर-भिनगा मार्ग पर बाढ़ का पानी पहुंच गया है। पीलीभीत जिले के तराई इलाकों में भी बाढ़ का कहर देखने को मिला है, यहां पूरनपुर में 30 गांव जलमग्न हैं। इसके अलावा पानी में 500 से अधिक लोग फंसे हुए हैं, जबकि 250 लोगों को एनडीआरएफ की टीमों ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। बाढ़ में फंसे 500 लोगों को रेस्क्यू करने के लिए प्रशासन ने हेलीकॉप्टर मंगाया है।

श्रावस्ती में बाढ़ के संकट के बीच जलशक्ति मंत्री का दौरा, राप्ती बैराज का किया निरीक्षण

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में राप्ती नदी के उफान पर आने के बाद गहराये संकट के बीच जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह दौरे पर निकले। स्वतंत्रदेव सिंह ने श्रावस्ती जनपद में राप्ती बैराज का निरीक्षण किया। बाढ़ के संकट के बीच मंत्री ने ग्रामीणों से वार्ता कर उनके लिए हर सम्भव सहायता करने की बात की।

श्रावस्ती जनपद के भिनगा में राप्ती नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। दूसरे स्थानों पर भी बाढ़ का संकट है। जलशक्ति मंत्री के श्रावस्ती पहुंचने पर वहां सिंचाई विभाग के अभियंताओं ने कटान पर किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी।? कटान निरोधक कार्य की परियोजना पर स्वतंत्रदेव सिंह ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए उससे जुड़े लोगों को माला पहनाकर सम्मानित किया। लोगों से जलशक्ति मंत्री ने विभाग के अच्छे प्रदर्शन की जानकारी दी। बाढ़ क्षेत्र में पहुंचने के बाद जलशक्ति मंत्री ने

सिंचाई विभाग के अधिकारियों से वार्ता की। राप्ती नदी में छोड़े गये पानी की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने मौके पर हालात की जानकारी को साझा किया। अधिकारियों से स्वतंत्रदेव सिंह ने हर स्थिति पर नजर बनाये रखने और कटान को रोकने के प्रयास पर जोर देने के निर्देश दिये। इस दौरान जलशक्ति मंत्री ने मौके पर एक पौधा भी लगाया।

बैसाखियों के सहारे चल रही केंद्र सरकार जल्द ही गिर जाएगी : संजय सिंह

एजेंसी

जौनपुर। आम आदमी पार्टी (आआप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह सोमवार की रात्रि एक निजी कार्यक्रम में रिश्तेदार के यहां शामिल होने नगर के हुसैनाबाद पहुंचे थे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि बैसाखियों के सहारे केंद्र सरकार चल रही है, वह जल्द ही गिर जाएगी। उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि ये लोग इतने घमण्ड में चूर थे कि एक गाना बनाया था जो राम को लाएं हैं, हम उनको लायेंगे। इसके कारण प्रभु श्रीराम रुष्ट हो गए इसीलिए अयोध्या से लेकर जहां-जहां राम जी गए थे, वहां-वहां पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि भाजपा की एक बार 13 दिन की सरकार थी। उसके बाद 13 महीने चली थी। इस बार छह महीने में चली जायेगी। अगर भाजपा के लोगों का यह घमंड नहीं टूटा तो आने वाले समय में 240 की जगह 24 सीट पर पहुंच जाएगी। संजय सिंह ने कहा कि विपक्ष को सदन में बोलने नहीं दिया जा रहा है , जब हम लोग बेरोजगारी, महंगाई, सेना के जवानों समेत कई मुद्दों पर बात करना चाहते हैं तो माइक ही बंद कर दिया जाता है। हाथरस घटना पर बोलते हुए सांसद ने कहा कि देश में जिस तरह से अंधविश्वास का विस्तार हो रहा है, कोई अपने आपको बाबा घोषित कर दे रहा है। कोई अपने आप भगवान तो कोई चमत्कारी घोषित कर रहा है। इस पर लगाम लगना चाहिए। बाबाओं के बाजार पर लगाम लगना चाहिए, इसे प्रतिबंधित करके कठोर कानून बनाने की आवश्यकता है ताकि इस प्रकार की घटना दोबारा न हो सके।

मौलाना तौकीर रजा ने आरएसएस के बारे में अनर्गल प्रलाप किया है : दिनेश शर्मा

एजेंसी

वाराणसी। प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2024 से जुड़े मामले में कहा कि सभी साक्ष्य सुप्रीम कोर्ट में पहुंचे है। साक्ष्य के आधार पर जो निर्णय होगा वह सभी को मंजूर होगा। भाजपा के राज्यसभा सांसद सोमवार को शहर में आने के बाद मीडिया कर्मियों से रूबरू हुए। शिक्षकों के ऑनलाइन अटेंडेंस के विरोध में

प्रदर्शन से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि सरकार और शिक्षक के बीच एक अच्छा रास्ता निकलेगा। शिक्षक की संतुष्टि बहुत बड़ी चीज है। आरएसएस को लेकर मौलाना तौकीर रजा के विवादित बयान पर पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें मानसिक इलाज कराने के लिए अच्छे अस्पताल की ज़रूरत है। आज उन्होंने मुस्लिम वर्ग को लेकर तमाम बातें कहीं हैं ,जो नहीं कहानी चाहिये । उन्होंने आरएसएस के बारे में अनर्गल प्रलाप किया है। उन्होंने जो कहा है वो तथ्यहीन आधारहीन है। मौलाना पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अध्ययन करें। बताते चले बरेली दंगों के आरोपी मौलाना तौकीर रजा ने एक बार फिर विवादित भड़काउ बयान दिया है। उनका बयान सोशल मीडिया में सुर्खियों में है।

मानसून में ये भी गाते गुनगुनाते नहाते हैं..

आ गया है मानसून। मतलब खूब सारी बारिश और टर्र-टर्र करते मेंढक, मम्मी के हाथ का बना गर्म सूप और कागज की नाव तैराने का समय। ऊपर से सोने पर सुहागा यह कि स्कूल भी अभी बंद ही हैं, इसलिए तुम्हारे तो वारे-न्यारे हो गए हैं। तुम तो इस मौसम में खूब मस्ती करते हो, ये हमें पता है, पर क्या तुम्हें पता है कि जानवर-पक्षी क्या करते हैं? वो कैसे मजे करते हैं। चलो आज जरा घर से बाहर निकलें और इनकी दुनिया में चलें...

यूं तो बारिश में ज्यादातर जानवर और पक्षी छांव वाली जगह की तलाश में रहते हैं, जहां उन पर पानी न गिरे। इसके लिए वे किसी पेड़ के तने, गुफा, पत्ते के नीचे या जमीन के नीचे चले जाते हैं। लेकिन कई जानवर इस बारिश को खूब पसंद करते हैं। खासकर कुछ खास किस्म की चिड़िया गाना गाती हैं तो कुछ पंख फैलाकर नहाती हैं। बारिश के समय मैना, कोयल खूब गाना गाती हैं। चिड़ियों को बारिश खूब पसंद होती है। वो पेड़ की डाली पर बैठकर बारिश का मजा लेती हैं। पत्तों से टपकता पानी उन्हें खूब पसंद है। लेकिन कई तरह की चिड़िया इस मौसम के आने से पहले दूसरे इलाकों में कूच कर जाती हैं। इनमें व्हाइट रपड मनाकिंस खास है। अमेरिका में रहने वाली ये चिड़िया फल खाती है और दो-तीन घंटे से अधिक समय तक भोजन के बिना नहीं रह सकती। जैसे ही बारिश का मौसम आता है ये दूसरे इलाकों की ओर चली जाती हैं।

ऐसे बचाओ अपने पेट्स को

बारिश के समय तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे पेट्स भीगें नहीं। अगर वो भीग भी गए हैं तो उन्हें तुरंत पोंछ दो। अगर उन्हें ठंड लग रही है तो किसी कंबल से ढंककर रखो। जैसे ही बारिश बंद हो तो उन्हें घुमाने कहीं बाहर ले जाओ। उनके साथ खूब खेलो, जिससे वे सुस्त न पड़ें। उनके फर और पंजों को साफ करते रहो। इस मौसम में सबसे ज्यादा जानवर बीमार होते हैं, इसलिए तुम उन पर नजर रखो। अगर उन्हें जलन-खुजलाहट हो रही है या बाल झड़ने लगे हैं तो यह इन्फेक्शन के पनपने की निशानी है। समय से वेक्सिनेशन करवाना जरूरी है।

मौसम बदलेगा, ये पहले से जान लेते हैं: भारी बारिश या तूफान आने से पहले ब्लैक कोकाटूस पहाड़ों से नीचे आना आरंभ कर देते हैं। ऐसा ये सुबह के समय करते हैं।

बिल्लियां अपने पैरों को चाटती हैं और उससे अपनी आंखों को साफ करती हैं। ऐसा माना जाता है कि बिल्ली के कान काफी तेज होते हैं और उन्हें मौसम बदलने से पहले ही कुछ ध्वनियां सुनाई देने लगती हैं, जिससे उनमें यह बदलाव आ जाता है।

गाय का बछड़ा यदि ज्यादा एक्टिव दिख रहा हो तो इसका मतलब है कि बारिश आने वाली है। बछड़ा ऐसे में अपनी आंखों क ो

खुजलाना आरंभ करता है। अगर कुत्ता अपनी पीठ के बल सोने लगे तो समझ लेना चाहिए कि मौसम बदल सकता है। अगर मेंढक चिल्लाने लगें तो मान लें कि 24 से 48 घंटे में बारिश गिरेगी। तोते बारिश होने से पहले खास तरह की आवाजें निकालना आरंभ कर देते हैं। कछुए अगर नदी को छोड़कर मैदानी इलाकों की ओर आएं तो समझ लीजिए कि बारिश या बाढ़ आने वाली है।

तुम्हारे लिए मस्ती का समय है ये...

स्कूल अभी कुछ दिन पहले ही खुले हैं और बारिश शुरू हो चुकी है। मतलब फुल टू मस्ती और धमाल करने का समय है ये। तुम बारिश में खूब नहा सकते हो, खेल सकते हो और चाहो तो घर की खिड़की से इसके नजारे देख सकते हो। पानी में छप-छप करना, दोस्तों को भिगोना, उन्हें छींटे मारना, नाव बनाकर तैराना कितना मजेदार होगा ना। हल्की बारिश में फुटबॉल खेलो, वॉलीबॉल खेलो, क्रिकेट खेलो और मस्ती करो। अगर मां घर से न निकलने दें तो पेंटिंग बनाओ या सूप पियो।

क्या करते हैं जानवर

तोता चुप रहता है और कोई जगह ढूंढकर वहां छिप जाता है। गिलहरी और चुहिया गर्म जगह की तलाश करते हैं और वहां से छिपकर बारिश देखते हैं। मेंढक, कछुए और मछली तालाब या झील के नीचे के भाग में स्थित पत्थरों में शरण लेते हैं। रेंगने वाले जीवों जैसे सांप आदि की खासियत होती है उनकी चमड़ी। चमड़ी पर प्रोटीन होता है, जिसे केरेटिन कहा जाता है। ये उनकी त्वचा को वॉटरप्रूफ बना देता है, इसलिए ये खूब नहाते हैं। ओरंगुटान किसी पेड़ के पत्तों से अपने सिर को ढंककर बैठ जाता है। पीले रंग की चिडिया अमेरिकन गोल्डफिंचेस जरा सी देर भी गीला होकर नहीं रह सकती। बारिश शुरू होते ही वह सूखी जगह की तलाश कर वहां छिप जाती है। मोर बारिश शुरू होने से पहले नाचना शुरू कर देता है। मॉरनिंग डव्स को नहाना पसंद होता है। कठफोड़वा भी खूब नहाता है। बारिश के समय मेंढक तेज आवाजें निकालता है। तोता बारिश बंद होने के बाद एक डाली से दूसरी डाली तक आता-जाता है और नाचता है।

मानसून बोलो या काल वर्षा

मानसून शब्द अरबी भाषा के शब्द 'मौसिम' से बना है। केरल में मानसून को 'काल वर्षा' कहा जाता है। 'मानसून' उन मौसमी पवनों को कहते हैं, जो ठंड में महाद्वीपों से महासागरों की ओर और गर्मी में महासागरों से महाद्वीप की ओर चलती हैं।

बारिश में भीगो पर...

बारिश में भीगने में सभी को मजा आता है। चुभती-जलती गर्मी से राहत मिलती है, प्रकृति और भी सुंदर हो जाती है। जगह-जगह बहते झरने, नदियां कितने सुंदर लगते हैं। वैसे तो मम्मी-पापा भी बारिश को पसंद करते हैं, पर जब बारी बच्चों की आती है तो मम्मी ज्यादा देर बारिश में नहाने नहीं देतीं। जल्दी से घर में आ जाओ, बारिश में मत भीगो, बस इसी बात की रट लगाये रहती हैं। उनका कहना सही भी है, क्योंकि बारिश बच्चों के लिए बीमारियों का कारण भी बन सकती है। हां, अगर तुम इन बातों को ध्यान में रखो तो तुम बारिश का मजा भी ले सकते हो और बीमार भी नहीं पड़ोगे। इस मौसम में सबसे ज्यादा मच्छर पैदा होते हैं, जो कई बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए घर में पानी इकट्ठा मत होने दो। इसके लिए तुम घर में नीम की सूखी पत्तियों का धुंआ कर सकते हो। मानसून में पीने के पानी में अक्सर गंदगी आ जाती है, जो टायफाइड, कॉलरा जैसी बीमारियां फैलाती है। इसलिए पानी उबालकर ही पीएं। बाहर का खाना न खाएं। बारिश के पानी में ज्यादा देर तक मत रहो। इससे तुम्हें स्किन की बीमारियां हो सकती हैं। इसलिए तुम रेनकोट, रेनबूट पहनो और छाता लेकर ही निकलो। जब भी भीगो तो जल्दी से कपड़े बदलो। इस समय गटर या मेनहोल्स के पास मत जाओ, क्योंकि ये सभी ओवरफ्लो होते हैं। मानसून में सर्दी-जुकाम और खांसी हो जाती है। इसलिए मम्मी जो दें वो ही खाओ। नाखूनों को काटकर रखो, क्योंकि बहुत सारी बीमारियां इन नाखूनों से ही पेट के अंदर जाती हैं। इस मौसम में तुम्हें बार-बार हाथ धोने चाहिये। अगर बारिश में तुम्हारे मोजे गीले हो जाएं तो उन्हें उतार दो, नहीं तो फंगल इन्फेक्शन हो सकता है। अगर तुम्हारे घर में एसी लगा है तो नहा कर सीधे उस कमरे में मत जाना, बीमार पड़ सकते हो। गीले बिजली के तारों को मत छूना और न ही उन पर फंसी कोई चीज लोहे के डंडे से निकालने की कोशिश करना।

जानो आइसक्रीम की हिस्ट्री

बच्चों! आइसक्रीम हर किसी को ललचाती है। आज बाजार में आइसक्रीम वनीला, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, मैंगो, पाइनऐपल आदि के स्वाद के साथ कोन, कप, स्टिक आदि के आकर्षक पैकेज में मौजूद है, लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर तरह-तरह की वेरायटी वाली आइसक्रीम बनी कैसे, इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई? आइए जानें इस बारे में..

वैसे यह निश्चित रूप से मालूम नहीं है कि सबसे पहले आइसक्रीम कैसे बनी और इसकी शुरुआत कैसे हुई, लेकिन एक किंवदंती के अनुसार, लगभग दो हजार साल पहले रोमन सम्राट नीरो ने अपने गुलामों से कहा था कि वे पास के पहाड़ों से बर्फ ले आयें। नीरो ने उस बर्फ में फलों का रस, शहद आदि मिलाया और उसका आनंद लिया. इसे ही आइसक्रीम की शुरुआत माना जा सकता है। समय बीतने के साथ लोग बर्फ में अन्य स्वादिष्ट चीजें मिलाकर खाने लगे और सन् 1600 तक आइसक्रीम काफी लोकप्रिय हो चुकी थी। इसके बाद लोग अनेक प्रकार के प्रयोग करके इसे नया-नया रूप, आकार व स्वाद देकर और लोकप्रिय बनाते चले गये। एक बार पार्टियों में वेटर का काम करने वाले रॉबर्ट ग्रीन नामक व्यक्ति ने मजबूरीवश एक प्रयोग कर डाला। उस समय क्रीम और काबरेनेटेड पानी मिला कर एक पेय बनाया जाता था जो कई दशकों तक खासा लोकप्रिय रहा था। एक पार्टी में उस पेय के लिए क्रीम कम पड़ गई। ग्रीन ने उसकी जगह वनीला आइसक्रीम डाल दी। आइसक्रीम एक फोम के रूप में गिलास में ऊपर तक भर गई और वह घोल काफी स्वादिष्ट बन पड़ा था और जल्दी ही वह लोकप्रिय हो गया। इसे आइसक्रीम सोडा के नाम से पुकारा जाने लगा। इसी तरह के मजबूरीवश किये प्रयोगों ने अन्य प्रकार की आइसक्रीम्स को जन्म दिया।

संडे आइसक्रीम

स्मिथसन नामक व्यक्ति के पास एक छोटा-सा रेस्त्रं था, जिसमें लोग आइसक्रीम खाने अक्सर आते थे. 1890 के एक रविवार के दिन उसके रेस्त्रं में आइसक्रीम कम पड़ने लगी और दूसरी चीजें, जैसे फल, विभिन्न प्रकार की चॉकलेटें, क्रीमें आदि काफी थीं। रविवार को आइसक्रीम की आपूर्ति नहीं होती थी इसलिए स्मिथसन ने आइसक्रीम की मात्र कम कर दी तथा उसके ऊपर फल, चॉकलेट सिरप और दूसरी गाढ़ी क्रीम डालना प्रारंभ कर दिया। जब ग्राहकों ने इसकी तारीफ करना प्रारंभ कर दिया तो उसने इस आइसक्रीम का नाम संडे आइसक्रीम रख दिया। अब वह हर रविवार को संडे आइसक्रीम देने लगा। धार्मिक कारणों से कुछ लोगों द्वारा संडे नाम का विरोध करने पर स्मिथसन ने संडे आइसक्रीम में संडे की स्पेलिंग बदल डाली।

कोन वाली आइसक्रीम

कुरकुरे कोन में आइसक्रीम खाने का अलग ही आनंद है। इसकी शुरुआत भी मजबूरी में ही हुई। 1904 में सैंट लुई मेले में दो व्यक्ति खाने की वस्तुओं के काऊंटर पर अगल-बगल खड़े थे। एक पेपर की प्लेटों में आइसक्रीम बेच रहा था और दूसरा वेफर पर (पेस्ट्री जैसा लगने वाला) जिसके ऊपर चीनी के दाने चिपके हुए थे। अगस्त का महीना था और लोग धड़ाधड़ आइसक्रीम ले रहे थे। वेफर बेचने वाला मुंह ताक रहा था। तभी अचानक कागज की प्लेटें कम पड़ गईं और आइसक्रीम वाले को लगा कि अब उसे अपना काऊंटर बंद करना पड़ेगा। तभी वेफर बेचने वाला उसकी मदद के लिए आगे आया। उसने वेफल से कोन बनाया और दोनों उसमें आइसक्रीम भर कर बेचने लगे। लोगों को कुरकुरा वेफ र आइसक्रीम के साथ बहुत भाया तथा अब वह खूब बिकने लगा। 1920 तक एक-तिहाई आइसक्रीम कोन में बिकने लगी।

चॉकलेट आइसक्रीम

एक दिन क्रिश्चियन नेल्सन नामक व्यक्ति अमेरिका के आयोवा में स्थित अपनी दुकान में आइसक्रीम व चॉकलेट बेच रहा था। तभी एक बालक हाथ में सिक्के लिए दुकान में आया और आइसक्रीम की फरमाइश की। फिर उसने इरादा बदल दिया और चॉकलेट की फरमाइश कर डाली। नेल्सन को लगा कि यह बालक तभी संतुष्ट हो पायेगा जब उसे दोनों स्वाद मिलेंगे। उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस काटी तथा उसके दोनों ओर चॉकलेट की पतली परत चिपका दी और तभी चॉकलेट आइसक्रीम की खोज हो गयी। अब वह नयी चॉकलेट वाली आइसक्रीम जमाने लगा। उसने इस दिशा में अनेक प्रयोग भी कर डाले ताकि चॉकलेट उसकी आइसक्रीम से भली प्रकार चिपक जाये। उसे सफलता आसानी से नहीं मिल रही थी। तभी उसको एक सेल्समैन ने सलाह दी कि वह कोको बटर का प्रयोग करे। अब नेल्सन ने नये सिरे से प्रयोग प्रारंभ कि ये। 1920 में एक रात उसने आइसक्रीम की एक स्लाइस चॉकलेट के मिश्रण में डाली। कुछ देर बाद चॉकलेट ठंडा होकर आइसक्रीम के चारों ओर जम गया। इसके साथ ही चॉकलेट लगी आइसक्रीम खासी लोकप्रिय हो गई।

नाइजीरिया की महिला फुटबॉल टीम ने शुरु की पेरिस 2024 की तैयारी

एजेंसी

अबुजा। नाइजीरिया की महिला फुटबॉल टीम ने आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए प्रशिक्षण शिविर में तैयारी शुरू कर दी है। सुपर फाल्कन्स के नाम से जानी जाने वाली टीम ने सेविला के पास जेरेज़ डे ला फ्रोंटेरा में अपना प्रशिक्षण शिविर खोला। नाइजीरिया फुटबॉल महासंघ के प्रवक्ता एडेमोला ओलाजिरे के अनुसार, सुबह तक 18 में से 12 खिलाड़ी आ चुके थे। कप्तान रशीदत अजीबडे और पहली पसंद की गोलकीपर चियामाका नादोज़ी सहित प्रमुख खिलाड़ी पहले से ही शिविर में हैं। ओलाजिरे ने कहा कि सुपर फाल्कन्स ने बहुत उत्साह के साथ प्रशिक्षण शुरू किया सुपर फाल्कन्स ने आखिरी बार 16 साल पहले बीजिंग खेलों में ओलंपिक में भाग लिया था। पेरिस ओलंपिक टूर्नामेंट के लिए अफ्रीकी चैंपियन को स्पेन, ब्राजील और जापान के साथ ग्रुप सी में रखा गया है।

चीनी सुपर लीग टीम बीजिंग गुआन के मिडफील्डर नेबीजान मुहमेट सिर की चोट से उबरे

एजेंसी

बीजिंग। चीनी सुपर लीग टीम बीजिंग गुआन ने घोषणा की कि उनके मिडफील्डर नेबीजान मुहमेट मैच में लगी सिर की चोट से उबर चुके हैं। 21 वर्षीय खिलाड़ी को वुहान थ्री टाउन्स के खिलाफ घरेलू मैदान पर मैच के दौरान 90वें मिनट में मैदान से बाहर ले जाया गया। इस मैच में गुआन की टीम को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। बीजिंग क्लब ने एक बयान में कहा, वह बेहोश और अर्ध-कोमाटोज अवस्था में था और उसे बेचैनी महसूस हो रही थी - जो एक गंभीर मस्तिष्क चोट के लक्षण थे।बयान में कहा गया कि अस्पताल में बाद में किए गए सीटी स्कैन में नेबीजान के मस्तिष्क को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था और मस्तिष्क की चोट के संदिग्ध लक्षण गायब हो गए थे। बयान में आगे कहा गया कि अस्पताल में उपचार और दो घंटे की निगरानी के बाद खिलाड़ी बीजिंग टीम में वापस आ गया है।

राष्ट्रीय बालिका हॉकी चैंपियनशिप को उत्तर प्रदेश की टीम ने जीता

झांसी। झांसी में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित राष्ट्रीय बालिका हॉकी चैंपियनशिप के फाइनल मैच में रोमांचक मुकाबले में उत्तर प्रदेश की टीम ने हरियाणा को 2-1 से हराकर खिताब जीत लिया। राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल मैच में दूसरे हाफ में हरियाणा ने वापसी की कोशिश की। मैच के 55 वें मिनट में उत्तर प्रदेश की टीम ने अपना दूसरा गोल कर जीत पक्की कर ली। हरियाणा ने 60 वें मिनट में एक गोल कर स्कोर को 2-1 कर दिया, लेकिन इसके बाद उनके पास बराबरी करने का कोई मौका नहीं मिला। बता दें कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बालिका हॉकी टीम की जीत पर बधाई दी।

पंजाब हॉकी लीगः दूसरे सप्ताह के मैचों के बाद राउंडग्लास हॉकी अकादमी शीर्ष पर

मोहाली। राउंडग्लास हॉकी अकादमी (आरजीएचए) पिछले सप्ताह में अपने दोनों मैच जीतकर पंजाब हॉकी लीग की तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है । उनके दो मैचों में छह अंक हैं, जबकि दूसरे स्थान पर स्थापित अमृतसर की एसजीपीसी हॉकी अकादमी के भी चार मैचों में छह अंक हैं। जालंधर की सुरजीत हॉकी अकादमी पीआईएस वर्तमान में दो मैचों में पांच अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। आरजीएचए ने बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम, मोहाली में खेले गए लीग के अपने पहले मैच में पीआईएस, लुधियाना को 6-0 से हराया। अर्जनदीप सिंह ने दो बार स्कोर किया, जबकि अमनदीप, हर्षजोत सिंह, जपनीत सिंह और नवजोत सिंह ने अपनी टीम के लिए 1-1 गोल किये । इसी स्टेडियम में खेले गए दिन के दूसरे मैच में एसजीपीसी हॉकी अकादमी, अमृतसर ने पीआईएस मोहाली को 7-1 से हरा दिया। इसके बाद आरजीएचए ने वापसी करते हुए एसजीपीसी हॉकी अकादमी, अमृतसर पर 8-1 की शानदार जीत हासिल की और तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। दिन के दूसरे मैच में नामधारी स्पोर्ट्स अकादमी ने पीआईएस मोहाली को 4-1 से हराकर लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की।

डेविड वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की, चैंपियंस ट्रॉफी में वापसी के दरवाजे खुले रखे

एजेंसी

नई दिल्ली। अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की पुष्टि करते हुए, डेविड वार्नर ने अगले साल होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए वापसी का रास्ता खुला रखा है। वार्नर ने पिछले साल कई बार अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा की।

उन्होंने दिसंबर 2023 में पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की तीन मैचों की रेड-बॉल सीरीज़ समाप्त होने के बाद टेस्ट प्रारूप से संन्यास ले लिया। उन्होंने पिछले साल भारत में अपने रिकॉर्ड-विस्तार वाले छठे वनडे विश्व कप के बाद 50 ओवर के प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। पिछले महीने, बैगी ग्रीन्स के सुपर 8 चरण में टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद उनका छोटे प्रारूप में भी अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त हो गया।

हालांकि, वार्नर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए खुद को उपलब्ध रखा, जो फरवरी में पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी।

उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, मैं कुछ समय तक फ्रैंचाइज़ी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा और अगर मुझे चुना जाता है तो मैं चैंपियंस ट्रॉफी में [ऑस्ट्रेलिया] में खेलने के लिए भी तैयार हूं। जनवरी में, ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट और वनडे कप्तान पैट कमिंस ने आगामी मार्की इवेंट के लिए वार्नर की वापसी की संभावना पर अपनी राय दी। उनका मानना है कि अब समय आ गया है कि अन्य खिलाड़ियों को मौका दिया जाए और उन्हें 50 ओवर के प्रारूप में खेलने का मौका दिया जाए।

उन्होंने जनवरी में कहा था, मुझे लगता है कि शायद कुछ अन्य खिलाड़ियों को वनडे में मौका देने का समय आ गया है, लेकिन यह जानते हुए कि वह अभी भी क्रिकेट खेल रहे हैं। इसलिए यह आपातकालीन विकल्प में कांच तोड़ने जैसा हो सकता है। लेकिन, आप जानते हैं, डेविड दुनिया में कहीं न कहीं रन बना रहे होंगे। इसलिए आप कभी नहीं जान सकते कि यह अंत है। भले ही वार्नर ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में संभावित वापसी के लिए दरवाज़ा खुला छोड़ दिया है, लेकिन उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की पुष्टि की है।

वार्नर ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, अध्याय समाप्त!! इतने लंबे समय तक उच्चतम स्तर पर खेलना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। ऑस्ट्रेलिया मेरी टीम थी। मेरे करियर का अधिकांश हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रहा। ऐसा कर पाना मेरे लिए सम्मान की बात है। सभी प्रारूपों में 100 से अधिक मैच मेरा मुख्य आकर्षण है। मैं उन सभी को धन्यवाद कहना चाहता हूं जिन्होंने इसे संभव बनाया। मेरी पत्नी और मेरी बेटियाँ, जिन्होंने इतना त्याग किया, आपके समर्थन के लिए धन्यवाद।

उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति कभी नहीं जान पाएगा कि हम किस दौर से गुज़रे हैं। सभी क्रिकेट प्रशंसकों के लिए, मैं वास्तव में आशा करता हूँ कि मैंने आपका मनोरंजन किया है और क्रिकेट को बदला है, खासकर टेस्ट क्रिकेट को, इस तरह से कि हम दूसरों की तुलना में थोड़ा तेज़ी से रन बना सकें। हम प्रशंसकों के बिना वह नहीं कर सकते जो हमें पसंद है, इसलिए धन्यवाद। वार्नर ने टेस्ट प्रारूप में 112 मैच खेले और 44.6 की औसत से 8786 रन बनाए। लाल गेंद वाले क्रिकेट में, उनके नाम 26 शतक और 37 अर्द्धशतक भी हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 110 मैच खेले और 33.4 की औसत और 142.5 की स्ट्राइक रेट से 3277 रन बनाए। उनके प्रभावशाली टैली में एकमात्र शतक और 28 अर्धशतक शामिल हैं। वनडे प्रारूप में, वार्नर ने 45.3 की औसत से 6932 रन बनाए हैं। 50 ओवर के क्रिकेट में उनके नाम 22 शतक और 33 अर्द्धशतक दर्ज हैं। उनसे आगे केवल पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग ही हैं।

ग्लोबल शतरंज लीग के दूसरे सीज़न के लिए छह फ्रेंचाइजी घोषित

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल शतरंज लीग ने अपने दूसरे सत्र के लिए छह फ्रेंचाइजी की घोषणा की, जिसका आयोजन 3 से 12 अक्टूबर तक लंदन के फ्रेंड्स हाउस में किया जाएगा। दूसरे सीज़न में एक नई टीम, अमेरिकन गैम्बिट्स की शुरुआत होगी, जिसके मालिक बिजनेस लीडर प्रचूरा पीपी, वेंकट के नारायण और भारतीय क्रिकेटर और शतरंज के शौकीन रविचंद्रन अश्विन

हैं। दूसरे सीज़न में प्रतिस्पर्धा करने वाली छह फ्रेंचाइजी में अमेरिकन गैम्बिट्स के अलावा अल्पाइन एसजी पाइपर्स (एपीएल अपोलो के नेतृत्व वाली एसजी स्पोर्ट्स), गैंग्स ग्रैंडमास्टर्स (इन्सुरेकोट स्पोर्ट्स), मुंबा मास्टर्स (यूनिलेज़र वेंचर्स), पीबीजी अलास्का नाइट्स (पुनीत बालन ग्रुप) और उद्घाटन सीज़न चैंपियन त्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स (त्रिवेणी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड) शामिल हैं। खिलाड़ी एक अद्वितीय संयुक्त टीम प्रारूप में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसमें छह खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें प्रत्येक टीम में दो शीर्ष महिला शतरंज खिलाड़ी और एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल होंगे।

टूर्नामेंट में, प्रत्येक टीम डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में कुल 10 मैच खेलेगी, जिसमें प्रत्येक मैच के विजेता का फैसला बेस्ट-ऑफ-सिक्स बोर्ड स्कोरिंग सिस्टम के आधार पर किया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक 2024 में 57 एथलीट भेजेगा फ़िनलैंड

एजेंसी

हेलसिंकी। आगामी 2024 पेरिस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में फ़िनलैंड के 57 एथलीट हिस्सा लेंगे। फिनिश ओलंपिक समिति ने उक्त घोषणा की। फिनिश प्रतिनिधिमंडल की लीडर लीना पावोलैनेन ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, पेरिस ओलंपिक में फ़िनलैंड का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों की हमारी एक उत्कृष्ट और बहुमुखी टीम है। फ़िनलैंड ने टोक्यो 2020 में कुल 45 एथलीट भेजे, जबकि पेरिस 2024 के लिए यह संख्या बढ़कर 57 हो गई, और वे 14 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। पावोलैनेन ने कहा कि फ़िनलैंड का लक्ष्य पेरिस में कम से कम दो पदक जीतना है।

एथलीटों की सूची में, 13 वर्षीय स्केटबोर्डर हेली सिल्वियो का नाम सबसे ज़्यादा चर्चित है। उसने 9 साल की उम्र में स्केटबोर्डिंग शुरू की और बुडापेस्ट में 2024 ओलंपिक क्वालीफ़ायर सीरीज़ की स्केटबोर्डिंग प्रतियोगिता में सातवें स्थान पर रही, जिससे उसे पेरिस ओलंपिक के लिए

जगह मिल गई। एक और एथलीट जिसने काफ़ी ध्यान आकर्षित किया है, वह है 25 वर्षीय हाई जम्पर एला जुन्निला, जिसने 2019 यूरोपीय एथलेटिक्स अंडर-23 चैंपियनशिप में 1.92 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता था। दो साल बाद, उसने 2021 यूरोपीय एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में 1.96 मीटर की छलांग लगाकर फ़िनिश राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया और टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया। 2024 यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में, जुन्निला 1.94 मीटर की छलांग लगाकर पाँचवें स्थान पर रहीं।2024 पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे।

होल्गर रून को हराकर 15वीं बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जोकोविच

लंदन। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने डेनमार्क के होल्गर रून को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर 15वीं बार विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने रून को करारा झटका दिया और लगातार 12 अंक लेकर शुरुआती सेट में 3-0 की बढ़त बना ली।

21 वर्षीय रून सात बार के विंबलडन चैंपियन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने खेल को मुश्किल से बढ़ा पाए और पिछले साल की तरह ऑल इंग्लैंड क्लब में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में असफल रहे।

जीत के बाद 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा, मुझे नहीं लगता कि होल्गर ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के करीब भी खेला। उनके लिए यह कठिन शुरुआत थी। इससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गए।

अगले दौर में जोकोविच का सामना एलेक्स डी मिनौर से होगा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिनौर ने फ्रांस

के आर्थर फ़िल्स को 6-2, 6-4, 4-6, 6-3 से हराया। एक अन्य मुकाबले में अमेरिकी दिग्गज टेलर फ़िरट्ज़ ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-7(4), 6-4, 7-6(3), 6-3 से हराया। महिला एकल में, पिछले साल की सेमीफाइनलिस्ट यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना चीन की वांग ज़िन्यू को एक घंटे के भीतर 6-2, 6-1 से हराया। 29 वर्षीय स्वितोलिना क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की 2022 विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना से भिड़ेंगी।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए रवाना

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय पुरुष हॉकी टीम स्विटजरलैंड के माइक हॉर्न बेस के लिए रवाना हुई। मानसिक दृढ़ता पैदा करने के लिए डिज़ाइन किए गए तीन दिवसीय अवधि के बाद, टीम अभ्यास मैच खेलने के लिए नीदरलैंड जाएगी। प्रशिक्षण के इस अंतिम चरण को पूरा करने के बाद टीम 20 जुलाई को पेरिस में पहुंचेगी।

भारत 2024 पेरिस ओलंपिक में पूल बी में अपनी यात्रा की शुरुआत 27 जुलाई को न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से करेगा, उसके बाद 29 जुलाई को अर्जेंटीना के खिलाफ मैच होगा। इसके बाद वे क्रमशः 30 जुलाई और 1 अगस्त को आयरलैंड और बेल्जियम का सामना करेंगे, जबकि 2 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका अंतिम ग्रुप स्टेज मैच होगा। शीर्ष-4 में जगह बनाने से भारत का नॉकआउट चरणों में पहुंचना सुनिश्चित हो जाएगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपनी फ्लाइट पर चढ़ने से पहले कहा, हमने हाल ही में साई बेंगलुरु में दो सप्ताह का कठिन शिविर पूरा किया है और माइक हॉर्न के साथ स्विट्जरलैंड में थोड़े समय के चक्कर के बाद, जो अपने डर पर विजय पाने वाले अपने चरम कारनामों के लिए जाने जाते हैं, टीम नीदरलैंड और मलेशिया के खिलाफ कुछ अभ्यास मैच खेलेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम अपनी ओलंपिक यात्रा शुरू करने से पहले मानसिक और शारीरिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति में हैं। टीम पूरे जोश में है और प्रशिक्षण के अंतिम चरण का इंतजार कर रही है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप कप्तान हार्दिक सिंह ने कहा, टीम ने अब तक अच्छी तैयारी की है, हमने एफआईए प्रो लीग 2023/24 के लंदन और एंटवर्प चरणों से उन क्षेत्रों की पहचान की है जिनमें सुधार की आवश्यकता है और साई बेंगलुरु में प्रशिक्षण शिविर में इस पर काम किया है। दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें पेरिस 2024 ओलंपिक में भाग लेंगी लेकिन यह टीम इस अवसर का लाभ उठाने और भारत को गौरव दिलाने के लिए तैयार है। हमें अपनी क्षमताओं पर भरोसा है और आगे की यात्रा को लेकर उत्साहित हैं।

खेलो इंडिया महिला वुशु लीगः उत्तर क्षेत्र प्रतियोगिता की मुख्य आकर्षण होंगी आयरा चिश्ती, कोमल नागर

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी आयरा चिश्ती और कोमल नागर 9 से 13 जुलाई तक पटियाला के नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में आयोजित होने वाले खेलो इंडिया महिला वुशू लीग के उत्तरी क्षेत्रीय दौर में आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगी। उत्तर क्षेत्रीय मीट में सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर श्रेणियों में कुल 350 एथलीट भाग लेंगे, जिसमें सांडा (लड़ाई) और ताओलू (फॉर्म) दोनों शामिल हैं।यह आयोजन हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल, चंडीगढ़, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के वुशू खिलाड़ियों के लिए खुला है। उत्तर क्षेत्रीय प्रतियोगिता पिछले महीने कर्नाटक में आयोजित दक्षिण क्षेत्रीय प्रतियोगिता के बाद होगी। चार क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं के बाद, राष्ट्रीय रैंकिंग चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। युवा मामले और खेल मंत्रालय का खेल विभाग भारतीय वुशु महासंघ द्वारा आयोजित 7.2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाली प्रतियोगिता को वित्तपोषित करता है। सब-जूनियर, जूनियर और सीनियर स्पर्धाओं के शीर्ष आठ वुशु एथलीटों को नकद प्रोत्साहन मिलेगा।

अतिका मीर आयरन डेम्स न्यू यंग टैलेंट पहल के लिए शॉर्टलिस्ट होने वाली बनीं एकमात्र एशियाई

एजेंसी

नई दिल्ली। चार पहिया मोटरस्पोर्ट्स में सबसे तेज़ भारतीय रेसर, नौ वर्षीय रेसिंग सनसनी अतिका मीर को स्विट्जरलैंड स्थित प्रतिष्ठित ऑल-वुमेन मोटरस्पोर्ट्स टीम आयरन डेम्स न्यू यंग टैलेंट पहल की पहली चयन प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।

इस पहल का उद्देश्य आठ से 13 वर्ष की आयु के बीच की युवा महिला कार्ट रेसरों जो मोटरस्पोर्ट में करियर का सपना देखती हैं, की पहचान करना और उनका विकास करना है। पहले चयन दौर की तारीख इटली के फ्रांसियाकोर्टा में 29-30 जुलाई, 2024 तय की गई है। अतिका एकमात्र एशियाई कार्टर है और दुनिया भर की 11 लड़कियों के बीच शॉर्टलिस्ट होने वाली सबसे कम उम्र की भी है। आयरन डेम्स ने विश्व एंड्योरेंस रेसिंग के शिखर पर ऐतिहासिक जीत और सफलताएं हासिल कीं, जिसमें 2023 में एफआईए वर्ल्ड एंड्योरेंस चैंपियनशिप में रेस जीतने वाली पहली महिला टीम बनना भी शामिल है। यंग टैलेंट पहल महिला रेसिंग सितारों की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करेगी। अपने चयन को लेकर, अतिका ने कहा, ÷आयरन डेम्स यंग टैलेंट चयन प्रक्रिया के लिए शॉर्टलिस्ट किए जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह मुझे एक ड्राइवर के रूप में प्रदर्शन करने और अपने कौशल में सुधार करने के लिए प्रेरित करेगा। मैं चयन में शीर्ष पर आने और भारत को गौरवान्वित करने के लिए कड़ी मेहनत और खुद को पहले से बेहतर तैयार करूंगी। अतिका को दुनिया भर से आवेदकों की एक लंबी सूची में से चुना गया था, जिन्हें विभिन्न मापदंडों के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया है। आयरन डेम्स डिटेक्शन सेल द्वारा प्रत्येक प्रविष्टि की सावधानीपूर्वक समीक्षा की गई, जिसने उम्मीदवारों का उनके जुनून, दृढ़ संकल्प, मोटरस्पोर्ट पृष्ठभूमि और उनके कैरियर आकांक्षाओं की ताकत के आधार पर मूल्यांकन किया। चयनित प्रतिभागी विभिन्न प्रकार की राष्ट्रीयताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो आयरन डेम्स परियोजना की वैश्विक पहुंच और समावेशी भावना को दर्शाते हैं। सभी शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का मूल्यांकन कठोर स्काउटिंग कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें उनके ड्राइविंग कौशल, प्रतिबद्धता, कार्य नैतिकता और आयरन डेम्स के मूल्यों और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करने की क्षमता जैसे पैरामीटर शामिल हैं।

पेरिस ओलंपिक: सिंधु, शरत कमल होंगे भारतीय ध्वजवाहक; नारंग को मिली सीडीएम की भूमिका

एजेंसी

नई दिल्ली। लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग ने पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के शेफ-डी-मिशन (सीडीएम) होंगे, उन्होंने मैरी कॉम की जगह ली, जबकि शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक होंगी।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि मैरी कॉम के इस्तीफे के बाद 41 वर्षीय नारंग को डिप्टी सीडीएम के पद से पदोन्नत करना एक स्वतःस्फूर्त निर्णय था।

पीटी उषा ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मैं अपने दल का नेतृत्व करने के लिए एक ओलंपिक पदक विजेता की तलाश कर रही थी और मेरी युवा सहकर्मी मैरी कॉम के लिए एक उपयुक्त प्रतिस्थापन है।

छह बार की विश्व चैंपियन मैरी कॉम ने अप्रैल में अपने पद से

इस्तीफा देते हुए कहा था कि उनके पास व्यक्तिगत कारणों से पद छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। इस साल मार्च में आईओए ने उन्हें सीडीएम नियुक्त किया था।

शेफ-डी-मिशन एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक पद है क्योंकि वह भाग लेने वाले एथलीटों के कल्याण को सुनिश्चित करने, उनकी जरूरतों का ख्याल रखने और आयोजन समिति के साथ संपर्क करने के लिए जिम्मेदार है। आईओए ने यह भी घोषणा की कि लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की एकमात्र महिला एथलीट सिंधु 26 जुलाई को उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी, उनके साथ टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल भी होंगे। उषा ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए भी खुशी हो रही है कि दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की एकमात्र महिला पीवी सिंधु उद्घाटन समारोह में टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरत कमल के साथ महिला ध्वजवाहक होंगी।

आईओए ने मार्च में कमल को ध्वजवाहक नियुक्त किया था, लेकिन महिला एथलीट को चुनने के फैसले में देरी की। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 2020 में अपने प्रोटोकॉल में बदलाव करते हुए ग्रीष्मकालीन खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रत्येक एनओसी के एक महिला और एक पुरुष एथलीट को संयुक्त रूप से ध्वज उठाने की अनुमति दी थी। टोक्यो ओलंपिक में मैरी कॉम और पूर्व हॉकी कप्तान मनप्रीत सिंह भारत के ध्वजवाहक थे। उषा ने कहा, मुझे विश्वास है कि हमारे एथलीट पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ परिणाम देने के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। 26 जुलाई से शुरू होने वाले पेरिस खेलों के लिए 100 से अधिक एथलीटों ने क्वालीफाई किया है। दिलचस्प बात यह है कि पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता नारंग को शूटिंग रेंज में भारत के संचालन की देखरेख का काम सौंपा गया था, जो मुख्य स्थलों से बहुत दूर है।

भारत ओलंपिक में अब तक का अपना सबसे बड़ा निशानेबाजी दल उतारेगा, जिसमें 21 खिलाड़ियों ने खेलों के लिए क्वालीफाई किया है। अब जबकि नारंग को सीडीएम की भूमिका के लिए चुन लिया गया है, आईओए को शूटिंग रेंज में उनका विकल्प ढूंढना होगा।

स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 10 से बीकानेर में, 29 टीमें भाग लेंगी

एजेंसी

बीकानेर। राजस्थान फुटबॉल संघ के निर्देश पर जिला फुटबॉल संघ बीकानेर, थर्ड आरएसी बटालियन बीकानेर, बीकानेर फुटबॉल क्लब के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान अंडर-14 बॉयज स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन श्रीगंगानगर रोड पर स्थित चैनसिंह स्टेडियम में 10 जुलाई से होगा। यह जानकारी एक प्रेस कांफ्रेंस में कमांडेंट आरएसी बटालियन सीमा हिंगोनिया, देवीसिंह राजवी, भरत पुरोहित ने संयुक्त रुप से दी। इस अवसर पर प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद अतिथियों के अलावा विधायक पश्चिम बीकानेर जेठानंद व्यास ने विजेता, उपविजेता की ट्रॉफी के साथ ड्रेसेज का लोकार्पण

भी किया। पत्रकारों से वार्ता के दौरान उन्होंने बताया गया कि प्रतियोगिता में बीकानेर सहित राज्य की 29 टीमें हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता नॉकआउट आधार पर आयोजित होगी तथा सेमीफाइनल, फाइनल एवं तृतीय स्थान के लिए कुल 29 मैच खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में विजेता, उप विजेता एवं तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों को ट्रॉफी एवं मेडल दिए जाएंगे। प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार तथा प्रतियोगिता के बेस्ट प्लेयर, बेस्ट गोलकीपर, बेस्ट स्कोरर, बेस्ट डिफेंडर, बेस्ट मिडफीडर, बेस्ट फॉरवर्ड और इमर्जिंग प्लेयर का व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिया जाएगा। बाहर से आने वाली सभी टीमों के रहने की व्यवस्था आयोजन समिति करेगी।

ओलंपिक 2024: अदाणी समूह ने भारतीय एथलीटों के लिए मनोबल बढ़ाने वाला #देशकागीतएटओलंपिक्स कैंपेन शुरू किया

एजेंसी

अहमदाबाद। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भारतीय दल फ्रांस के लिए उड़ान भरने से पहले कड़ी मेहनत कर रहा है। इसके प्रमुख प्रायोजक- अदाणी समूह ने #देशकागीतएटओलंपिक्स थीम वाले कैंपेन के माध्यम से देश के चैंपियनों को अपना पूरा समर्थन देने का संकल्प लिया है। यह कैंपेन उन एथलीटों पर केंद्रित है, जिन्होंने जीत हासिल करने और जीत के बाद राष्ट्रगान सुनने के महान उद्देश्य से घंटों और वर्षों तक प्रशिक्षण लिया है। एक प्रेरक फिल्म द्वारा संचालित यह कैंपेन भारतीय एथलीटों के अथक समर्पण को दर्शाता है और दर्शकों के बीच देशभक्ति की भावना को फिर से जगाता है क्योंकि भारत के सर्वश्रेष्ठ एथलीट एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। फिल्म में भारत की शीर्ष खेल प्रतिभाओं को दिखाया गया है, जो टोक्यो ओलंपिक के पदक जीतने वाले रहे हैं और अब एक बार फिर सबसे प्रतीक्षित वैश्विक खेल आयोजनों में से एक में राष्ट्रगान सुनने का सम्मान हासिल करने के उद्देश्य से पेरिस जाने की तैयारी में पसीना बहा रहे हैं। पिछले ओलंपिक में, भारत ने रिकॉर्ड 7 पदक जीते थे।

अदाणी समूह भारत में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को ऊपर उठाने और इसे विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पूरे देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देता है और आगे बढ़ाता है। अपने योगदान के माध्यम से, समूह का लक्ष्य भारत के अगली पीढ़ी के खेल चैंपियनों को विकसित करना और राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलंपिक जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की उनकी यात्रा में उनका समर्थन करना है।

आलिया भट्ट

ने सासू मां के जन्मदिन पर शेयर किया खास पोस्ट, नीतू कपूर को बताया अपनी ताकत

फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री नीतू कपूर 8 जुलाई 2024 को अपना 66वां जन्मदिन मना रही हैं। इस खास मौके पर एक्ट्रेस को चाहने वाले जन्मदिन की ढेर सारी बधाइयां दे रहे हैं। वहीं अब उनकी बहूरानी यानी आलिया भट्ट ने भी अपनी सासू मां को खास अंदाज में बर्थडे विश किया है।

आलिया भट्ट ने यूं किया विश

आलिया भट्ट और नीतू कपूर की बॉन्डिंग किसी से छिपी नहीं है। दोनों एक-दूसरे की तारीफ करने का एक भी मौका नहीं जाने देती और जब बात बर्थडे विश की हो तो दोनों एक-दूसरे पर खुलकर प्यार लुटाती हैं। अब आलिया भट्ट ने भी यहीं किया है।

नीतू के 66 वें जन्मदिन पर इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें नीतू कपूर के साथ सोनी राजदान भी नजर आ रही हैं। दोनों मांएं व्हाइट आउटफिट में दिखाई दे रही हैं और कैप्शन में लिखा- जन्मदिन मुबारक हो मॉम। मेरी ताकत, शांति और फैशन की सभी चीजों का स्तंभ। लाई लव यू।

आलिया भट्ट की आने वाली फिल्म

आदित्य चोपड़ा ने पिछले साल महिला प्रधान स्पाई फिल्म का ऐलान किया था, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आएगी। इस फिल्म का नाम 'अल्फा% हैं। हाल ही में एक टीजर रिलीज हुआ था, जिसमें आलिया भट्ट की अवाज सुनाई दे रही थी ।बता दें, फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। तो वहीं, नीतू कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो आखिरी बार अनिल कपूर, वरुण धवन और कियारा आडवाणी के साथ फिल्म %जुग जुग जियो% में नजर आई थीं।

संजय दत्त-आर माधवन के बाद रणवीर सिंह की इस फिल्म में हुई 23 फ्लॉप देने वाले एक्टर की एंट्री

आने वाले समय में रणवीर सिंह पर्दे पर इंटेलिजेंस ऑफिसर का किरदार निभाते नजर आएंगे. रणवीर सिंह ने 'धुरंधर' नाम की एक एक्शन ड्रामा फिल्म के लिए साल 2019 की ब्लॉकबस्टर पिक्चर 'उरी= द सर्जिकल स्ट्राइक' के डायरेक्टर आदित्य धर के साथ हाथ मिलाया है. पहले से ही ऐसी खबरें चल रही हैं कि रणवीर इस फिल्म को लीड करेंगे और उनके साथ संजय दत्त, आर माधवन और अर्जुन रामपाल भी अहम किरदार में नजर आएंगे. अब इस फिल्म से एक और एक्टर का नाम जुड़ गया है. वो एक्टर कोई और नहीं, बल्कि अक्षय खन्ना हैं.पिंकविला की एक रिपोर्ट की मानें तो अक्षय फिल्म में खास रोल करने वाले हैं. आदित्य ने इस फिल्म के लिए जो कहानी तैयार की है उससे अक्षय काफी इंप्रेस हुए और उन्होंने ये फिल्म साइन कर ली है. रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि इसी साल अगस्त से इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है. पहले इंडिया और फिर उसके बाद बाहर के लोकेशंस पर इस पिक्चर के पहले शेड्यूल की शूटिंग होगी. बताया जा रहा है कि ये सच्ची घटना पर आधारित कहानी होने वाली है और रणवीर रॉ के एक मजबूत एजेंट के रोल में दिखेंगे.

कब तक रिलीज होगी 'धुरंधर'?

रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि इस फिल्म को इस हिसाब से तैयार किया जा रहा है कि 2025 में इसे रिलीज किया जा सके. अभी इस फिल्म का ऑफिशियल ऐलान नहीं हुआ है. इससे पहले भी एक रिपोर्ट सामने आई थी जिसमें बताया गया था कि 'धुरंधर' फिल्म का फाइनल नाम नहीं है, बल्कि बाद में इसके नाम को बदला भी जा सकता है.

इस फिल्म में अक्षय खन्ना का रोल क्या होगा, इस बारे में अभी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है. बहरहाल, अक्षय लगभग 27 सालों से बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं. उनकी पहली फिल्म 'हिमालय पुत्र' थी, जो साल 1997 में रिलीज हुई थी. उसके बाद उन्होंने ढेरों फिल्में की. बॉक्स ऑफिस इंडिया की मानें तो अब तक उनकी लगभग 23 फिल्में फ्लॉप हुई हैं.

घर में हुआ चौथा एलिमिनेशन, अनिल कपूर के शो से बाहर हुई मुनीशा खटवानी

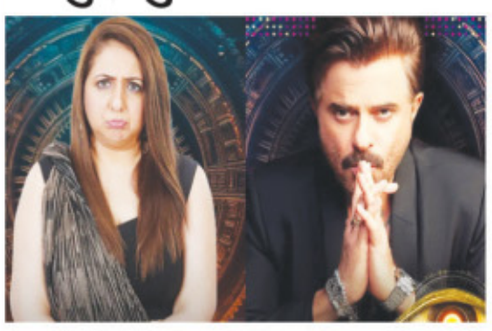

बिग बॉस ओटीटी 3 के घर से टैरो कार्ड रीडर मुनीशा खटवानी बाहर हो गई हैं. रविवार को हुए 'वीकेंड का वार' में अनिल कपूर ने एलिमिनेशन की घोषणा करते हुए कहा कि इस हफ्ते नॉमिनेट हुए कंटेस्टेंट में से मुनीशा खटवानी और सना सुल्तान बॉटम 2 में हैं और घरवालों को आपस में तय करना होगा कि इन दोनों में से कौन एक शख्स शो से बाहर होगा. सभी कंटेस्टेंट से पूछा गया कि वो सना सुल्तान और मुनीशा में से किसे सुरक्षित करना चाहते हैं? घर में मौजूद 13 कंटेस्टेंट में से विशाल, लवकेश कटारिया और सना मकबूल इन तीन कंटेस्टेंट ने मुनीशा के लिए वोट किया.घर में हुई वोटिंग में 3 कंटेस्टेंट ने मुनीशा के पक्ष में तो बाकी 8

कंटेस्टेंट ने उनके खिलाफ सना सुल्तान के पक्ष में वोटिंग की. सना सुल्तान से कम वोट मिलने की वजह से मुनीशा को शो से एलिमिनेट किया गया. अनिल कपूर ने उनके एविक्शन की आधिकारिक घोषणा करते हुए उन्हें बिग बॉस के घर से बाहर आने के लिए कहा. बिग बॉस के घर से बाहर आने से पहले मुनीशा अपने दोस्त विशाल पांडे, लवकेश और सना को गले लगाते हुए फूट-फूटकर रोईं.

घर में हुए चौथा एविक्शन

मुनीशा खटवानी, अनिल कपूर के शो से बाहर होने वाली चौथी कंटेस्टेंट हैं. उनसे पहले बिग बॉस के घर से 3 कंटेस्टेंट को शो से बाहर कर दिया गया है. सबसे पहले हरियाणा के बॉक्सर नीरज गोयत को बिग बॉस से बाहर होना पड़ा था. नीरज के बाद जनता के कम वोट मिलने की वजह से अरमान मलिक की पहली पत्नी पायल मलिक शो से बाहर हो गईं थीं. पायल के बाद मशहूर टीवी एक्ट्रेस पौलोमी दास को बिग बॉस के घर से बाहर का रास्ता दिखाया गया था और अब टैरो कार्ड रीडर मुनीशा खटवानी को घरवालों ने बिग बॉस से बाहर कर दिया है.

फोटोग्राफर ने जब बिकिनी न पहनने पर

मनीषा कोइराला

को लगाई थी डांट, मल्लिका जान ने शेयर किया किस्सा

मनीषा कोइराला की गिनती बी टाउन की बेस्ट एक्ट्रेस में होती है। इसी साल उन्होंने संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी से जबरदस्त वापसी की है। इस सीरीज में उन्होंने मल्लिका जान का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद भी किया। सीरीज हिट होने के बाद एक्ट्रेस कई इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात कर चुकी हैं।अब एक बार फिर उन्होंने एक इंटरव्यू में अपनी लाइफ से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है। मनीषा ने बताया है कि कैसे एक फोटोग्राफर ने उन्हें बिकिनी पहनने के लिए कहा था। जब एक्ट्रेस ने उन्हें मना कर दिया, तो फोटोग्राफर ने उनको काफी कुछ सुनाया था।

फोटोग्राफर लेकर आया था टू-पीस बिकिनी

हाल ही में फिल्मफेयर के साथ बात करते हुए मल्लिका जा ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई चीजें शेयर की। मनीषा कोइराला ने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मेरे करियर के शुरुआती दिनों में मुझे तस्वीरें लेने के लिए कहा गया था ।वहां एक बहुत फेमस फोटोग्राफर था। उनके यहां मैं अपनी मां के साथ गई थी। पहले उस फोटोग्राफर ने मुझसे कहा कि तुम अगली सुपरस्टार हो वगैरह-वगैरह। फिर वह मेरे पास एक टू-पीस बिकिनी लेकर आया और मुझे उसे पहनने के लिए कहा।

एक्ट्रेस ने कर दिया था मना

इसके आगे हीरामंडीएक्ट्रेस ने बताया कि मैंने उससे कहा कि सर, मैं इसे तब पहनती हूं, जब मैं बीच पर जाती हूं या स्विमिंग के लिए जाती हूं। अगर मुझे इस तरह से फिल्मों में जाना है, तो मैं ये नहीं करूंगी। मैं इसे नहीं पहनूंगी। मैंने उनसे कहा कि तुम पूरे कपड़ों में फोटो खींचो, वरना रहने दो। इसके बाद फोटोग्राफर ने उन्हें डांटा था और एक डायलॉग मारा था, जिसे वह आज भी नहीं भूल पाई हैं।

फोटोग्राफर ने मनीषा कोइराला से कहा था कि जो मिट्टी पिघलने से शरमाती हो, उसकी मूर्ति कैसे बनाए। जब एक्ट्रेस बड़ी स्टार बन गई थी, तो वह फोटोग्राफर फिर उनसे मिला था और उस समय उसने बात पलट दी थी यह कहकर की उसे पता था, एक्ट्रेस बड़ी स्टार बनेंगी।